ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ईडी ने जांच शुरू की, सीएम सिद्धारमैया को समन मिलने की संभावना @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 02 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-273

रोहिंग्या युवतियों को भारत में घुसाया, बसाया और बड़े लोगों को 'परोसा'

फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा समेत कई धनपशु हैं 'सप्लायर'

भारत में बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों को लेकर सामाजिक, सांगठनिक और राजनीतिक मंचों से तमाम चिताएं तो जाहिर की जाती हैं, लेकिन किसी भी मंच से यह बात नहीं होती कि बाहरी घुसपैठिए आखिर भारत में घुसते कैसे हैं? सीमा पर तैनात सुरक्षा बल उन्हें भारत में घुसने क्यों देते हैं? घुसपैठियों को भारत का शासन-प्रशासन तंत्र आधार कार्ड, पासपोर्ट, राशन कार्ड जैसे दस्तावेज कैसे मुहैया कराता है? इन सवालों का जवाब यह है कि भारत के लोगों की घूसखोर नस्ल भारतवर्ष की सारी आफत के मूल में हैं। पैसे के लिए भारत के बहुतायत लोग भारत को खुलेआम सरेआम बेच डालने में कोई शर्म नहीं करेंगे। ऐसे ही घृणित तत्वों को हम सम्मानित करते हैं, महिमामंडित करते हैं और उनसे हाथ मिला कर खुद को गौरवान्वित महसूस करते हैं। अभी जिस घटना को लेकर बात आगे बढ़ेगी, वह भी ऐसे ही नस्लदूषित भारतवर्षियों की घृणित हरकत है, जिसके कारण रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत में बसाया गया। उन्हें सारे प्रामाणिक दस्तावेज मुहैया कराए गए और उनकी महिला सदस्यों को बड़े बड़े धन्नासेठों के आगे परोसा गया।

पोर्न स्टार रिया बर्डे उर्फ बोन्या शेख गिरफ्तार, फर्जी बाप अरविंद बर्डे फरार

शुभ-लाभ चिंता

रितु उर्फ मोनी शेख, अंजलि उर्फ रूबी शेख, रवींद्र उर्फ रियाज की तलाश जारी

इस काम में मशहूर फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा समेत जैसे कई चेहरे सक्रिय रूप से शामिल हैं। लेकिन हम उनसे नफरत नहीं करते। कानून की कार्रवाईयों की तो बात ही दूर और अलग है। उल्लेखनीय है कि भारत के दोगले प्रशासनिक तंत्र की वजह से वर्तमान में करीब 90 लाख रोहिंग्या भारत में अवैध रूप से रह रहे हैं।

हाल ही में महाराष्ट्र पुलिस ने रिया बर्डे उर्फ रिया अरविंदा बर्डे उर्फ आरोही बर्डे उर्फ बोन्या शेख नामक महिला को फर्जी पासपोर्ट हासिल कर भारत में अवैध रूप से रहने और अश्लील फिल्मों में काम करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। रोहिंग्या घुसपैठिया रिया बर्डे उर्फ बोन्या शेख फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के ▶10पर

पलवल की विशाल जनसभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी

कांग्रेस की नस-नस में भ्रष्टाचार दौड़ता है

पलवल, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलवल में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी की करतूतों और कांग्रेस नेताओं की चारित्रिक असलियत के धागे फिर से खोले और कहा, कांग्रेस की नस-नस में भ्रष्टाचार दौड़ता है। ये दलालों और दामादों की पार्टी बन गई है। कांग्रेस के राज में यहां जमीन की दलाली करने वाले मालामाल हो गए। जबकि किसान को सिर्फ 2 रुपए का मुआवजा मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि जमीन की दलाली में कांग्रेसी दलाल और कांग्रेसी दामाद अरबों के स्वामी बन गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज कांग्रेस यहां एमएसपी को लेकर बड़ी बड़ी बातें कर रही है। लेकिन कांग्रेस की सरकार यहां सिर्फ 3-4 फसलों पर एमएसपी देती थी। जबकि भाजपा सरकार 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रही है। पिछले 8 सीजन में एमएसपी के रूप में यहां के लाखों किसानों को 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में मिली है। पीएम मोदी बोले, कांग्रेस ने देश के लिए जरूरी हर विषय को उलझाए रखा। कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनने दिया। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में संविधान पूरी तरह से लागू नहीं होने दिया। उसने हमारी बहनों को संसद और विधानसभा में आरक्षण से वंचित रखा। उसने हमारी मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की समस्या में उलझाए रखा। कांग्रेस ने देश की, देशवासियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया बल्कि अपने परिवार को स्थापित करने में पूरी शक्ति लगा दी।

पीएम मोदी ने कहा, यहां हरियाणा में कांग्रेस के भीतर जो कलह मची है, उसे भी यहां के लोग देख रहे हैं। कांग्रेस से सबसे अधिक नाराजगी तो दलित, पिछड़े, वंचित समाज की है। दलित समाज ने भी ठान लिया है कि वो बापू-बेटे की राजनीति को चमकाने का मोहरा नहीं बनेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, हम परिणाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि कांग्रेस कभी भी खुद मेहनत नहीं करती। कांग्रेस को लगता था कि 10 साल हो गए, हरियाणा वाले उन्हें थाली में परोसकर सत्ता दे देंगे। यही गलतफहमी कांग्रेस को मध्य प्रदेश में भी थी, वहां भी कांग्रेस के लोग पहले ही जीत का जश्न मनाने लगे थे। लेकिन मध्य प्रदेश की जनता ने वोटिंग के दिन कांग्रेस को दिन में तारे दिखा दिए।

पीएम मोदी ने कहा, हरियाणा ने हमें सिखाया है कि काम करो, मेहनत से करो। कांग्रेस का फॉर्मूला है न काम करो और न दूसरों को काम करने दो। कांग्रेस की राजनीति केवल झूठे वादों तक सीमित रहती है, जबकि भाजपा की राजनीति मेहनत और परिणामों पर टिकी है। पीएम मोदी ने कहा, मैंने एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में लंबे समय तक हरियाणा की जमीनी राजनीति को देखा है। बीते दिनों हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्र में मुझे चुनाव अभियान के लिए, जनता-जनार्दन के दर्शन के लिए जाने का अवसर मिला है। आज इस चुनाव की ये मेरी अंतिम सभा है। आपने भी मेरी इस चुनाव की आखिरी सभा को चार चांद लगा दिए हैं। ▶10पर

भारत के थलसेना अध्यक्ष ने दिया संवेदनशील बयान

सीमा पर हालात स्थिर हैं, लेकिन सामान्य नहीं

हम किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार: जनरल

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्वी लद्दाख में चीन और भारत के बीच जारी सैन्य गतिरोध पर कहा कि इस क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति स्थिर तो है, लेकिन मामला संवेदनशील है और स्थिति सामान्य नहीं है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि विवाद के समाधान पर दोनों पक्षों के बीच कूटनीतिक वार्ता से एक सकारात्मक संकेत सामने आ रहा है लेकिन किसी भी योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर ▶10पर

युद्ध के लिए जरूरी है, उसकी अग्रिम योजना

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। इज़राइल हिज्बुल्लाह युद्ध के प्रसंग में पेजर धमाकों को लेकर पूछे गए सवाल पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि जिस पेजर की बात हो रही है, वह ताइवान की कंपनी है, जिसे हंगरी की कंपनी को सप्लाई किया जा रहा था। हंगरी की कंपनी ने इसके बाद उन पेजरों को बेबनान सप्लाई कर दिया। जनरल द्विवेदी ने कहा, जो शेल कंपनी बनाई गई, वह इज़राइलियों का मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। इसके लिए सालों-साल की तैयारी की जरूरत होती है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

बिहार की राजधानी में विशाल राजनीतिक जलसे की तैयारी

प्रशांत किशोर करेंगे पार्टी की आलीशान लॉन्चिंग

पटना, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को प्रशांत किशोर अपनी जन सुराज पार्टी की औपचारिक लॉन्चिंग कर रहे हैं। बिहार में बड़े राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में इसे प्रस्तुत किया जा रहा है। सभी राजनीतिक दलों की नजर वहीं टिकी हैं। बिहार में अपनी राजनीतिक पार्टी की प्राण-प्रतिष्ठा कर रहे प्रशांत किशोर के कार्यक्रम में विदेशी मेहमानों का भी जमावड़ा होने वाला है। प्रशांत किशोर के मंच पर 10-12 देशों के अतिथि रहेंगे। बुधवार को इस कार्यक्रम में प्रशांत किशोर की पार्टी का नामकरण भी होगा। जन सुराज नाम कायम रखने पर ज्यादा लोगों की सहमति है, लेकिन अंतिम फैसला लेकर कल खुद पीके मंच से ऐलान करेंगे। इसके साथ ही वह पार्टी अध्यक्ष के नाम का भी ऐलान करेंगे। प्रशांत किशोर चुनावी रणनीतिकार के अलावा बड़े इवेंट मैनेजर के रूप में भी अपने इस कार्यक्रम की तैयारी करा रहे हैं। ▶10पर

सरकारी एयरोस्पेस कंपनी एचएएल का बेहतरीन समयबद्ध प्रदर्शन

वायुसेना को सौंपा सुखोई लड़ाकू विमान का पहला इंजन

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने नए करार के तहत भारतीय वायुसेना को सुखोई एसयू-30एमकेआई फाइटर एयरक्राफ्ट का पहला इंजन सौंप दिया है। कॉन्ट्रैक्ट पर पिछले महीने 09 सितंबर को ही हस्ताक्षर हुए थे। इस करार के तहत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को अगले आठ साल में सुखोई फाइटर जेट के लिए 240 इंजन बनाने थे। लेकिन एक महीने से कम वक्त में एचएएल ने सुखोई का पहला इंजन तैयार करके भारतीय वायुसेना को सौंप दिया।

रक्षा मंत्रालय ने एसयू-30एमकेआई विमान के लिए 240 एयरो-इंजन की खरीद के लिए एचएएल के साथ 26,000 करोड़ रुपए का सौदा किया था। भारतीय वायुसेना के पास 260 सुखोई-30 विमानों का बेड़ा है। इनमें से पहले 50 सुखोई फाइटर जेट रूस से आए थे, जबकि बाकी को एचएएल ने ट्रांसफर और टेक्नोलॉजी (टीओटी) लाइसेंस के तहत देश में ही बनाया था। मिग कॉम्प्लेक्स के सीईओ साकेत चतुर्वेदी ने सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट का पहला एयरो इंजन भारतीय वायुसेना के एयर वाइस मार्शल के. हरिशंकर को सौंपा। एडीजी एक्यूए (कोरापुट) आरबी नागराजा ने भारतीय वायुसेना को इस इंजन के दस्तावेज सौंपे। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने 02 सितंबर को ही सुखोई-30 के इंजनों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। ▶10पर

एचएएल को आठ साल में बनाने हैं सुखोई फाइटर जेट के 240 इंजन

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,760/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,271/-
(प्रति किलोग्राम)

पाकिस्तान में मुसलमानों का मारा मुसलमान परिवार

भारत में बन कर रह रहा था 'शर्मा परिवार'

फिर खुली पाकिस्तान की इस्लामियत की पोल

बेंगलुरु, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में पहचान छिपाकर रह रहे चार पाकिस्तानियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध राशिद अली सिद्दीकी, उसकी पत्नी आयशा और उसके पिता हनीफ मोहम्मद और मां रुबीना राजापुरा गांव में शर्मा परिवार बनकर रह रहे थे। उन्होंने अपना नाम शंकर शर्मा, आशा रानी, राम बाबू शर्मा और रानी शर्मा रखा हुआ था। पाकिस्तान में ईश निंदा के आरोपों और जान से मार डालने की धमकियों से डर कर यह परिवार भारत में छुप कर रह रहा था। परिवार की गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर से पाकिस्तान की इस्लामियत की पोल खुल गई है।

पुलिस ने चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो पाकिस्तानियों को गिरफ्तार किया था। उनके पकड़े जाने के बाद में इंटेलिजेंस के अधिकारियों से मिली जानकारी के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। ढाका से चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे पाकिस्तानी लोगों को इमिग्रेशन अधिकारियों ने फर्जी पासपोर्ट के साथ में पकड़ा था। जांच में पता चला कि वे सिद्दीकी से संबंधित थे। रविवार को सिद्दीकी और उसका पूरा परिवार अपना सामान पैक कर रहा था। ▶10पर

ओड़ीशा के आदिवासी बहुल इलाके में मुस्लिमों की करतूत

100 एकड़ जंगल की जमीन पर बसा दिया इस्लाम नगर!

भुवनेश्वर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओड़ीशा के जनजातीय बहुल मालकानगिरि जिले में सौ एकड़ अधिक जंगल की जमीन पर कब्जा कर वहां इस्लाम नगर बसा दिया गया। मलकानगिरि जिले के मोटु इलाके में जंगल की सौ एकड़ जमीन हड़पे जाने की अजीबोगरीब घटना का खुलासा होने के बाद पूरे प्रदेश में सनसनी मची हुई है। इस धांधली में वन विभाग और जिला प्रशासन की मिलीभगत की बातें सामने आ रही हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग 326 से मात्र 2-3 किमी की दूरी पर स्थित इस जंगल की जमीन को हड़प कर इस्लाम नगर बसाए जाने के मामले की राज्य सरकार ने उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है। यह इलाका साबेरी नदी के तट पर घने जंगलों के बीच यह स्थित है। इतने विशाल जंगल की जमीन पर गैरकानूनी तरीके से भवनों का निर्माण किया गया। उस इलाके में जाने के लिए सरकारी पैसे से और सरकारी योजना से सड़क भी बनाए जाने की बात सामने आई है। मनरेगा योजना से इस सड़क का निर्माण किया गया है। इस संबंध में वहां बोर्ड भी लगाया गया है। बोर्ड से स्पष्ट हो रहा है कि इस गैरकानूनी तरीके से कब्जे किए जाने वाले इस सड़क निर्माण के लिए ▶10पर

राज्य सरकार ने दिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^{0}
न्यूनतम : 21^{0}

जेबीएन वी कनेक्ट रेफरल मीट का आयोजन

पहला जेबीएन महिला रेफरल मीट समाज के लिए बना प्रेरणा का स्त्रोत: बिन्दु रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो चैप्टर के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा जेबीएन वी कनेक्ट रेफरल मीट का आयोजन जीतो कार्यालय में हुआ। द्वितीय कार्यकाल की समाप्ति एवं तृतीय कार्यकाल के पदाधिकारियों की घोषणा से पहले विचारों का आदान प्रदान हुआ। जिसमें सदस्यों ने जाना की नारी उद्यमिता को किसी भी देश की आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया है। वे न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाती हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ाती है।

भारतीय समाज में नारी उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक मोर्चों पर बदलाव लाने की जरूरत है। जो हमें अपने कार्य से करनी है। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग के तत्वावधान में जीतो बिजनेस नेटवर्क जेबीएन महिलाओं के समूह की भागीदारी से वी कनेक्ट-रेफरल मीट, बिजनेस के मंत्र यही हैं कि विचार एवं क्षमताओं के साथ पूर्ण आत्मविश्वास हो, व्यवसाय में आए जोखिम लेने की क्षमता हो और सकारात्मक दृष्टिकोण सदा सफलता दिलायेगा। सदस्यों का हौसला बढ़ाते हुए जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के नवमनोनीत अध्यक्ष विमल कटारिया व अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने कहा कि देश और दुनिया में इतिहास रचने वाली केवल महिलाओं की भागीदारी वाले इस प्रथम रेफरल समूह की स्थापना एक वर्ष पूर्व हुई और इसकी लीडरशिप टीम में अपने सभी जेबीएन सदस्यों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। यहां व्यवसाय के साथ एक ऐसे आइडिया पर काम किया है जिसे कभी भी एक बड़े बिजनेस में बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमेशा हटकर सोचे, अपना गोल सेट करें, रिस्क लेना आना चाहिए, जिस फिल्ड में काम करना चाहते हैं उसकी पूरी जानकारी लें और आगे बढ़े। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ जेबीएन के संयोजक प्रमोद बाफना व सह-संयोजक मदन जैन ने कहा कि जितना मिलोगे उतना मिलेगा, इस मंत्र को गाँठ बांध लें। वहां उप-स्थित जेबीएन के सभी सदस्यों ने अपने व्यवसाय का संक्षिप्त परिचय दिया। अपने सवालों के समाधान किए। एपेक्स उपाध्यक्ष राजेंद्र छाजेड, केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा ने शुभकामना संप्रेषित की। नॉर्थ महिला विंग द्वारा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम के अंतर्गत उद्यमी महिलाओं को सकारात्मक सोच के साथ उद्यम की ओर कदम बढ़ाने में पहल करने के ध्येय को लेकर जीतो के इतिहास में पहला जेबीएन महिला रेफरल मीट समाज के लिये प्रेरणा का स्त्रोत बना। यह बात जीतो महिला विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने कही। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने जीतो के प्राथमिक उद्देश्य के तहत अपने समुदाय को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक सशक्तिकरण के बारे में बताया। वी कनेक्ट अध्यक्ष सुमन रांका ने ऑडियो-वीडियो के माध्यम से छह माह के सफर में आयोजित कार्यक्रम की झलकियों को साझा किया। उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने रेफरल मीट के आँकड़े और व्यापार आंकड़ों द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की। सितंबर को पारित रेफरल की कुल संख्या 383, कुल वैल्यू बिजनेस 3,75,260 रुपये, अब तक हुआ कुल कारोबार 21,75,500 रुपये, वन-टू-वन की कुल संख्या 157 रही। आगामी कार्यकाल की घोषणा करते हुए बिन्दु रायसोनी ने सीमा शाह को वी कनेक्ट अध्यक्ष, मीना जैन को उपाध्यक्ष एवं लीला पितलिया को महामंत्री के रूप नियुक्त किया एवं टीम ने कार्यभार सौंपा। स्वागत सुमन रांका, संचालन पिंकी मेहता, धन्यवाद मंत्री सीमा शाह ने व्यक्त किया।

धर्मकला सभी कलाओं में श्रेष्ठ : साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्म प्रभा जी ने कहा कि आगम-शास्त्रों में पुरुषों की बहत्तर और स्त्रियों की चौंसठ कलाएं बतलायी गयी हैं। वहीं ज्ञानी पुरुषों ने चार प्रकार की कला को भी परिभाषित किया है। वह नभतरणी, जल तरणी, पेट भरणी और चौथी भवतरणी अर्थात् संसार सागर से तिरने वाली कला है। पहली तीन कलाएं तो मनुष्य के साथ तिर्यच प्राणी भी उन कलाओं की समझ रखते हैं और तदनुकूल व्यवहार - आचरण भी करते हैं। लेकिन मनुष्य की विशेषता भवतरणी कला के माध्यम से पहचानी जाती हैं। ज्ञानी संत महात्मा के उपदेशों को सुनकर मनुष्य धर्म साधना के महत्व को जानता है और पूज्य गुरुभगवन्त भव्य जीवों के यहां से मनुष्य जाति के लोगों को संसार से पार लगाने का सदमार्ग दिखाते हैं।

यदि वाणी सुनकर भी कर्म का अपने जीवन में, व्यवहार में आचरण नहीं करता तो फिर उसमें और पशु में कोई अन्तर नहीं हैं। क्योंकि बतायी गयी पहले की तीन कलाओं की तरह तो पशु भी, पक्षी भी अपना पेट भर कर जीवन - निर्वाह कर लेते हैं। अतः व्यक्ति समय का सदुपयोग धर्मसाधना में करते हुए इस भवसागर से पार होने का पुरुषार्थ करे। तभी उसके मानव जीवन प्राप्ति की सच्ची सफलता हैं। धर्मसभा का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

धर्म के मार्ग से ही मोक्ष की मंजिल संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि धर्म के मार्ग से ही मोक्ष की मंजिल संभव है। मोक्ष रूपी मंजिल को प्राप्त करने के पाँच मार्ग है, अहिंसा, सत्य, अचोर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह। इन पाँच सोपानों को जैन परंपरा में महाव्रत कहा गया है।

अहिंसा यानि समस्त प्राणी मात्र की रक्षा करना। मन वचन और काया से किसी को दुख नहीं देना। किसी के दिल को दुखाना भी हिंसा है। दया धर्म का मूल है और पाप अभिमान का। दया से ही धर्म की उत्पत्ति होती है, जिस मनुष्य में दया है उसके पास ही धर्म है। जहां दया है वहा हिंसा कैसे हो सकती है। जिसके हृदय में दया भाव है वो प्राणी कभी किसी का अहित नहीं कर सकता। वह ज्ञान ज्ञान नहीं होता जिसमें दया ना हो। जिस जीवन में दया नहीं है वह जीवन पत्थर के समान है। जिस के दिल में दया हो, अनुकंपा हो, करुणा हो वही इंसान के लायक है। दूसरों की आत्मा को जब हम स्वयं की आत्मा की तरह मानते है तो कतई उसे दुख नहीं देते। यही अहिंसा है। जो दूसरों को दुख नहीं देता, भय नहीं देता वही अपने जीवन का उद्धार कर रहा है। परमात्मा ने अहिंसा की तीन परिभाषाएँ बताई है। किसी जीव को नहीं मारना, मन वचन और काया से किसी को दुख नहीं पहुँचाना और आत्म भाव में रहना समभाव में रहना। हनुमंतनगर श्री संघ से महिला मंडल की लगभग 30 सदस्याओं ने उपस्थित होकर दर्शन लाभ लिया। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। ध्यानगुरु आत्मज्ञानी आचार्य प्रवर डॉ शिवमुनि के सानिध्य में उनकी सद्प्रेरणा से संपूर्ण भारत में समस्त संघों में 2 अक्टूबर को आयोजित आत्म ध्यान दिवस को ध्यान साधना दिवस के रूप में मनाया जायेगा। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया एवं उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर ने आभार ज्ञापित किया। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

मंथन-कल आज और कल का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित तेयुप राजाजीनगर द्वारा मंथन का आगाज युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा इंगित शानिवारिक सांयकालीन सामायिक की आराधना के साथ किया गया। द्वितीय सत्र में सामूहिक नमस्कार महामंत्र का उच्चारण करते हुए विजय गीत का संगान भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर द्वारा किया गया।

तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने सभी पूर्व अध्यक्ष एवं मंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ये बहुत अच्छा आयाम है और हम मंथन जैसे आयाम को समय समय पर करने की अपेक्षा रखते हैं। जिससे परिषद को नई ऊंचाई पर लेकर जा सके। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी मानव हितकारी संघ राणावास के मंत्री एवं तेयुप राजाजीनगर के संस्थापक अध्यक्ष सुनिल बाफना ने मानव सेवा के स्थाई उपक्रम एटीडीसी का अनुभव साझा करते हुए कैसे हम सुचारू रूप से इस उपक्रम को उन्नति एवं प्रगतिशील कर जनमानस में अपनी पहचान बनाएं, पर विस्तृत चर्चा की। तेयुप के द्वितीय अध्यक्ष चंद्रेश मांडोत ने नेतृत्व के विकास में चुनौतियों एवं संगठन की योजना पर अपनी बात रखते हुए कहा नेतृत्व अच्छा हो तो सब आसान हो सकता है। हमें अच्छे कार्यकर्ता तैयार करने होंगे एवं समाज में अच्छी रूप रेखा के साथ जाएं तो वित्तीय समस्या नही आयेगी। तृतीय अध्यक्ष प्रवीण दक ने परिषद के सुव्यवस्थित कार्यक्रमों हेतु वित्तीय योजनाओं पर बात करते हुए कहा हमें समय समय पर अच्छे कार्य कर पारदर्शिता से आगे बढ़ना चाहिए।

चतुर्थ अध्यक्ष सतीश पोरवार ने तेयुप कार्यों की गुणवता पर अपना ध्यान कैसे केंद्रित करें, पर विचार व्यक्त किया। पंचम अध्यक्ष मनोज मेहता, छठे अध्यक्ष अरविंद गन्ना एवं सप्तम अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने संगठन को मजबूत कैसे बनाएं पर अपने विचार व्यक्त किए। परामर्शक प्रवीण नाहर ने मंथन आयाम की सराहना की। तेयुप वर्तमान अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मंथन के आयोजन फलस्वरूप सभी पूर्व अध्यक्ष एवं मंत्री के सहयोग से आने वाले समय में तेयुप राजाजीनगर नव कीर्तिमान स्थापित करते हुए कार्यों को संपादित करेगा। वर्तमान प्रबंध मंडल से राजेश देरासरिया, संजय मांडोत, सुनील मेहता, चेतन मांडोत, रवि चौधरी, विनोद कोठारी, प्रचार-प्रसार मंत्री अनिमेश चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

नेत्रदान संगोष्ठी एवं जागरूकता रैली का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि महाअभियान के तहत प्रचार-प्रसार करते हुए तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर द्वारा कर्नाटक लिंगायत एजुकेशन (केएलई) सोसायटी एस.निजलिंगप्पा कॉलेज सभागार में नारायण नेत्रालय डॉ. राजकुमार आई बैंक टीम द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

केएलई कॉलेज के छात्रों द्वारा डॉक्टर एवं तेयुप परिवार का स्वागत किया गया। तेयुप से राजेश देरासरिया ने आयाम की संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। डॉ. शुभम ने प्रोजेक्टर के माध्यम से अपने जीवन में नेत्रों का विकास कब होता है, दृष्टि हिन के प्रति हम कैसे उपयोगी बन सकते है, कॉर्निया सर्जरी, नेत्रों में समाहित विभिन्न टिश्यू की उपयोगिता, मरने के पश्चात कितने समय में नेत्रदान किया जा सकता है एवं कैसे मृतक शरीर के नेत्रों की सुरक्षा करें, मृतक परिवार को कैसे समझाएं कि नेत्रदान से अन्य 2-4 सदस्यों को रोशनी मिल सकती है, आदि जानकारी उपस्थित शिक्षक एवं छात्रों के समक्ष प्रस्तुत की गई। जिज्ञासा समाधान सत्र में शिक्षकों ने नेत्रदान की उपयोगिता, नेत्रदान हेतु मृतक के दस्तावेज की पुष्टि, नेत्रदान हेतु किसे संपर्क किया जाए, छात्र कैसे दैनिक जीवन में अपने नेत्रों की सुरक्षा कर सकें जैसे विभिन्न सवाल जवाब हुए। शिक्षक एवं छात्रों ने आयाम की सराहना की एवं नेत्रदान हेतु प्रतिज्ञा पत्र भरें गये। शिक्षक सुवासिनी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। संगोष्ठी के पश्चात द्वितीय चरण में शिक्षक, छात्र एवं तेयुप सदस्यों द्वारा कॉलेज परिसर से रैली का शुभारंभ किया गया। रैली मुख्य मार्ग से होते हुए राजाजीनगर पुलिस स्टेशन, पोस्ट ऑफिस, रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस, जिंदाल हॉस्पिटल समेत अन्य विभिन्न कार्यालयों के बाहर से होते हुए पुनः कॉलेज के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर तेयुप से अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, सुनील मेहता, चेतन मांडोत, रवि चौधरी एवं अनिमेश चौधरी की उपस्थिति रही।

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुनिश्री मोहजीत कुमार जी के सानिध्य में उद्बोधन बैनर का अनावरण किया गया। इस मौके पर अणुव्रत समिति चिकमगलूरु के अध्यक्ष मंजू भंसाली, मंत्री गौतम अच्छा, कोषाध्यक्ष किशोर अच्छा, पूर्व अध्यक्ष लालचंद भंसाली, भरत बरलोटा, तेरापंथ सभा अध्यक्ष महेंद्र डोसी, उपाध्याय गौतम नाहर, सज्जन राज, पदम नाहर, अशोक डोसी आदि लोग उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु विश्वविद्यालय राज्यशास्त्र अध्यापक संघ द्वारा ज्ञान ज्योति सभागार में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला संविधान पर चर्चा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया।

जैन धर्म की किसी से तुलना नहीं हो सकती: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांति नगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में आयोजित धर्मसभा में राजेश मुनि जी ने कहा कि भगवान महावीर के समय में किसी भी तरह का संप्रदायवाद नहीं था। आज हालात इसके विपरीत हो गए हैं। लोग छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव रखने लगे हैं।

भगवान महावीर ने तरह-तरह के कष्टों को समभाव से सहन किया, लेकिन आज लोगों में सहनशक्ति न के बराबर है। भगवान महावीर ने सृष्टि के सभी जीवों के कल्याण के लिए धर्म उपदेश दिया। यही कारण है कि जैन धर्म की किसी अन्य धर्म से तुलना नहीं हो सकती। इस मौके पर ऋषभ मुनि ने भी विचार व्यक्त किए। धर्मसभा में अल्सूर संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया, बेंगलुरु महासंघ के सचिव अभय बांठिया, शिवाजी नगर से तपस्वी उत्तमचंद मुथा, विल्सन गार्डन से महावीर मकाना, डबल रोड से नवरत्न भंडारी, महेश समदड़िया आदि उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष महावीर चंद्र मुथा ने संचालन किया। अध्यक्ष धन रूपचंद मेहता ने स्वागत किया।

गुरु दर्शन कर वापस लौटा विजयनगर संघ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा विजयनगर का संघ सूरत में विराजित गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन कर वापस लौटा। सूरत की धरा पर विराजमान युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन सेवा हेतु चार दिवसीय संघ यात्रा के रूप में 150 सदस्यों का दल गत 27 सितंबर रात्रि सूरत पहुंचा। चार दिवसीय इस यात्रा में सर्वप्रथम सभी सदस्य सरदार वल्लभभाई पटेल की स्टेचू ऑफ यूनिटी के पर्यटन स्थल पहुंचे। दूसरे दिन सभी सदस्यों ने गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी के दर्शन सेवा का लाभ लिया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने विजयनगर में साध्वी सिद्धप्रभा जी के चातुर्मास का उल्लेख करते हुए विजयनगर की सभी गतिविधियों की जानकारी गुरुदेव को दी। आगामी चातुर्मास के दौरान साधु साध्वियों का सान्निध्य प्रदान कराने की अर्ज की।

संघ प्रायोजक सायर हीरालाल मालू ने भी विजयनगर की ओर से जानकारी प्रदान की। महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया ने महिला मंडल की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित की। संघ सयोजक राजेश चावत ने आभार ज्ञापित किया। सामूहिक रूप से गीतिका का संगान किया गया। गुरुदेव ने आशीर्वचन में कहा विजयनगर सक्षम क्षेत्र है। अनेक उपलब्धियों को प्राप्त किया है तथा वहां पर अनेक संभावनाएं है। तत्पश्चात साध्वी प्रमुखाश्री जी की दर्शन सेवा हुई एवं कृतज्ञता रैली में सभी श्रावक समाज ने उत्साह के साथ भाग लिया। चार दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन सम्मान समारोह एवं भक्ति संध्या का आयोजन किया गया।

जिसमें मनीष पगारिया ने भिक्षु मय वातावरण का समा बांधा। इस यात्रा के संयोजक राजेश चावत ने सभी का आभार प्रकट किया। यात्रा के कोर टीम सहसंयोजक महेंद्र टेबा, सुरेश हिंगड, अशोक बाबेल, प्रकाश कोचर, तनिष हिंगड़, अंजू सेठिया, बबिता दसानी, सीमा टेबा, किरण बोरणा, सुभाष गांधी का विशेष सहयोग रहा। उपाध्यक्ष भवारलाल मांडोत, बाबूलाल बोथरा, ललित सेठिया, मंत्री दिनेश हिंगड़, सह मंत्री ज्ञानू नाहटा, सह मंत्री विमल दक, संगठन मंत्री मनोहर लाल बोहरा का भी सहयोग मिला।

मुडा घोटाला मामला

ईडी ने जांच शुरू की, सीएम सिद्धरामैया को समन मिलने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले की जांच शुरू कर दी है, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मुख्य आरोपी हैं। सूत्रों ने बताया कि ईडी के अधिकारी किसी भी समय सिद्धरामैया को नोटिस जारी कर सकते हैं और पूछताछ के लिए समन जारी कर सकते हैं। मुडा घोटाले के सिलसिले में सीएम सिद्धरामैया के करीबी सहयोगियों और रिश्तेदारों, जिनमें एक कैबिनेट मंत्री भी शामिल है, की गतिविधियों पर भी जांच अधिकारी पैनी नजर रख रहे हैं। सूत्रों ने आगे बताया कि ईडी द्वारा सीएम सिद्धरामैया के करीबी सहयोगियों के कार्यालयों और आवासों पर पूरे राज्य में छापेमारी किए जाने की संभावना है। ईडी ने सीएम और उनके सहयोगियों के बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन की जानकारी भी जुटाई है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी पत्नी पार्वती बी.एम. को 14 भूखंड आवंटित करने में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के बराबर प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की। ईडी ने 27 सितंबर को लोकायुक्त पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर का संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। इस बीच, मुडा मामले की जांच कर रहे कर्नाटक लोकायुक्त ने भी जांच तेज कर दी है। मैसूरु लोकायुक्त एसपी टी.जे. उदेश के नेतृत्व में जांचकर्ताओं ने मैसूरु शहर के बाहरी इलाके में विवादास्पद भूमि का दौरा किया है। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा भी टीम के साथ थे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी द्वारा मुडा द्वारा उन्हें आवंटित 14 साइटों को वापस करने के कदम ने बहस छेड़ दी है। मैसूरु से भाजपा विधायक टी.एस. श्रीवत्स ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री की पत्नी का कदम स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा मुडा घोटाले में मिलीभगत करने वाले दो आयुक्त आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पहले दावा किया कि कोई घोटाला ही नहीं हुआ। बाद में उन्होंने एक आयोग बनाया और अब उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है। गलती करने के बाद आप बिक्री विलेख वापस करने की पेशकश करते हैं। समय समाप्त हो गया है। उन्हें अपना इस्तीफा देना होगा और मुझे यकीन है कि दशहरा उत्सव तक वे इस पद पर नहीं रहेंगे। मुडा मामले में याचिकाकर्ताओं में से एक टी.जे. अब्राहम ने कहा मैंने मुडा आयुक्त से आवंटित साइटों को वापस लेने की मांग की थी। उन्होंने जवाब में लिखा था कि प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वे जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे थे। अब्राहम ने कहा सीएम सिद्धरामैया ने अपने खिलाफ आदेश को चुनौती देने के लिए खंडपीठ या सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया है, क्योंकि इसमें चुनौती देने लायक कुछ भी नहीं है। साइट वापस करना कोई बड़ा त्याग नहीं है। मुख्यमंत्री ने अपना संयम खो दिया है।

शक्ति योजना के तहत ट्रैफिक पुलिस ओवरलोड बसों पर लगाएगी जुर्माना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य की शक्ति योजना के तहत पुलिस केएसआरटीसी बसों पर क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जाने पर जुर्माना लगाना शुरू करेगी। यह कार्रवाई हाल ही में हुई एक घटना के बाद की गई है, जिसमें एक छात्र ओवरलोडेड निजी बस के फुटबोर्ड से गिर गया और उसकी मौत हो गई। सोशल मीडिया पर नेटिजन्स ने बस ओवरलोडिंग के मुद्दे को संबोधित न करने के लिए पुलिस की आलोचना की, जिसके बाद सख्त कार्रवाई की गई। केएसआरटीसी एनईआरएम बसें मेंगलूरु में चलती हैं और शक्ति योजना के कारण यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सुबह और शाम के व्यस्त समय में, बसें अपनी क्षमता से कहीं अधिक यात्रियों को ले जा रही होती हैं। उदाहरण के लिए, 30 लोगों की बैठने की क्षमता वाली बसों में अक्सर 70 से अधिक यात्री सवार होते हैं, जिनमें से कुछ फुटबोर्ड पर लटके होते हैं। धर्मस्थल, पुत्तूर, तलपडी और मुदिपु जाने वाली बसें विशेष रूप से ओवरलोड होती हैं। पुलिस ने

चेतावनी दी है कि यदि बसों में ओवरलोडिंग पाई गई तो बस कंडक्टरों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इस चेतावनी के मद्देनजर, कुछ केएसआरटीसी ड्राइवरों और कंडक्टरों ने भीड़भाड़ को रोकने के लिए कुछ स्टॉप पर यात्रियों को उठाना बंद कर दिया है, जिससे ऑफिस जाने वाले, स्कूल और कॉलेज के छात्रों को असुविधा हो रही है। इस मुद्दे पर जनता ने चिंता जताई है। केएसआरटीसी ने आरटीओ से अतिरिक्त मार्गों पर अधिक परमिट के लिए अनुरोध किया है, लेकिन अतिरिक्त बसें अभी तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। केएसआरटीसी मेंगलूरु डिवीजनल कंट्रोलर राजेश शेट्टी ने पुलिस की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केएसआरटीसी ने ओवरलोडिंग को रोकने के लिए लगातार निरीक्षण करने और ड्राइवरों और कंडक्टरों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अलग टीम बनाई है। ट्रैफिक डीसीपी दिनेश कुमार ने दोहराया कि फुटबोर्ड पर यात्रा करना सख्त वर्जित है और ओवरलोडिंग भी अवैध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोगों को संभावित खतरों से बचाने के लिए सख्त कार्रवाई जरूरी है।

मुडा घोटाला मामला

कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने केसारे में मूल भूमि का स्थल निरीक्षण किया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकायुक्त पुलिस ने मंगलवार को याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की मौजूदगी में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उनकी पत्नी बी एम पार्वती और अन्य के खिलाफ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में दर्ज मामले में मूल भूमि का स्थल निरीक्षण (महाजर) किया। अधिकारियों के अनुसार, जब लोकायुक्त पुलिस ने टेप का उपयोग करके भूमि की माप की और जांच की, तो राजस्व और सर्वेक्षण विभाग के अधिकारी मौजूद थे। मुडा मामले के संबंध में मैसूरु लोकायुक्त पुलिस से समन मिलने के बाद, कृष्णा सुबह 7.30 बजे मैसूरु के चामराजा मोहल्ला में दीवान रोड पर लोकायुक्त कार्यालय पहुंचे। फिर, लोकायुक्त पुलिस उन्हें निरीक्षण के लिए साइट पर ले गई। कृष्णा ने बताया कि लोकायुक्त पुलिस ने उन्हें फोन पर उस भूमि के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाया, जिस पर उन्होंने शिकायत की है। इस पर उन्होंने लोकायुक्त कार्यालय जाकर कुछ जानकारी दी। बाद में उन्हें केसारे गांव में सर्वे नंबर 464 की जमीन पर ले जाया गया, जहां 3 एकड़ 16 गुंटा जमीन का निरीक्षण किया गया। कृष्णा ने कहा कि उन्हें दस्तावेजों से संबंधित कोई नोटिस नहीं मिला है। हालांकि, अगर जांच के दौरान कोई दस्तावेज मांगा जाता है, तो मैं उन्हें उपलब्ध

कराने के लिए तैयार हूं। मैंने शिकायत दर्ज करते समय दस्तावेज जमा कर दिए हैं। सिद्धरामैया के खिलाफ मेरी शिकायत व्यक्तिगत नहीं है। मैं पिछले कुछ वर्षों में मुडा में हुई सभी अनियमितताओं की व्यापक जांच पर जोर देता हूं। मुडा को 14 वैकल्पिक स्थल लौटाने के पार्वती के पत्र के बारे में कृष्णा ने कहा मैं झूठे आरोप नहीं लगा रहा हूँ। मेरे पास सबूत हैं। मैंने पिछले सभी मामले जीते हैं और मुझे इस मामले में भी जीत का पूरा भरोसा है। स्थलों को लौटाने का कदम मेरी लड़ाई में मेरी जीत की दिशा में पहला कदम है। लोकायुक्त पुलिस, सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ कथित मुडा घोटाले में दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। 25 सितंबर को, निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के लिए बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने मैसूरु में अधिकार क्षेत्र वाले लोकायुक्त पुलिस को मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर मामले के आधार पर सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया। अदालत ने लोकायुक्त को तीन महीनों के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को सिद्धरामैया, उनकी पत्नी बी एम पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। मामले की जांच के मद्देनजर लोकायुक्त पुलिस ने 28 सितंबर को चार विशेष टीमें गठित कीं। लोकायुक्त एसपी टी जे उदेश ने मैसूरु लोकायुक्त डीएसपी एस के मलतेश, चामराजनगर डीएसपी मैथ्यू थॉमस, मैसूरु के पुलिस निरीक्षक रवि कुमार और मडिकेरी के पुलिस निरीक्षक लोकेश कुमार के नेतृत्व में टीमों का गठन किया। इस बीच, पार्वती ने सोमवार को मुडा आयुक्त को एक पत्र लिखा है कि वह 14 वैकल्पिक साइटों को वापस कर देंगी।

आशीर्वाद स्मार्ट इंडिया कार्यक्रम बहुत प्रासंगिक

आयोडीन की कमी के प्रति जागरूकता जरूरी : मंत्री एमसी सुधाकर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एम.सी.सुधाकर ने कहा कि गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों में आयोडीन की कमी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आईटीसी और इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल डेवलपमेंट (आईजीडी) का अभिनव आशीर्वाद स्मार्ट इंडिया कार्यक्रम बहुत प्रासंगिक है।

आईटीसी और इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल डेवलपमेंट के सहयोग से एक निजी होटल में आयोजित आशीर्वाद स्मार्ट इंडिया कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि आयोडीन की कमी के बारे में अधिक जागरूकता की जरूरत है। विशेषकर गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों को मस्तिष्क के विकास के लिए आयोडीन की आवश्यकता होती है। हालाँकि, गरीब पृष्ठभूमि वाले लोग आयोडीन, प्रोटीन और विटामिन युक्त भोजन से वंचित हैं। इस प्रकार, सरकार पहले से ही अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सहयोग से बच्चों को सप्ताह में छह दिन अंडे दे रही है। इसके अलावा बच्चों को दूध भी दिया जा रहा है, जिससे बच्चों को उनकी जरूरत का आयोडीन मिलता रहे। किसी भी जागरूकता

कार्यक्रम की शुरुआत स्कूलों के माध्यम से बच्चों से होनी चाहिए। यदि बच्चों को आयोडीन की कमी से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूक किया जाएगा तो वे अपने परिवारों को भी जागरूक करेंगे।

इसलिए, आईटीसी का स्मार्ट इंडिया कार्यक्रम अधिक प्रासंगिक है। आज कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि अपनी उर्वरता खो चुकी है और उसमें उगने वाली फसलों को आयोडीन नहीं मिल पा रहा है। पीने के पानी में भी खनिज तत्वों की कमी होती है।

इन सबके परिणामस्वरूप पीने के पानी और भोजन में आयोडीन उपलब्ध नहीं हो पाता है। इसे एक पूरक की जरूरत है। इसलिए, महिला एवं बाल विभाग, शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से हर जगह आयोडीन की कमी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाना जरूरी है। आईटीसी लिमिटेड के स्टेपल्स एंड एडसेंस, अनुज रुस्तगी ने कहा आशीर्वाद स्मार्ट इंडिया कार्यक्रम आईटीसी लिमिटेड और इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल डेवलपमेंट के सहयोग से लागू किया गया है।

इस पहल के तहत, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के 30 जिलों में 5 लाख से अधिक लोगों को आयोडीन सेवन और संतुलित पोषण के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया है और आयोडीन की कमी से होने वाले विकारों (आईडीडी) की समस्या को लक्षित करते हुए स्वस्थ भोजन की आदतों को बढ़ावा दिया गया है। राष्ट्रीय आयोडीन सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 50 प्रतिशत वयस्क आयोडीन युक्त नमक से अनजान हैं। 31 प्रतिशत वयस्कों को यह गलतफहमी है कि पैकेट पर मौजूद हर चीज शुद्ध आयोडीन युक्त नमक है। हमारे द्वारा सामान्य रूप से उपभोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों से आयोडीन की पूर्ति करके आयोडीन की कमी को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। आशीर्वाद स्मार्ट इंडिया कार्यक्रम के साथ, हमारा लक्ष्य आयोडीन सेवन और स्वस्थ आहार के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा हमारी पहल समुदायों, स्कूलों और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने की दिशा में एक कदम है। कार्यक्रम में आईजीडी परियोजना निदेशक डॉ. शांतनु शर्मा के अनुसार, आयोडीन की कमी के कारण मस्तिष्क क्षति और मनोभ्रंश कई स्वास्थ्य समस्याएं हैं। आयोडीन मानसिक और शारीरिक विकास, चयापचय के नियमन के लिए आवश्यक है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए आयोडीन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। क्योंकि आयोडीन की कमी से गर्भपात और मृत बच्चे का जन्म हो सकता है। 1962 में, भारत सरकार ने राष्ट्रीय गण्डमाला नियंत्रण कार्यक्रम के रूप में नमक आयोडीकरण कार्यक्रम शुरू किया, जिसमें सामान्य नमक के स्थान पर आयोडीन युक्त नमक शामिल किया गया। 2005 में, देश में सार्वभौमिक नमक आयोडीकरण अनिवार्य कर दिया गया था। हालाँकि, नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के अनुसार, आयोडीन युक्त नमक का कवरेज अभी भी 100 प्रतिशत तक नहीं पहुँच पाया है। इसका मुख्य कारण आयोडीन युक्त नमक की अनुपलब्धता और आयोडीन की कमी से होने वाली बीमारियों के बारे में कम जानकारी है जिसके कारण बहुत से लोग आयोडीन की कमी से पीड़ित हैं।

मुख्यमंत्री की पत्नी ने डर के कारण मुडा को भूखंड नहीं लौटाए: परमेश्वर

सभी विधायक सीएम के साथ मजबूती से खड़े हैं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी ने डर के कारण मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) को आवंटित 14 भूखंड नहीं लौटाए। यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने यह बयान इस सवाल का जवाब देते हुए दिया कि क्या पार्वती सिद्धरामैया द्वारा 14 भूखंड लौटाने का कदम डर के कारण उठाया गया था, क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुडा मामले में जांच शुरू कर दी थी। भाजपा के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अब डर गए हैं, परमेश्वर ने कहा भाजपा को कुछ भी कहने दें। उन्होंने भूखंड लौटाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री की पत्नी ने भूखंड लौटाए थे, क्योंकि उन्हें लग रहा था कि उनके कारण उनके पति को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। भय के कारण या किसी अन्य कारण से भूखंड लौटाने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि प्लॉट वापस करने में देरी हो सकती है। हालांकि, कभी-कभी देर होने के बावजूद सही फैसले लिए जाते हैं। कांग्रेस पार्टी के सभी 136 विधायक सीएम के साथ मजबूती से खड़े हैं। कांग्रेस पार्टी हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी रहेगी। यह बात हाईकमान और हम दोनों ने स्पष्ट कर दी है। एआईसीसी अध्यक्ष ने भी यह बात कही है। उन्होंने कहा कि सीएम सिद्धरामैया ने अपने परिवार की अधिग्रहित जमीन के लिए 62 करोड़ रुपये के मुआवजे के बारे में केवल मौखिक बयान जारी किया था। हालांकि, उन्होंने इसे लिखित रूप में नहीं

दिया और इसके लिए दावा नहीं किया। सीएम सिद्धरामैया ने भाषण देते हुए यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्पष्ट किया है कि प्लॉट क्यों लौटाए गए। सीएम की पत्नी ने कहा है कि उनके पति पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं और इसीलिए वह भूखंड वापस कर रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या ईडी की जांच से लोकायुक्त की जांच को झटका लग रहा है, तो उन्होंने कहा कि इस मामले को लोकायुक्त देखेंगे और उन्हें इस बारे में अपनी राय देनी होगी।

उन्होंने कहा हमने हमेशा कहा है कि विपक्षी दल मुडा मामले में राजनीति कर रहे हैं। अब यह साबित हो गया है। सबसे पहले, एजेंसियों की मदद से वे सीएम सिद्धरामैया को मानसिक रूप से परेशान करना चाहते हैं। दूसरे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी भाषण में मुडा मामले के बारे में बात की। इससे पता चलता है कि यह मुद्दा राजनीतिक हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा और जेडी(एस) मिलकर कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। ईडी ने पहले ही एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि उन्हें अपने खिलाफ जांच पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्हें जांच जारी रखने दें। पार्वती सिद्धरामैया द्वारा भूखंडों की वापसी के मुद्दे पर उन्होंने कहा हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि आवंटित भूखंडों को मुडा को वापस करने के बाद कानूनी घटनाक्रम क्या होता है। आप जो भी करते हैं उसकी आलोचना होती है। अगर भूखंड वापस किए जाते हैं तो उसकी आलोचना होती है और अगर इस संबंध में कानूनी कार्रवाई की जाती है तो भी आपत्ति होती है। एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में, मुडा मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित पार्वती सिद्धरामैया ने सोमवार को उन्हें आवंटित 14 साइटें वापस प्राधिकरण को लौटा दीं। उन्होंने मीडिया और नेताओं से अनुरोध किया कि वे राजनीति से दूर रहने वाले राजनीतिक परिवारों की महिलाओं को प्रतिद्वंद्विता के लिए विवादों में न घसीटें और उनकी गरिमा और प्रतिष्ठा को ठेस न पहुँचाएँ।

किसी भी क्षण सीएम दे सकते हैं अपना इस्तीफा: विजयेन्द्र

भूमि वापस देने की बात राजनीतिक नाटक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने मंगलवार को कहा कि मुडा मामले में हाईकोर्ट के फैसले और पीपुल्स कोर्ट के आदेश के बाद ईडी ने एक मामला दर्ज किया गया है। राज्यपाल द्वारा दिल्ली की कठपुतली कहे जाने वाले सिद्धरामैया कानून के शिकंजे से बचने के इरादे से जमीन वापस कर रहे हैं।

शहर के मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने शिकायत की कि वे राजनीतिक सहानुभूति हासिल करने और सत्ता के लिए लड़ रहे उम्मीदवारों को खुश करने के लिए साइट को वापस करने का यह राजनीतिक नाटक कर रहे हैं। मुख्यमंत्री किसी भी वक्त इस्तीफा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर यह कुछ ही घंटों के भीतर होगा। सिद्धरामैया ने आधिकारिक तौर पर अपनी गलती स्वीकार कर ली है। उन्होंने कहा अगर उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है तो उन्होंने साइट क्यों सरेंडर करने की बात कही। कलंक और आरोप की स्थिति में बैठे सिद्धरामैया को अपना पाखंड छोड़कर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से पहले उन्हें राज्यपाल से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री और उनके अनुयायी एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक गरीब परिवार की सदस्य स्नेहमई कृष्णा को धमकी देने की रणनीति का उपयोग कर रहे हैं। गृह मंत्री और डीजीपी को स्नेहमई कृष्णा को तत्काल पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के करीबी सहित कांग्रेस पार्टी के कुछ सदस्य सीएम के पद छोड़ने का इंतजार कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुपचुप तरीके से परमेश्वर से मुलाकात की और आधे घंटे तक चर्चा की।

शिवकुमार, परमेश्वर, अभी भी सिद्धरामैया की रक्षा नहीं कर सकते। यह पार्टी के लिए मुश्किल और शर्मनाक होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें विचार आया है कि सिद्धरामैया जल्द ही इस्तीफा दे देंगे तो बेहतर होगा। भाजपा पिछले तीन-चार महीनों से राज्य में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़ रही है। वाल्मीकि विकास निगम का 187 करोड़ का घोटाला, मैसूरु मुडा घोटाला, एससीपी, टीएसपी फंड का दुरुपयोग - इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखकर हमने लड़ाई लड़ी है। जब मुख्यमंत्री के परिवार पर आरोप लगा तो उन्होंने आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री ने हमारे संघर्ष की थोड़ी सी भी कीमत दिए बिना यह दावा किया कि उनकी 40 साल की राजनीति में कोई काला बिंदु नहीं है। पिछले कार्यकाल में 5 साल तक मुख्यमंत्री रहे सिद्धरामैया ने भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर लोकायुक्त पर ताला लगा दिया था और एसीबी की स्थापना की थी। एसीबी ने आरोपों पर पर्दा डालने के लिए जिन अधिकारियों को नौकरी पर रखना चाहा, उन्हें लगा दिया। केम्पन्ना आयोग की स्थापना की गई और रिपोर्ट में सिद्धरामैया के खिलाफ गंभीर आरोपों का उल्लेख होने के बावजूद आंखें मूंद ली गईं। भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का वादा करके सत्ता में आई सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य की कांग्रेस सरकार ने 187 करोड़ का वाल्मीकि निगम घोटाला, मुडा घोटाला किया। मुडा घोटाले की जांच की मांग और सीएम के इस्तीफे की मांग करते हुए भाजपा-जेडीएस पार्टी ने बेंगलूरु से मैसूरु तक रैली निकाली। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि वाल्मीकि निगम में घोटाला हुआ है। सिद्धरामैया की पत्नी ने अवैध तरीके से जमीन खरीदी थी। इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोला, राज्य के प्रधान सचिव पी. राजीव, राज्य के मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण गौड़ा आदि लोग मौजूद थे।

सीएम ने ईडी द्वारा उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज करने पर उठाए सवाल

पार्वती मेरे खिलाफ नफरत की राजनीति का शिकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) का मामला दर्ज करने पर सवाल उठाया और कहा कि मुडा का मामला इसके प्रावधानों के अंतर्गत नहीं आता। मुझे नहीं पता कि किस आधार पर यह मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है। शायद आप भी ऐसा ही महसूस करते होंगे। मेरे हिसाब से, यह मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं बनता, क्योंकि मुआवजा देने के लिए जगह दी गई थी तो, यह मनी लॉन्ड्रिंग का मामला कैसे हो सकता है?

सोमवार को ईडी ने मुडा द्वारा उनकी पत्नी को 14 साइट आवंटित करने में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के बराबर प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट दर्ज की। ईडी ने ईसीआईआर में मुख्यमंत्री और अन्य के खिलाफ पीएमएलए की संबंधित धाराएं लगाई हैं। मुख्यमंत्री ने मुडा मामले में अपने इस्तीफे की संभावना से भी इनकार किया। उन्होंने कहा मैं विवेक से काम करता हूं। इसलिए मुझे इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। इससे पहले उनकी पत्नी पार्वती बीएम की ओर से मुडा को 14 विवादित प्लॉट वापस लौटाने के फैसले पर सियासत गरमा गई। हालांकि, सीएम का कहना है कि उनकी पत्नी ने उनके (सिद्धरामैया) खिलाफ चल रही नफरत की राजनीति का शिकार होकर यह निर्णय लिया है। वह खुद उनके कदम से हैरान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, पार्वती मेरे खिलाफ नफरत की राजनीति का शिकार हैं और मानसिक प्रताड़ना झेल रही हैं। आई एम सॉरी। हालांकि, मैं प्लॉट वापस करने के अपनी पत्नी के फैसले का सम्मान करता हूं। मेरी पत्नी पार्वती ने मुडा (मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण) को जमीन वापस कर दी है। राज्य की जनता भी जानती है कि विपक्षी दलों ने मेरे खिलाफ राजनीतिक द्वेष पैदा करने के लिए झूठी शिकायत रची और मेरे परिवार को विवाद में घसीटा। उन्होंने आगे कहा, मैं झुके बिना इस अन्याय के खिलाफ लड़ने वाला था, लेकिन मेरे खिलाफ चल रहे राजनीतिक षडयंत्र से परेशान मेरी पत्नी ने ये प्लॉट वापस करने का फैसला लिया है, जिससे मैं भी हैरान हूं। मेरी पत्नी ने मेरी चार दशक लंबी राजनीति में कभी हस्तक्षेप नहीं किया और अपने परिवार तक ही सीमित रहीं। सीएम ने कहा, 'पार्वती मेरे खिलाफ नफरत की राजनीति का शिकार हैं और मानसिक प्रताड़नाएं झेल रही हैं। मुझे माफ करिए। हालांकि, मैं प्लॉट वापस करने के अपनी पत्नी के फैसले का सम्मान करता हूं। सीएम की पत्नी बीएन पार्वती ने हाल ही में मुडा को 14 विवादित प्लॉट वापस लौटाने का फैसला किया है। उन्होंने मुडा के कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा था, 'मुझे कसाबा होबली के केसारे गांव में मेरे 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन के बदले विजयनगर के तीसरे और चौथे फेज में 14 वैकल्पिक प्लॉट आवंटित किए गए थे। मैं सेल डीड कैंसिल करके 14 साइटों को वापस करना चाहती हूं। उन्होंने आगे कहा था कुछ लोग पूछ सकते हैं कि इस समय ऐसा फैसला क्यों लिया? मैंने यह फैसला उसी दिन लिया था जिस दिन आरोप लगे थे। चूंकि मुडा प्लॉट आवंटन के संबंध में आरोप राजनीति से प्रेरित थे, इसलिए कुछ शुभचिंतकों ने सलाह दी कि हमें इस अन्याय के खिलाफ लड़ना चाहिए और उनकी योजनाओं का शिकार नहीं बनना चाहिए। इसलिए मैं शुरू में प्लॉट वापस करने से पीछे हट गई।

गृहस्थ जीवन समस्याओं से भरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि आज मिले समय का सदुपयोग करेंगे तो आने वाला कल पुण्यभरा होगा।

वर्तमान काल हमारा अपना है, जिन जिन आत्माओं ने वर्तमान को सदगुणों से भरा, तो समझिए वे ही भावी काल में भगवान बनते है। संत जीवन के लिए सदैव सतकाल माना गया है। गृहस्थ जीवन समस्याओं से भरा होता है। राहु काल पर दक्षिण वासियों में बहुत मान्यता होती है। सभी संसार के मांगलिक कार्यों को प्रारंभ करते समय राहु से बचते है। भारतीय संस्कृति के प्रायः सभी त्योहार तिथि समय काल को ध्यान में रखते हुए मानते है। तो फिर जैनी सुज्ञों को काल की असातना से बचना ही चाहिए। प्रत्येक मास की छह तिथि को धर्म तिथि के रूप में मानने की सभी को श्रद्धा करनी ही चाहिए और अपनी अपनी शक्तिअनुसार तप जप करना चाहिए। इस मौके पर चंद्र सिंह, भंवरलाल लोढ़ा, महेंद्र कुमार पोखरना, ज्ञानचंद देवड़ा, प्रकाश चंद विनायकिया आदि उपस्थित रहे। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपत राज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

ईडी द्वारा सीएम के खिलाफ मामला दर्ज करने के खिलाफ कानूनी लड़ाई करेंगे शुरू: पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मामला दर्ज करने के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू की जाएगी। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने जन हितैषी योजनाएं बनाई हैं। पंचखत्री सहित कई परियोजनाओं ने लोकप्रियता हासिल की है। भाजपा इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती। इसके लिए वे गलत आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि मुडा मामले में पैसा कहां से आया। वे कानून का मनमर्जी से इस्तेमाल कर रहे हैं। राजभवन का पहले भी दुरुपयोग हो चुका है। उन्होंने उन पर अब ईडी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा उनके खिलाफ ईडी मामला दर्ज होने के बाद से उन्होंने सिद्धरामैया से मुलाकात नहीं की है। संविधान में कानूनी संघर्ष की इजाजत है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि हम उसका इस्तेमाल करेंगे। कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धरामैया को अपना समर्थन जताया है। इसलिए उन्हें इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि लोग देख रहे हैं कि कैसे भाजपा गरीब समर्थक कार्यक्रमों को राजनीतिक नफरत की ओर मोड़ने के लिए सब कुछ कर रही है। केंद्र सरकार घोर राजनीतिक हताशा की स्थिति में आ गयी है। उन्होंने कहा कि वह इस पर सहमत नहीं हो सकते।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने श्री शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिराज पद्मसागर जी, विनीत सुशिष्य श्रमण पद्मसागर जी के दर्शन प्रवचन श्रमण कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। राजस्थान संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने राजस्थान संघ द्वारा किए जा रहे मानव सेवा के सामाजिक कार्यों से अवगत कराते हुए श्री संघ से योजना में लाभ लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर कैलाश संखलेचा, रमेश भंडारी, रतनीबाई मेहता, बबिता श्रीश्रीमाल, मधु तातेड़ उपस्थित थे।*

पहले अच्छे मानव बने, फिर जाति या संप्रदाय: साध्वी उदितायशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का प्रथम दिवस सांप्रदायिक सौहार्द दिवस शेषाद्री रोड स्थित महारानी क्लस्टर यूनिवर्सिटी के प्रांगण में साध्वी उदितायशा जी के सानिध्य में आयोजित हुआ।

अध्यक्ष देवराज रायसोनी एवं चंद्रशेखर द्वारा मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महारानी स्कूल ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एवं मैनेजमेंट से उपस्थित करीब 200 विद्यार्थियों को प्रोफेसर डॉ. रामचंद्रा ने तेरापंथ धर्म की जानकारी देते हुए तेरापंथ धर्म की विशिष्टता से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदाता कॉलेज की प्रधानाचार्या कुशाला ने साध्वीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

मुख्य वक्ता उपासिका एवं प्रबुद्ध वक्ता शांति सकलेचा ने कन्नड भाषा में बच्चों को अणुव्रत के बारे में पूर्ण जानकारी दी और सांप्रदायिक सद्भाव रखने से सब अपना जीवन सफल बना पायेंगे। साध्वी भव्ययशा जी ने विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा में कुछ प्रयोगों के द्वारा और कुछ प्रश्नोंतरी द्वारा अणुव्रत के नियमों की जानकारी दी।

सभी विद्यार्थियों को नशा मुक्त रहने का संकल्प दिलवाया। साध्वी उदितायशा जी ने मंगल पाथेय देते हुए कहा हम पहले इंसान बने, फिर हिंदू या मुसलमान। जाति या संप्रदाय में अच्छा सौहार्द रखें। कार्यक्रम का कुशल संचालन निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल ने किया एवं सभी के प्रति आभार मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने माना। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, सहमंत्री प्रवीण बोहरा, बबीता चोपड़ा, कोषाध्यक्ष महेंद्र दक, संगठन मंत्री निर्मल पोकरणा, प्रचार प्रसार मंत्री रमेश दक सहित कार्यकारिणी से माणकचंद मुथा, रामलाल गन्ना, कन्हैयालाल चिप्पड़, सूरजमल पितलिया, सुरेश चावत, माणकचंद बलदोटा, मोहनलाल बलदोटा, बाबूलाल बाफना, मदनराज रायसोनी, सुमित्रा बरडिया, वीणा पोरवाल, पवन संचेती की उपस्थिति रही।

प्लॉट लौटाकर सीएम ने अवैधानिकता स्वीकार की: बोम्मई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) की साइट वापस करके सीएम सिद्धरामैया और मुसीबत में फंस गए हैं। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम को यह कार्रवाई पहले ही कर लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा अगर हाईकोर्ट के जजों के जरिए जांच कराई गई होती तो मामला सुलझ गया होता। सिद्धरामैया की ईमानदारी पर कोई सवाल नहीं उठता। बोम्मई ने कहा हालांकि, उन्होंने अपना बचाव किया। अब जबकि राज्यपाल ने अभियोजन की अनुमति दे दी है, मामला दर्ज हो गया है और जांच हो चुकी है। अब जब साइट वापस की जा रही है, तो कई सवाल उठ खड़े हुए हैं और साइट वापस करके उन्होंने मामले को और जटिल बना दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच होनी चाहिए। पूर्व सीएम ने कहा एक तरफ लोकायुक्त जांच चल रही है और दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही है। शुरू में कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। लेकिन अब प्लॉट वापस करके उन्होंने गलती स्वीकार कर ली है। बोम्मई ने सभी को यह भी याद दिलाया कि जब पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने प्लॉट वापस किया था, तब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने क्या कहा था। उस समय सीएम सिद्धरामैया ने कहा था कि येदियुरप्पा ने साइट वापस करके अपनी गलती स्वीकार कर ली है। भाजपा नेता ने कहा यही बात अब सिद्धरामैया पर भी लागू होती है। प्लॉट लौटाकर उन्होंने अवैधानिकता स्वीकार की है। उन्होंने स्वीकार किया है कि साइट आवंटन अवैध था।

अगली कार्रवाई पर निर्णय लेने से पहले लेंगे कानूनी सलाह: मुडा आयुक्त

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी बीएम पार्वती द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) को भूखंड सौंपने की पेशकश के एक दिन बाद, मुडा आयुक्त एएन रघुनंदन ने एक पत्र प्राप्त होने की पुष्टि की और कहा कि वे अगली कार्रवाई पर निर्णय लेने से पहले कानूनी सलाह लेंगे। उन्होंने कहा मुझे 14 साइटों की वापसी के बारे में सीएम सिद्धरामैया की पत्नी से पत्र मिला है। सीएम के बेटे यतींद्र सिद्धरामैया हमारे कार्यालय आए और पत्र सौंपा। उन्होंने स्वेच्छा से हमसे साइटें वापस लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि अगला कदम निर्धारित करने से पहले कानूनी परामर्श लिया जाएगा। चूंकि मामला जांच के अधीन है, इसलिए हम कोई भी निर्णय लेने से पहले कानूनी सलाह लेंगे। लोकायुक्त पुलिस ने कुछ दस्तावेज मांगे हैं, जो हम उपलब्ध कराएंगे। ईडी से कोई दस्तावेज नहीं मांगे गए हैं, और हम जांच में पूरा सहयोग करेंगे।

गुरु गणेश सेवा समिति के अध्यक्ष का अभिनंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु द्वारा आगामी 17 नवंबर को गणेश बाग में निर्धारित कर्नाटक गज केसरी गणेशलालमुनि के जन्मोत्सव समारोह में बेंगलूरु में विराजित सभी साधु साध्वीवृंद का सानिध्य प्राप्त करने के लिए समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, मंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, मार्गदर्शक प्रकाशचंद ओस्तवाल, अनिल बाफना, विनोद चोरड़िया ने श्रीरामपुर में विराजमान साध्वी डॉ विपुलदर्शनाश्री की सेवा में पहुंचकर सानिध्य प्रदान करने की विनती की। श्रीरामपुरम संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खिंवेसरा, मंत्री अशोक कुमार गुगलिया आदि पदाधिकारियों ने आमंत्रण हेतु प्रसन्नता प्रकट करते हुए समिति के अध्यक्ष किरणचंद बोहरा का स्वागत किया।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव का सुखद समापन

अंतिम चरण में 65 प्रतिशत पार कर गया मतदान

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव का तीसरा चरण मंगलवार को सम्पन्न हो गया, चुनाव आयोग ने शाम 5 बजे तक 65.48 प्रतिशत मतदान की सूचना दी। जम्मू कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि सात जिलों के 40 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार विधानसभा चुनाव में मतदान करने वाले लोगों का उत्साह सुबह से ही मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में देखा गया। 39.18 लाख से अधिक पात्र मतदाता 415 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला किया, जिनमें दो पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद और मुजफ्फर बेग और कई पूर्व मंत्री और विधायक शामिल हैं।

शाम पांच बजे तक 65.48 फीसदी मतदान हुआ। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया। उधमपुर जिले में सबसे अधिक 72.91 प्रतिशत मतदान हुआ, उसके बाद सांबा (72.41 प्रतिशत), कठुआ (70.53 प्रतिशत), जम्मू (66.79 प्रतिशत), बांडीपोरा (63.33 प्रतिशत), कुपवाड़ा (62.76 प्रतिशत) और बारामुल्ला (55.73 प्रतिशत) का स्थान रहा। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में, जम्मू जिले का छंब पहले 10 घंटों में 77.35 प्रतिशत मतदान के साथ सबसे आगे रहा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कभी आतंकवादियों और अलगाववादियों का गढ़ रहे सोपोर निर्वाचन क्षेत्र में सबसे कम 41.44 प्रशित मतदान हुआ।

जम्मू जिले के 11 निर्वाचन क्षेत्रों में बिश्नाह (एससी) में 72.75 प्रतिशत, सुचेतगढ़ (एससी) में 68.02 प्रतिशत, आरएस पुरा-जम्मू दक्षिण में 61.65 प्रतिशत, बाहु में 57.07 प्रतिशत, जम्मू पूर्व में 60.21 प्रतिशत, नगरोटा में 72.94 प्रतिशत, जम्मू पश्चिम में 56.31 प्रतिशत और जम्मू उत्तर में 60.79 प्रतिशत, अखनूर (एससी) में 76.28 प्रतिशत, मढ़ (एससी) में 76.10 प्रतिशत और छंब में 77.35 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

कठुआ जिले की छह सीटों में बनी में 71.24 प्रतिशत, बिलावर में 69.64 प्रतिशत, बसोहली में 67.24 प्रतिशत, जसरोटा में 71.79 प्रतिशत, कठुआ (एससी) में 71.49 प्रतिशत और हीरानगर में 71.18 प्रतिशत मतदान हुआ। उधमपुर जिले की चार सीटों पर उधमपुर पश्चिम में 73.20 प्रतिशत, उधमपुर पूर्व में 74.07 प्रतिशत, चिनैनी में 73.79 प्रतिशत और रामनगर (एससी) में 70.38 प्रतिशत मतदान हुआ। सांबा जिले की तीन सीटों पर रामगढ़ (एससी) में 73.10 प्रतिशत, सांबा में 71.16 प्रतिशत और विजयपुर में 73.05 प्रतिशत मतदान हुआ। बारामुल्ला जिले की सात सीटों में सोपोर में 41.44 प्रतिशत, रफियाबाद में 58.39 प्रतिशत, उरी में 64.81 प्रतिशत, बारामुल्ला में 47.95 प्रतिशत, गुलमर्ग में 64.19 प्रतिशत, वागूरा-क्रीरी में 56.43 प्रतिशत और पट्टन में 60.87 प्रतिशत मतदान हुआ। कुपवाड़ा जिले की छह सीटों में करनाह में 66.30 प्रतिशत, त्रेगम में 62.27 प्रतिशत, कुपवाड़ा में 59.68 प्रतिशत, लोलाब में 61.22 प्रतिशत, हंदवाड़ा में 69.06 प्रतिशत और लंगेट में 59.81 प्रतिशत मतदान हुआ। बांडीपोरा जिले की तीन सीटों में सोनावारी में 65.56 प्रतिशत, बांदीपोरा में 58.60 प्रतिशत और गुरेज (एसटी) में 75.89 प्रतिशत मतदान हुआ।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार मतदान का अधिकार पाने वाले पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थी, वाल्मीकि समाज और गोरखा समुदाय के लोग सुबह-सुबह ही मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उमड़ पड़े।

इससे पहले उन्होंने 2019 और 2020 में क्रमश: ब्लॉक विकास परिषद और जिला विकास परिषद के चुनावों में हिस्सा लिया था। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए अर्धसैनिक और सशस्त्र पुलिस कर्मियों सहित सुरक्षा बलों की 400 से अधिक कंपनियों को तैनात किया गया है। 18 सितंबर को हुए पहले चरण के चुनाव में 61.38 प्रतिशत और 25 सितंबर को हुए दूसरे चरण में 57.31 प्रतिशत मतदान हुआ था। नतीजे 8 अक्तूबर को घोषित किए जाएंगे।

बांडीपोरा जिले में सोनावारी निर्वाचन क्षेत्र के कन्यारी गांव के 516 से अधिक मतदाताओं ने मंगलवार को सरकार द्वारा घर बनाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराने के विरोध में चुनाव का बहिष्कार किया। जिन ग्रामीणों ने सरकारी जमीन पर अपने घर बनाए थे, उन्होंने बताया कि 2014 में आई बाढ़ ने उनके घरों को नष्ट कर दिया था और उन्होंने सरकार से घरों के निर्माण के लिए वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराने के लिए संपर्क किया था, जो अभी तक नहीं हुआ है। 100 वर्षीय माला बेगम ने बांडीपोरा के चट्टीबांडी में पिंक पोलिंग स्टेशन पर अपना वोट डाला और खतीजा नामक एक अन्य बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे द्वारा कंधे पर उठाकर उड़ी विधानसभा क्षेत्र में अपना वोट डाला।

इस चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में रमन भल्ला (आरएस पुरा), उस्मान मजीद (बांडीपोरा), नजीर अहमद खान (गुरेज), ताज मोहिउद्दीन (उड़ी), बशारत बुखारी (वागूरा-क्रीरी), इमरान अंसारी (पट्टन), गुलाम हसन मीर (गुलमर्ग), चौधरी लाल सिंह (बसोहली), राजीव जसरोटिया (जसरोटा), मनोहर लाल शर्मा (बिलावर), शाम लाल शर्मा और अजय कुमार सडोत्रा (जम्मू उत्तर) शामिल हैं। मतदाताओं की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए, चुनाव आयोग ने 5,060 मतदान केंद्र स्थापित किए थे और सभी निर्वाचन क्षेत्रों में 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग सुनिश्चित की थी। कुल में से 974 शहरी मतदान केंद्र हैं और 4,086 ग्रामीण हैं। भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहलों में 240 विशेष मतदान केंद्र, महिलाओं द्वारा प्रबंधित 50 गुलाबी मतदान केंद्र और विकलांग व्यक्तियों द्वारा संचालित 43 मतदान केंद्र शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने वाले 45 हरित मतदान केंद्र, सीमावर्ती निवासियों के लिए नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास स्थित 29 मतदान केंद्र और 33 अनूठे मतदान केंद्र हैं। कश्मीर संभाग के प्रवासी मतदाताओं के लिए, 24 विशेष मतदान केंद्र जम्मू में 19, दिल्ली में चार और उधमपुर जिले में एक - स्थापित किए गए हैं। मतदान के अंतिम चरण में 40 विधानसभा क्षेत्रों में कश्मीर घाटी के तीन जिलों (कुपवाड़ा, बारामुल्ला और बांडीपोरा) में 16 और जम्मू संभाग के चार जिलों (जम्मू, उधमपुर, कठुआ और सांबा) में 24 शामिल हैं।

उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 25 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि जम्मू जिले के अखनूर विधानसभा क्षेत्र में इस चरण के दौरान त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला।

कश्मीर की 16 सीटों में करनाह, त्रेहगाम, कुपवाड़ा, लोलाब, हंदवाड़ा, लंगेट, सोपोर, रफियाबाद, उरी, बारामूला, गुलमर्ग, वागूरा-क्रीरी, पट्टन, सोनावारी, बांदीपोरा और गुरेज (एसटी) शामिल हैं। जम्मू संभाग की जिन 24 सीटों पर मतदान हुआ, उनमें उधमपुर पश्चिम, उधमपुर पूर्व, चेनानी, रामनगर (एससी), बनी, बिलावर, बसोहली, जसरोटा, कठुआ, हीरानगर, रामगढ़ (एससी), सांबा, विजयपुर, बिश्नाह (एससी), सुचेतगढ़ (एससी), आरएसपुरा-जम्मू दक्षिण, बाहु, जम्मू पूर्व, नगरोटा, जम्मू पश्चिम, जम्मू उत्तर, मढ़ (एससी), अखनूर (एससी) और छंब शामिल हैं।

सोपोर में मतदान के दौरान उत्सव का माहौल

आतंकी बेटों से वापस लौटने की अपील

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)। कश्मीर के सेबों के शहर सोपोर में आज उत्सव का माहौल था, क्योंकि एक दशक के बाद विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए मतदान हो रहा था। ब्राथ कलां इलाके में मतदान केंद्र के परिसर में एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला। वोट डालने के बाद दो हताश लोगों को आंसू बहाते देखा जा सकता था, क्योंकि वे अपने आतंकवादी बेटों से वापस लौटने और अपने परिवारों के साथ खुशहाल जीवन जीने की अपील कर रहे थे।

गुलाम हसन मीर, जिनके बेटे उमर कुछ साल पहले आतंकवाद में शामिल हो गए थे और फरार हैं, के लिए मतदान एक ऐसा अवसर है, जो लोग बंदूक और हथगोले के जरिए हासिल नहीं कर सकते। मीर ने आंसू बहाते हुए कहा कि मैं अपने बेटे उमर से घर लौटने और हमारे साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का आग्रह करता हूं। बंदूक के लिए, वोट हमारे लिए कुछ भी हासिल कर सकता है। पिछले 35 सालों से बंदूकों ने कई लोगों की जान ली है और कई पिताओं और माताओं के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। वे कहते हैं कि उनके बेटे को आज अपने पिता के संदेश के बारे में पता चलेगा।

भावुक मीर कहते हैं, मुझे पता है कि वह अखबारों में मेरे शब्दों को पढ़ेगा या सोशल मीडिया पर सुनेगा। मुझे पता है कि उसका दिल पिघल जाएगा। मैं जानता हूं कि वह रोएगा भी। लेकिन मुझे नहीं पता कि इससे वह फिर से अपने माता-पिता के पास लौट पाएगा या नहीं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने सोपोर की शांति और विकास के लिए अपना वोट दिया है। मीर ने कहा कि अगर यहां शांति स्थायी हो जाती है, तो किसी का बेटा हथियार नहीं उठाएगा। वे कहते थे कि उनके बेटे के आतंकवाद में शामिल होने का एक कारण हो सकता है, लेकिन अब चीजें सामान्य हो रही हैं। मीर कहते हैं कि मैं अपने बेटे से अनुरोध करता हूं कि वह सेब का पारिवारिक व्यवसाय संभाले और शांतिपूर्ण जीवन जिए।

मीर को उसका साथी मुहम्मद हमजा भी मिला, जिसका बेटा बिलाल उमर की तरह वांछित आतंकवादी है। हमजा के शब्दों में, अगर मेरा वोट मेरे बेटे को वापस लाता है, तो मैं इस अवसर को कभी नहीं छोड़ूंगा। मैं बार-बार वोट दूंगा। मैं अपने बेटे बिलाल से अपने घर लौटने का आग्रह करता हूं। उसके माता-पिता उसकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हम उसके ताबूत को कंधा नहीं देना चाहते। हम उसे शादी करते हुए देखना चाहते हैं।

हमजा का कहना था कि कोई भी पिता अपने जवान बेटे के ताबूत को कंधा देने के बाद शांति से नहीं मर सकता। इसलिए मैं अपने बेटे बिलाल से हाथ जोड़कर अपील करता हूं कि कृपया मेरी बात सुनें और जिसे हमसे छीना गया है उसे वापस लौटा दें। आइए वोट के ज़रिए जो हमसे छीना गया है उसे वापस पाने की कोशिश करें। बंदूक कोई समाधान नहीं है।

बांडीपोरा के सोनावरी में मतदान का बहिष्कार

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)। बांडीपोरा जिले के सोनावारी विधानसभा क्षेत्र में स्थित कन्यारी घाट के मतदान केंद्र 142 पर समाचार भिजवाए जाने तक कोई वोट नहीं डाला गया था। कुल 516 पंजीकृत मतदाताओं के बावजूद मतदान केंद्र खाली पड़ा था।

स्थानीय निवासियों ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्हें उचित सड़कें, स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त आवास और भूमि स्वामित्व जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। उनके अनुसार, सरकार से बार-बार की गई अपीलों पर कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसके कारण उन्होंने मतदान से दूर रहने का फैसला किया है।

स्थिति का आकलन करने के प्रयास में, अतिरिक्त उपायुक्त बांडीपोरा मोहम्मद अशरफ भट और तहसीलदार हाजिन ने मतदान केंद्र का दौरा किया। हालांकि, उनकी उपस्थिति ने अभी तक स्थानीय लोगों को प्रभावित नहीं किया है, वे अपने रुख पर अड़े हुए हैं। निवासियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जब तक बांडीपोरा के उपायुक्त उनकी लंबे समय से चली आ रही समस्या को हल करने की प्रतिबद्धता सुनिश्चित नहीं करते हैं, तब तक मतदान नहीं होगा।

वाल्मीकि और गोरखा समुदाय के साथ ही शरणार्थियों ने भी डाला वोट

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहली बार वोट डालने के बाद वाल्मीकि और गोरखा समुदाय के अतिरिक्त वेस्ट पाकिस्तान से आए शरणार्थियों ने बेहद खुशी जाहिर की है। अनुच्छेद 370 और 35-ए के निरस्त होने के बाद, ये समुदाय, पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों (डब्ल्यूपीआर) के साथ चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र हो गए। आज गांधी नगर में वाल्मीकि कालोनी और बहू फोर्ट में गोरखा बस्ती में माहौल उत्साहपूर्ण रहा, जहां बड़ी संख्या में पहली बार मतदान करने वाले लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्सुकता से कतार में खड़े थे।

67 वर्षों में पहली बार वाल्मीकि और गोरखा समुदायों को वोट देने और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों तक पहुंच का अधिकार मिला। वाल्मीकि परिवारों के लगभग 6,500 सदस्य और लगभग 900 गोरखा परिवार अब जम्मू में मतदान करने के पात्र हैं।

जबकि वेस्ट पाकिस्तान के शरणार्थियों को लोकसभा चुनावों में मतदान का अधिकार तो था लेकिन अब वे विधानसभा के चुनावों में भी मतदान करने के अधिकारी बन गए हैं। पहले, इन समुदायों के पास अधिवास अधिकार नहीं थे और उन्हें विधानसभा चुनावों में मतदान सहित विभिन्न अवसरों से वंचित रखा जाता था। वाल्मीकि समुदाय के अध्यक्ष गारू भाटी ने मतदान की भावना को शब्दों में बयां नहीं किया।

एलओसी से सटे गांवों में गोलियां नहीं, ईवीएम की बीप गूंजी

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)। कश्मीर बार्डर पर एलओसी से सटे दो गांवों करनाह और करनाह में पिछले एक दशक में पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, जो बंदूकों और गोलियों की आवाजों से दूर हैं। आज सुबह 7 बजे से ही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की आवाजें सुनाई देने लगी थीं।

इस खूबसूरत गांव में सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं। करनाह निवासी जिन्नान खटाना का कहना था कि हम हमेशा से मतदान करते आए हैं, लेकिन इस बार मतदान इस डर के बिना हो रहा है कि कहीं हमारे घरों, मकानों और खेतों पर गोले और गोलियां न गिर जाएं। लेकिन आज हम बिना किसी डर के मतदान कर रहे हैं। हमने इस बार बदलाव के लिए मतदान किया है, क्योंकि हमारे क्षेत्र को खोखले वादों से परे गुणवत्तापूर्ण विकास की जरूरत है। 70 वर्षीय शमीमा बेगम ने पत्रकारों के साथ बात करते हुए कहा, इस बार चुनाव उनके लिए बहुत मायने रखते हैं। वे बकहती थीं कि पहले लोग मतदान से डरते थे क्योंकि उन्हें डर था कि मतदान केंद्रों पर गोले गिर सकते हैं। मैंने 2012 में एलओसी पर गोलीबारी में अपना पैर खो दिया था। वे कहती हैं कि आज का वोट विकास सुनिश्चित करने और अपने घर के पुनर्निर्माण के लिए है। मैंने अपने घर की मरम्मत खुद करने की कोशिश की, लेकिन नहीं कर पाई। मेरे पति की 2010 में ही मृत्यु हो गई और मैं चार बच्चों का पेट पाल रही हूं। करनाह के 90 वर्षीय मतदाता अब्दुर रहमान खटाना कहते थे कि वे करनाह में विकास देखने के लिए मतदान कर रहे हैं। वे कहते थे कि मैं परिवहन सेवा, बेहतर सड़कें और नल का पानी देखना चाहता हूं। मैं यह भी देखना चाहता हूं कि युद्ध विराम बरकरार रहे, अन्यथा हमारा जीवन फिर से नरक बन जाएगा।

उड़ी में मतदान केंद्रों के बाहर भी उत्सव का माहौल था। नंबला गांव के निवासी अबुर रजाक पठान ने कहा कि उड़ी को पिछली सभी सरकारों ने हमेशा उपेक्षित किया है। पठान ने कहा कि हम बदलाव चाहते हैं, असली बदलाव। हम यहां नौकरी नहीं बल्कि बेहतर सड़कें, गुणवत्तापूर्ण बिजली और अपने बच्चों के लिए शिक्षा चाहते हैं। हम यह भी चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम बना रहे। उन्होंने कहा कि अगर दोनों देशों द्वारा युद्ध विराम का उल्लंघन किया जाता है, तो उड़ी फिर से नरक बन जाएगा।

प्रासंगिक रूप से, दोनों देश युद्ध विराम की पवित्रता को भावना में बनाए रख रहे हैं, जिसका लाभ कश्मीर और जम्मू क्षेत्रों में सीमा के करीब रहने वाले लोगों को मिला है। जबला गांव के स्थानीय सरपंच लतीफ अहमद खटाना ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उड़ी के लोगों के लिए शिक्षा पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे उम्मीदवार को वोट दे रहे हैं जो सुनिश्चित करेगा कि स्कूलों को अपग्रेड किया जाए और सभी शैक्षणिक स्कूलों के लिए, शिक्षकों को लाया जाए। इसके अलावा, हमें परिवहन सेवा में सुधार और हमारे घरों में नल के पानी की जरूरत है।

पलहलान में मतदान के लिए लगी थी लंबी कतारें

जम्मू, 01 अक्टूबर (ब्यूरो)। ऐतिहासिक चुनाव बहिष्कार के लिए मशहूर पलहलान के लोग आज एक महत्वपूर्ण बदलाव के तौर पर बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए निकले, जो अतीत से अलग था। मतदाता सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े देखे गए, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने और बदलाव लाने के उनके दृढ़ संकल्प का संकेत था। स्थानीय निवासी मंजूर अहमद के बकील, हम लगातार बहिष्कार करते रहे हैं, लेकिन इससे हमारी परेशानियां और बढ़ गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बहिष्कार के बजाय मतदान का विकल्प चुनकर पलहलान के लोग आखिरकार उन मुद्दों का समाधान कर सकते हैं, जो सालों से इस क्षेत्र को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उन परिस्थितियों को खत्म करने के लिए मतदान कर रहे हैं, जिनके कारण हमारी स्थिति दयनीय बनी हुई है। हमें बेहतर भविष्य की उम्मीद है।

इसी तरह, कई मतदाताओं ने भी इसी तरह की भावनाओं को दोहराया और मतदान केंद्रों पर आने का मुख्य कारण क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी बताया। कतार में खड़े एक अन्य निवासी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि मतदान करके हम विकास ला सकते हैं और बुनियादी सुविधाओं में सुधार ला सकते हैं, जिनसे पलहलान लंबे समय से वंचित है।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के विरोध में लेह में रहा पूर्ण बंद

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 01 अक्टूबर।

सोनम वांगचुक समेत करीब 120 प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी के बाद करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और एपेक्स बाडी, लेह ने मंगलवार को पूरे लद्दाख में बंद का ऐलान किया जिसका पूरा असर देखने को मिला है।

जानकारी के लिए जाने-माने जलवायु कार्यकर्ता वांगचुक समेत करीब 120 अन्य लोगों को दिल्ली पुलिस ने सोमवार रात सिंघु बार्डर पर हिरासत में लिया। वे क्षेत्र में छठी अनुसूची लागू करने और क्षेत्र के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। इन गिरफ्तारियों के बाद लद्दाख में बवाल मचा हुआ है। लद्दाख में जनता वांगचुक और अन्य प्रदर्शनकारियों की हिरासत का कड़ा विरोध कर रही है और ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। वे अब वांगचुक की तत्काल रिहाई की मांग कर रहे हैं।

87 वर्षीय एपेक्स बाडी कार्यकर्ता हजान फातिमा बानो ने हिरासत पर चिंता जताते हुए कहा कि वे बस संघर्ष में शामिल होने नहीं गए थे; वे लद्दाख के लोगों की ओर से छठी अनुसूची की वकालत करने गए थे। हम उनके लिए अपनी जान देने को तैयार हैं। उन्हें बंदी नहीं बनाया जाना चाहिए।

बंद का उद्देश्य लद्दाख में अधिक स्वायत्तता और इसकी अनूठी सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए चल रहे संघर्ष के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। वांगचुक और हिरासत में लिए गए अन्य लोग छठी अनुसूची के लिए अपनी मांगों को दबाने के लिए दिल्ली में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे, जो लद्दाख की संस्कृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए विशेष अधिकार प्रदान करेगी।

पुलिस के अनुसार, दिल्ली में निषेधाज्ञा के बावजूद वापस लौटने से इनकार करने पर समूह को हिरासत में लिया गया। वांगचुक ने हिरासत में लिए जाने से पहले इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें भारी पुलिस बल की मौजूदगी और दिल्ली की सीमा पर उनकी बसों को रोका जा रहा था।

वांगचुक ने बताया कि शुरू में समूह को लगा कि उन्हें एस्कार्ट किया जा रहा है, लेकिन जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। हिरासत में लिए गए लोगों को अलीपुर सहित विभिन्न पुलिस थानों में ले जाया गया और रात भर हिरासत में रखा गया। छठी अनुसूची और वांगचुक की रिहाई की मांग के पीछे लद्दाख के लोगों के एकजुट होने के कारण विरोध प्रदर्शन जारी रहने की उम्मीद है।

लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) ने करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ मिलकर संविधान की छठी अनुसूची लाने के लिए दिल्ली चलो पदयात्रा का आयोजन किया। यह पूरा मामला पिछले चार सालों से चल रहा है, वे जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू करने, लद्दाख के लिए लोक सेवा आयोग की स्थापना और लेह और करगिल जिलों के लिए अलग लोकसभा सीटों की मांग कर रहे हैं। सोमवार को दिल्ली पुलिस ने छह दिनों के लिए राष्ट्रीय राजधानी के मध्य और सीमावर्ती क्षेत्रों में बैनर, तख्तियां, हथियार या विरोध प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया। विभिन्न समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बीच कानून और व्यवस्था की चिंताओं के कारण प्रतिबंध लागू किया गया था।

लखनऊ में फोर लेन आउटर रिंग रोड का निर्माण कराएगी योगी सरकार

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार लखनऊ में फोर लेन आउटर रिंग रोड के निर्माण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। सीएम योगी के विजन अनुसार, लखनऊ के रैथा अंडरपास से लेकर पीएम मित्र पार्क (टेक्सटाइल पार्क) तक 14.28 किमी क्षेत्र की सड़क को फोर लेन किया जाएगा। वहीं, आईआईएम से आउटर रिंग रोड स्थित रैथा अंडरपास के कायाकल्प को भी इस परियोजना के अंतर्गत पूरा किया जाएगा। इस प्रक्रिया में 8.4 किमी तक सड़क का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कर इसे दो लेन का किया जाएगा। फोर लेन व डबल लेन संबंधी इन दोनों प्रक्रियाओं को 139.56 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जाएगा। योगी सरकार द्वारा इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए धनराशि अवमुक्त करने के साथ ही विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। इन कार्यों को लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रमुख अभियंता (विकास) व विभागाध्यक्ष की देखरेख में पूरा किया जाएगा।

नशा नाश का कारण, इससे दूर रहकर ही सपनों को कर सकते हैं साकार: योगी

ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स के पदक विजेता हुए पुरस्कृत

खिलाड़ियों को दी गई 22 करोड़ 70 लाख की पुरस्कार राशि

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वैश्विक स्तर पर देश व उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को लखनऊ में सम्मानित किया। इस दौरान सीएम योगी ने युवाओं और खिलाड़ियों को सफलता का मंत्र भी दिया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी के लिए आज स्मार्ट फोन सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। यह युवाओं के समय और श्रम दोनों को प्रभावित करता है। साथ ही उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को नशे से दूर रहना चाहिए, नशा नाश का का कारण है, जो नशे की तरफ गया वह जीवन में फिर किसी के लायक नहीं रह पाएगा। उन्होंने कहा कि युवा अपने आप को तैयार करें, उनकी सुविधाओं के लिए केंद्र और राज्य सरकार उनके लिए समुचित माहौल तैयार कर रही है। युवा खेल के अपने जीवन का हिस्सा बनाएं इसके लिए प्रदेश के शहरों और गांवों में खेल की सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। अच्छे प्रशिक्षण के साथ-साथ अच्छे प्रशिक्षक भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। खेल के प्रति युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए सीएम योगी ने सम्मान समारोह में आए खिलाड़ियों की प्रेरक कहानी भी साझा की।

जिन्होंने बढ़ाया देश का मान, ऐसी प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम में 14 ओलंपियंस व पैरालंपिक एथलीट्स को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश का मान बढ़ाने वाले इन सभी खिलाड़ियों को 22.70 करोड़ रुपए की पुरस्कार सम्मान राशि वितरित की। इनमें पदक विजेता कुल 7 ओलंपियंस व पैरालंपियंस और 7 अन्य प्रतिभाग करने वाले ओलंपियंस व पैरालंपियंस मौजूद रहे। सम्मानित होने वाले पदक विजेताओं में प्रवीण कुमार, सुहास एलवाई, अजीत सिंह, प्रीति पाल, सिमरन, ललित उपाध्याय व राज कुमार पाल शामिल रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी वह खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। आज देश के अंदर खेल का माहौल बदला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए जो नियोजित प्रयास हुए हैं, उसका परिणाम आज सबके सामने है। प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा शुरू किया गया खेलो इंडिया अभियान, फिट इंडिया मूवमेंट और सांसद खेलकूद प्रतियोगिता ने पूरे देश के अंदर खेल के वातावरण को बदला है। सीएम योगी ने कहा कि अब विश्वविद्यालय स्तर पर लीग और गांव स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं शुरू हो चुकी है, जिसने खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का प्लेटफार्म प्रदान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के अंदर खेल को बढ़ावा देने को लेकर किए जा रहे प्रयासों में उत्तर प्रदेश ने कई तरह के कार्यक्रमों को तैयार किया है और हम उस पर आगे बढ़ रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों के लिए समुचित अवसंरचना तैयार की है। आज डबल इंजन की सरकार इस पर लगातार ध्यान दे रही है। आज उत्तर प्रदेश में 84 स्टेडियम, 67 बहुद्देश्यीय हॉल, 38 तरणताल, 15 सिंथेटिक हॉकी स्टेडियम और 3 सिंथेटिक रनिंग ट्रैक तैयार हैं। इसके अलावा 2 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, 16 छात्रावास, 47 अत्याधुनिक जिम, 20 सिंथेटिक टेनिस कोर्ट और 19 डॉरमेट्री खिलाड़ियों के लिए तैयार किए जा चुके हैं। वहीं प्रदेश में 2 जूडो हॉल, 13 कुश्ती हॉल, 6 शूटिंग रेंज, 2 इंडोर वॉलीबाल, 12 वेटलिफ्टिंग हॉल, 14 सिंथेटिक बॉस्केट बॉल कोर्ट प्रदेश के अंदर बनकर तैयार हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। प्रदेश के अंदर सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों में खेल के मैदान और ओपन जिम, सभी 826 विकासखंड में मिनी स्टेडियम और सभी जनपदों में स्टेडियम के निर्माण के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। ग्राम पंचायत स्तर पर खिलाड़ियों के लिए खेल के संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय, ओलंपिक, पैरालंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप के पूर्व खिलाड़ियों को प्रशिक्षक के रूप में तैनात किया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि किसी भी अतंरराष्ट्रीय स्पर्धा में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रदेश सरकार लक्ष्मण पुरस्कार और महिला खिलाड़ियों के लिए रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार की घोषणा की है जिसमें सरकार उन्हें नकद राशि के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र से सम्मानित कर रही है। इसके अलावा देश स्तर पर पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों के लिए प्रदेश सरकार 20 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान करती है और वृद्ध खिलाड़ियों के लिए भी प्रतिमाह वित्तीय सहायता दे रही है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के अंदर एकलव्य क्रीड़ा कोष्ठ का गठन किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मेरठ में मेजर ध्यानचंद्र के नाम से पहले खेल विश्वविद्यालय का निर्माण भी किया जा रहा है।

ये खिलाड़ी हुए पुरस्कृत

पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने ओलंपिक-पैरालंपिक में एक स्वर्ण समेत छह पदक जीते हैं। गौतमबुद्ध नगर के पैरा हाई जम्पर प्रवीण कुमार ने पैरालंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीता है। उन्हें 6 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की गई। वहीं भारतीय हॉकी टीम की तरफ से खेलते हुए वाराणसी के ललित उपाध्याय और गाजीपुर के राजकुमार पाल ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। उन्हें एक-एक करोड़ रुपए पुरस्कार राशि के तौर पर दिया गया। यूपी के आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई ने पैरा बैडमिंटन में और इटावा के अजीत सिंह ने पैरा एथलेटिक्स की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। दोनों को 4-4 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की गई। इसी तरह मुजफ्फरनगर की रहने वाली एथलीट प्रीति पाल ने 100 मीटर और 200 मीटर में कांस्य पदक जीता, जिसके लिए उन्हें 4 करोड़ रुपए तो वहीं गाजियाबाद की सिमरन ने अपने वर्ग की 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता, जिसके लिए उन्हें 2 करोड़ रुपए से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त पेरिस ओलंपिक व पैरालंपिक गेम्स में प्रतिभाग कर उत्तर प्रदेश का नाम रौशन करने के लिए पारुल चौधरी, अनु रानी, प्रियंका गोस्वामी, प्राची चौधरी, साक्षी कसाना, दीपेश कुमार तथा यश कुमार को 10-10 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने वाले चार प्रशिक्षकों का भी सीएम योगी ने सम्मान किया। इनमें गजेंद्र सिंह (पैरा एथलीट), गौरव खन्ना (पैरा बैटमिंटन), राकेश कुमार यादव (पैरा एथलीट) और डॉ. सत्यपाल सिंह (पैरा एथलीट) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षकों का सम्मान महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रशिक्षक ही हमारे खिलाड़ियों को ओलंपिक जैसी प्रतिस्पर्धाओं के लिए तरासते और तैयार करते हैं।

चंद्रशेखर ने लड़वाया वाहन चोर को चुनाव पुलिस ने किया गिरफ्तार

मेरठ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर भारत की दलित सियासत में तेजी से उभरता नाम और सांसद चंद्रशेखर आजाद की पार्टी ने जिस नेता को चुनाव लड़ाया था, वह कार चोर गिरोह का सदस्य निकला है। इस नेता का नाम मोहम्मद अनस उर्फ हाजी है। अनस ने उत्तर प्रदेश में हुए 2022 के विधानसभा चुनाव में चंद्रशेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बैनर पर मेरठ की किठौर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। चुनाव में वह हार गया था।

मोहम्मद अनस की गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर उसकी जो फोटो वायरल हुई है, उसमें चंद्रशेखर आजाद अपने कई साथियों के साथ अनस को भारी-भरकम फूलों की माला पहनाते हुए दिख रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद लोकसभा चुनाव 2024 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से चुनाव जीते हैं। मोहम्मद अनस के बारे में पुलिस को जानकारी तब मिली जब दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया। मोहम्मद अनस के साथ ही इस गिरोह के पांच अन्य सदस्यों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने 15 दिन तक अभियान चलाकर इस गिरोह के द्वारा चुराई गई पांच लग्जरी कारें बरामद की हैं। इन कारों में एक टोयोटा फॉर्च्यूनर, एक स्विफ्ट डिजायर और तीन मारुति ब्रेजा जैसी महंगी कारें शामिल हैं। इनमें से टोयोटा फॉर्च्यूनर कार राजौरी गार्डन थाना क्षेत्र से, स्विफ्ट डिजायर बुध विहार थाना क्षेत्र से और मारुति ब्रेजा पंजाबी बाग और इंद्रपुरी से चोरी की गई थीं। पुलिस ने चोरों के पास से 5 फर्जी नंबर प्लेट, 17 डुप्लीकेट की, दो रिमोट की भी बरामद की हैं।

कार चोरी करने वाले गिरोह के सभी सदस्य बेहद शातिर हैं। उन्होंने आपस में बातचीत करने के लिए एक विशेष ऐप बनाया हुआ था और इसी के जरिए वे एक-दूसरे से बातचीत करते थे। पुलिस से पूछताछ के दौरान गिरोह के सदस्यों ने खुलासा किया कि वे लोग दिल्ली से लग्जरी कारें चुराते थे और जब चोरी की गई कारों को बेचने का सौदा किया जाता था तो मोहम्मद अनस मेरठ से दिल्ली आता था। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अन्य अभियुक्तों की पहचान पवन उर्फ पन्नू, मुकीम उर्फ मुक्की और मोहम्मद फरियाद उर्फ फरी के रूप में हुई है। पन्नू और फरी पहले भी कार चोरी के 12 मामलों में शामिल रहे हैं। खबरों के मुताबिक, पन्नू और फरी सॉफ्टवेयर और मैकेनिकल उपकरणों का इस्तेमाल करना जानते हैं और इनकी मदद से महंगी कारों को निशाना बनाते थे।

ये शातिर चोर दिल्ली-एनसीआर से महंगी कारें चुराने के लिए साफ्टवेयर की मदद लेते थे जिससे कार का लॉक खुल जाता था। इसके बाद वे मोहम्मद अनस के साथ कारों को बेचने का सौदा करते थे। मोहम्मद अनस के कहने पर उसके लोग दिल्ली से कार लेकर मेरठ चले जाते थे। पुलिस ने बताया कि दिल्ली में कार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं और पिछले दो महीने में ही 30 कारें चोरी हुई हैं।

36.51 करोड़ पौधरोपण से काफी आगे निकली यूपी सरकार

लखनऊ, 01 अक्टूबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक दिन (20 जुलाई) को 36.51 करोड़ पौधरोपण कर इतिहास रचने वाला उत्तर प्रदेश अब और भी आगे निकल गया। 20 जुलाई से 30 सितंबर के मध्य उत्तर प्रदेश में 36.80 करोड़ से अधिक पौधरोपण कर लिए गए। 13.53 पौधरोपण के साथ ग्राम्य विकास विभाग निरंतर शीर्ष पर है, जबकि वन विभाग की तरफ से लगाए गए 12.92 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। वहीं जनपदों में सोनभद्र शीर्ष पर है। यहां एक करोड़ 55 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 जुलाई को लखनऊ से पौधरोपण कर पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान-2024 का शुभारंभ किया था। इसी दिन मुख्यमंत्री ने गोरखपुर व प्रयागराज में भी पौधरोपण कर अभियान को धार दी थी। 20 जुलाई को 36.50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य था, लेकिन उस दिन 36,51,45,477 करोड़ पौधे लगाए गए, जो सरकार के लक्ष्य से 1,45,477 अधिक रहे। सीएम योगी के निर्देशन में यह अभियान 20 जुलाई से निरंतर चलता रहा। सभी के संयुक्त प्रयास का परिणाम रहा कि 20 जुलाई से 30 सितंबर के मध्य यह आंकड़ा 36.51 करोड़ से आगे बढ़कर 36.80 करोड़ पौधरोपण तक पहुंच गया। वन, वन्य जीव व पर्यावरण विभाग के नेतृत्व में सभी विभागों के संयुक्त प्रयास से यह सफलता अर्जित की गई।

अभियान के तहत सर्वाधिक पौधरोपण सोनभद्र में किया गया। 20 जुलाई को सोनभद्र में 1.53 करोड़ पौधे लगाए गए थे। 30 सितंबर तक यहां 1.55 करोड़ पौधरोपण हो गए। झांसी में 20 जुलाई को 97 लाख पौधे लगाए गए थे, जो अब बढ़कर 98.70 लाख हो गए। लखीमपुर खीरी में 95 लाख से बढ़कर 30 सितंबर तक का आंकड़ा 96.18 लाख हो गया है। जालौन में 20 जुलाई को 94 लाख पौधे लगे थे। 30 सितंबर तक यहां 95.22 लाख पौधे लगाए गए। मीरजापुर में 93 लाख से बढ़कर 30 सितंबर तक 94.06 लाख पौधे लगाए गए।

ग्राम्य विकास विभाग की तरफ से सर्वाधिक पौधरोपण किए गए हैं। 30 सितंबर तक विभाग ने 13,54,62,142 पौधे लगाए।

महायोगी गोरखनाथ विवि को एमबीबीएस की 100 सीटों की मान्यता मिली

गोरखपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गोरखपुर में निजी क्षेत्र के पहले विश्वविद्यालय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को नेशनल मेडिकल कमीशन से अब एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए 100 सीटों की मान्यता मिल गई है। इसके पहले नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने 50 सीटों की मान्यता दी थी और नीट स्टेट कोटा काउंसिलिंग में अब तक इन सभी सीटों पर प्रवेश हो चुका है। श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की अपील पर जांचोपरांत एनएमसी ने अब एमबीबीएस की मान्यता बढ़ाकर 100 सीटों के लिए कर दी है। यह जानकारी देते हुए श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य प्रो. डॉ. अरविंद कुशवाहा ने बताया कि जल्द ही बढ़ी 50 सीटों पर भी प्रवेश प्रक्रिया नीट काउंसिलिंग से शुरू हो जाएगी।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा की गई अपील के परीक्षण में एनएमसी ने पाया कि 100 एमबीबीएस सीटों के लिए जरूरी 420 बेड के हॉस्पिटल के सापेक्ष 450 बेड का हॉस्पिटल क्रियाशील है। साथ ही अन्य सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी भी मानक के अनुरूप हैं। इसे देखते हुए 30 सितंबर को अपील को इस आदेश के साथ के साथ निस्तारित किया गया कि श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर को सत्र 2024-25 के लिए एमबीबीएस की 100 सीटों पर मान्यता प्रदान की जाती है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को एमबीबीएस कोर्स संचालन को लेकर यह बड़ी उपलब्धि विश्वविद्यालय स्थापना के मात्र तीन साल में हासिल हुई है। नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी के तमाम रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ ही यहां गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के अंतर्गत 2021 से ही बीएएमएस का पाठ्यक्रम संचालित है।

एमबीबीएस की मान्यता बढ़कर 100 सीटों पर पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने विश्वविद्यालय परिवार एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यह समूचे पूर्वांचल के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है। कुलपति ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज का हॉस्पिटल आने वाले समय में अपग्रेड होकर 1800 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हो जाएगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित यह मेडिकल कॉलेज गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है।

श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य प्रो. डॉ. अरविंद कुशवाहा के अनुसार पहले वर्ष इस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब मान्यता वृद्धि की 50 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। एमबीबीएस की मान्यता बढ़कर 100 सीट हो जाने से न सिर्फ पूर्वांचल के प्रतिभाशाली छात्र-छात्रों को अपने घर के पास गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी बल्कि गोरखपुर-बस्ती-आजमगढ़ मंडल से लेकर पश्चिमी बिहार और नेपाल की तराई तक के लोगों को अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी सुविधाओं से लैस चौबीसों घंटे सेवा देने वाला अस्पताल भी मिल जाएगा।

विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह सहित सभी सदस्यों, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

मिशन शक्ति का पांचवा चरण

नारी शक्ति को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करेगा वीमेन्स फेस्ट

लखनऊ, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश की नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति के पांचवे चरण में महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने और इंटरप्रेन्योरशिप के लिए प्रोत्साहित करने के लिए वीमेन्स फेस्ट का आयोजन करने का जा रही है। वहीं मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत प्रदेश के सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए रिटायरिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए क्रेच की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शारदीय नवरात्रि के पहले दिन 3 अक्टूबर को अपने सरकारी आवास से मिशन शक्ति के पांचवे चरण का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपद के मिशन शक्ति नोडल अधिकारी (पुलिस उपायुक्त/अपर पुलिस अधीक्षक) ऑनलाइन जुड़ेंगे। वहीं राजधानी लखनऊ के साथ प्रदेश के सभी कमिश्नरेट और जनपदों में महिला सशक्तिकरण रैली निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं का भी शुभारंभ किया जाएगा। वहीं योगी सरकार ने इस बार 1090 चौराहे पर महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने और इंटरप्रेन्योरशिप के लिए प्रोत्साहित करने के लिए वीमेन्स फेस्ट का आयोजन कराने का निर्णय लिया है। इसे महिलाओं के स्वयं सहायता समूह और सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा लगाया जाएगा, जिसमें उनके द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी और स्टॉल लगाए जाएंगे। इसके तहत सांस्कृतिक संगीता संध्या, वार्ता कार्यक्रम, स्वास्थ्य चेकअप कैंप, प्रेरणात्मक भाषण, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य सत्र आदि का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति के पांचवे चरण के तहत प्रदेश के सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं के रिटायरिंग रूम और क्रेच की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा पुलिस लाइन, पीएसी वाहिनी परिसर, मेडिकल कॉलेज आदि जगहों पर वर्किंग वीमेन हॉस्टल्स का निर्माण किया जाएगा। यहां पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किये जाएंगे। प्रदेश के हर थाने में महिला बैरक की व्यवस्था की सुनिश्चित की जाएगा। साथ ही राजधानी लखनऊ की तर्ज पर सभी कमिश्नरेट में पिंक बूथ की स्थापना और पिंक स्कूटी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा सार्वजनिक स्थलों मॉल, सार्वजनिक स्मारक, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, चिड़ियाघर आदि शिशुओं के लिए फिडिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। वहीं असंगठित क्षेत्रों में (बिल्डिंग कंसट्रक्शन साइट, कारखाने, फैक्टरी) कार्य करने वाली महिलाओं के लिए विश्राम स्थल की व्यवस्था की जाए ताकि महिलाएं यहां अपना व्यक्तिगत समय बिता सकें। इन स्थानों पर पिंक टॉयलेट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

पराली का महीना

अक्तूबर माह की शुरुआत हुई है, लेकिन मन अभी से घबराने लगा है। इसी माह से राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण इतना घना और व्यापक होने लगता है, जो कमोबेश जनवरी माह तक जारी रहता है। वायु प्रदूषण इतना घातक स्तर तक पहुंच जाता है कि घर से निकलना दूभर हो जाता है। सांस घुटने लगता है। चिकित्सक परामर्श देने लगते हैं कि यदि बहुत जरूरी न हो, तो घर से मत निकलें। प्रदूषण के कारण कौन-कौन सी गंभीर बीमारियां मानव-शरीर में पनपने लगती हैं, चिकित्सक उनके प्रति भी आगाह करने लगते हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण का प्रकोप इतना घातक हो जाता है कि सर्वोच्च अदालत को कई बार उस स्थिति की तुलना 'गैस चैंबर' से करनी पड़ी है। अदालत फटकार लगाती है, सरकारों से नाराजगी जताती है, लेकिन सरकारें और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग सरीखी संवैधानिक संस्थाएं प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में नाकाम रही हैं। किसान अपने खेतों में पराली जलाने से बाज नहीं आते। हमने अक्तूबर का संदर्भ पराली के कारण ही उठाया है। खेतों में धान की बालियां कट चुकी हैं। जो छोटे अवशेष बचे हैं, उन्हें पंजाब-हरियाणा के खेतों में जलाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। किसानों की अपनी पेशेवर मजबूरी है, क्योंकि उन्हें गेहूं आदि की फसल के लिए खेत तैयार करना है। यह क्रम अक्तूबर में ही घनीभूत होने लगता है। हालांकि अभी दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से कम है, जो सामान्य श्रेणी में आता है। पराली-दहन पर किसी भी पार्टी की सरकार का अंकुश नहीं है। रासायनिक विकल्पों की घोषणाएं की जाती रही हैं, लेकिन विकल्प अभी तक उपलब्ध नहीं हैं। सर्वोच्च अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को फटकार लगाई है, नाराजगी व्यक्त की है, क्योंकि पराली के संदर्भ में आयोग अपने निर्देशों, आदेशों को जमीनी स्तर पर लागू कराने में नाकाम रहा है। आयोग के प्रयास 'कागजी' ही हैं। केंद्रीय स्तर पर 12-सदस्यीय टीम के गठन की भी घोषणा की गई है। यह टीम दिल्ली-एनसीआर में 'ग्रेप' (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) के तहत लगाए जाने वाले प्रतिबंधों पर फैसला लेगी। राजधानी में सिर्फ वही अंतरराज्यीय बसें और माल वाहन प्रवेश कर सकेंगे, जो सीएनजी, बिजली या खास किस्म के डीजल से चलते होंगे। निर्माण-कार्यों पर भी विशेष अवधि के लिए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। कूड़े को इक_ा करने और उसे उठाने के बंदोबस्त भी व्यापक किए जाएंगे। यदि कूड़ा जलाएंगे, तो भी प्रदूषण होगा। यदि वायु प्रदूषण एक स्तर से अधिक बढ़ता है, तो कमोबेश राजधानी क्षेत्रों में 'कृत्रिम बारिश' कराई जाएगी, ऐसी घोषणा दिल्ली सरकार ने की है। निजी परिवहन को भी नियंत्रित किया जाएगा। दिल्ली सरकार सम-विषम परिवहन का फॉर्मूला लागू कर चुकी है, लेकिन वह अपेक्षानुरूप सफल नहीं रहा। आयोग के संदर्भ में पराली का मुद्दा गायब रहा है। केजरीवाल की 'आम आदमी पार्टी' (आप) की सरकार दिल्ली और पंजाब दोनों जगह है। पंजाब में सरकार बनने से पहले केजरीवाल पराली के मुद्दे पर खूब चिल्ल-पौं करते थे, लेकिन आज वे किसानों को पराली जलाने से रोक नहीं सकते, क्योंकि वे एक संगठित वोट बैंक हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण 300-400 और उससे भी अधिक रहता है। यह खतरनाक, जानलेवा श्रेणी का प्रदूषण है। कुछ स्थानों पर प्रदूषण का सूचकांक 500 से भी अधिक चला जाता है। वह घोर खतरनाक स्थिति होती है, लेकिन आम आदमी क्या करे? उसे घर से भी निकलना है, काम पर जाना है, बोझ उठाने वाले मजदूरों को प्रदूषित माहौल में ही दिहाड़ी कमानी है। किसान सभी अपीलों और चिंताओं को नकार कर पैसे बचाने के प्रति ज्यादा आग्रही होते हैं, जबकि उन्हें भी अपनी सेहत की चिंता करनी चाहिए। बीते साल भी सर्वोच्च अदालत ने पंजाब, हरियाणा, उप्र, राजस्थान आदि राज्यों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे कि फसल अवशेष को जलाने का सिलसिला तुरंत रोका जाए, क्योंकि हम आम आदमी को मरने नहीं दे सकते। इस मुद्दे पर राजनीति न की जाए। एक-दूसरे पर दोष न मढ़ा जाए, लेकिन अभी तो कोई आसार नहीं हैं कि पराली जलाने पर कोई पाबंदी लग सके।

प्रदूषण के कारण कौन-कौन सी गंभीर बीमारियां मानव-शरीर में पनपने लगती हैं, चिकित्सक उनके प्रति भी आगाह करने लगते हैं। दिल्ली में वायु प्रदूषण का प्रकोप इतना घातक हो जाता है कि सर्वोच्च अदालत को कई बार उस स्थिति की तुलना 'गैस चैंबर' से करनी पड़ी है। अदालत फटकार लगाती है, सरकारों से नाराजगी जताती है, लेकिन सरकारें और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग सरीखी संवैधानिक संस्थाएं प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में नाकाम रही हैं। किसान अपने खेतों में पराली जलाने से बाज नहीं आते। हमने अक्तूबर का संदर्भ पराली के कारण ही उठाया है। खेतों में धान की बालियां कट चुकी हैं। जो छोटे अवशेष बचे हैं, उन्हें पंजाब-हरियाणा के खेतों में जलाने का सिलसिला शुरू हो चुका है। किसानों की अपनी पेशेवर मजबूरी है, क्योंकि उन्हें गेहूं आदि की फसल के लिए खेत तैयार करना है। यह क्रम अक्तूबर में ही घनीभूत होने लगता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक प्रभाव और सफल कूटनीति के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पलड़ा

प्रमोद भार्गव

मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में कहा कि फ्रांस सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है। जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही दो ऐसे देश भी होने चाहिए, जिन्हें अफ्रीका प्रतिनिधित्व के लिए अनुशंसा करे। दूसरी तरफ पाकिस्तान से दोस्ती और भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को झटका दिया है। उन्होंने गाजा युद्ध को लेकर जमकर हमला बोला, लेकिन इस बार कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया। साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे पर किनारा किया है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र निकाय के विस्तार की वकालत की है। मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में कहा कि फ्रांस सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है। जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही दो ऐसे देश भी होने चाहिए, जिन्हें अफ्रीका प्रतिनिधित्व के लिए अनुशंसा करे। दूसरी तरफ पाकिस्तान से दोस्ती और भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को झटका दिया है। उन्होंने गाजा युद्ध को लेकर जमकर हमला बोला, लेकिन इस बार कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया। साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे पर किनारा किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2020, 2021, 2022 और 2023 में कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया था। इससे लगता है कि भारत की स्थायी सदस्यता के लिए सहमति बढ़ रही है। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक प्रभाव और सफल कूटनीति के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। भारत के संयुक्त राष्ट्र में भारी होते पलड़े के संदर्भ में विदेश नीति के विशेषज्ञों का मानना है कि तुर्किये ब्रिक्स का सदस्य देश बनना चाहता है। इस हेतु उसे भारत की मदद जरूरी है। यदि भारत असहमति जता देता है तो उसे सदस्यता मिलना मुश्किल है। ब्रिक्स में इस वक्त ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। भारत इसमें प्रमुख सदस्यों में से एक है। इस बीच खबर यह भी है कि तुर्किये को नाटो देशों के समूह से बाहर निकाला जा सकता है। इसलिए तुर्किये ब्रिक्स देशों की सदस्यता चाहता है। एर्दोगान ने कहा भी है कि 'हम ब्रिक्स देशों के साथ अपने संबंध बेहतर करना चाहते हैं। ब्रिक्स के देश दुनिया की उभरती आर्थिक शक्ति हैं। इसलिए हम उनके साथ संबंध मजबूत और विश्वसनीय बनाने के पक्षधर है।' एर्दोगान ने यह झटका तब दिया है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूरी तैयारी कर रखी थी कि महासभा में कश्मीर में हो रहे चुनाव का मुद्दा उठाया जाए और इस चुनाव प्रक्रिया को अलोकतांत्रिक बताया जाए। परंतु दुनिया की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे भारत का

डंका विश्व की प्रत्येक लोकतांत्रिक और मानवाधिकार हितों की पैरवी करने वाली संस्थाओं में बजता दिख रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की दलील है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की सुरक्षा परिषद 21वीं सदी की लक्ष्यपूर्तियों के लिए पर्याप्त नहीं है। इसमें समकालीन भूराजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिबिंब दिखाई नहीं दे रहा है। वर्तमान में सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य और 10 अस्थायी सदस्य देश शामिल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वारा दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। परंतु पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और अमेरिका हैं, इनमें से प्रत्येक देश के पास ऐसी शक्ति है, जो किसी भी महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर वीटो लगा सकता है। भारत 2021-22 में संयुक्त राष्ट्र की उच्च परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में चुना गया था। किंतु दुनिया का जो वर्तमान परिदृश्य है, उससे निपटने के लिए स्थायी सदस्यों की संख्या दुनिया का हित साधने के लिए बढ़ाई जानी चाहिए। इसीलिए मैक्रों को कहना पड़ा कि 'सुरक्षा परिषद के कामकाज के तरीकों में बदलाव, सामूहिक अपराधों के मामलों में वीटो के अधिकार को सीमित करने और शांति बनाए रखने के लिए जरूरी फैसलों पर ध्यान देने की जरूरत है। अतएव जमीन पर बेहतर और बेहिचक तरीके से काम करने की दृष्टि से दक्षता हासिल करने का समय आ गया है।' मैक्रों की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बीते रविवार 22 सितंबर 2024 को 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करने के कुछ दिन बाद आई है, इसमें मोदी ने इस बात पर जोर दिया था कि वैश्विक शांति और विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार आवश्यक है। उन्होंने कहा था कि सुधार प्रासंगिकता की कुंजी है। वाकई इस समय संस्थाएं अपनी प्रासंगिकता खोती दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 15 सदस्य देशों की सुरक्षा परिषद को भी पुरानी व्यवस्था का हिस्सा बताकर आलोचना की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर इसकी संरचना और कार्य प्रणाली में सुधार नहीं होता है तो इस संस्था से दुनिया का भरोसा उठ जाएगा। दूसरे विश्व युद्ध के बाद शांतिप्रिय देशों के संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गठन हुआ था। इसका अहम मकसद भविष्य की पीढियों को युद्ध की विभीषिका और आतंकवाद से सुरक्षित रखना था। इसके सदस्य देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन को स्थायी सदस्यता प्राप्त है। याद रहे चीन जवाहरलाल नेहरू की अनुकंपा से सुरक्षा परिषद का सदस्य बना था। कांग्रेस नेता और संयुक्त राष्ट्र में अवर महासचिव रहे शशि थरूर की किताब 'नेहरू : दि इन्वेंशन ऑफ इंडिया' में थरूर ने लिखा है कि 1953 के आसपास भारत को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने का प्रस्ताव मिला था। लेकिन उन्होंने चीन को दे दिया। थरूर ने लिखा है कि भारतीय राजनयिकों ने वह फाइल देखी थी, जिस पर नेहरू के इंकार का जिक्र है। नेहरू ने ताइवान के बाद इस सदस्यता को चीन को दे देने की पैरवी की थी। अतएव कहा जा सकता है कि नेहरू की भयंकर भूल और उदारता का नुकसान भारत आज तक उठा रहा है। जबकि उस समय अमेरिका भारत के पक्ष में था। भारत का दो बार पाकिस्तान और एक बार चीन से युद्ध हो चुका है। इराक और अफगानिस्तान, अमेरिका और रूस के जबरन दखल के चलते युद्ध की ऐसी विभीषिका के शिकार हुए कि आज तक उबर नहीं पाए हैं। तालिबान की आमद के बाद अफगानिस्तान में किस बेरहमी से विरोधियों और स्त्रियों को दंडित किया जा रहा है, यह किसी से छिपा नहीं रह गया है। इजराइल और फिलीस्तान और रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध एक नहीं टूटने वाली कड़ी बन गए हैं। अनेक इस्लामिक देश गृह कलह से जूझ रहे हैं। उत्तर कोरिया और पाकिस्तान बेखौफ परमाणु युद्ध की धमकी देते रहते हैं। दुनिया में फैल चुके इस्लामिक आतंकवाद पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। साम्राज्यवादी नीतियों के क्रियान्वयन में लगा चीन किसी वैश्विक पंचायत के आदेश को नहीं मानता।

दृष्टि कोण

समाज में पनपती मानसिक विकृति

एक समय था जब हमारे देश भारत के राजा कहा करते थे कि मेरे देश में कोई चोर नहीं. शराबी और कायर नहीं, कोई अधार्मिक नहीं, कोई व्यभिचारी नहीं। क्या आज का राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री ऐसा कह सकता है ? शायद उत्तर मिलेगा- नहीं। सैंकड़ों चोरियां होती हैं, अनेक हत्याएं होती हैं, अनेक महिलाओं, यहां तक कि नन्ही-नन्ही कन्याओं, जिन्हें नवरात्रों में देवी समझकर पूजा जाता है, उनके साथ दिल दहला देने वाले सामूहिक बलात्कार और हत्याएं हो रही हैं कि सुनकर ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। क्या इसलिए कि हमारा चरित्र गिर गया है या बड़ी-बड़ी उच्च डिग्रियां लेकर भी हम मानसिक दृष्टि से गिरे हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों से मानव समाज में तकनीकी व आर्थिक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन मूल्य प्रभावित हुए हैं। परिवर्तन समय की स्वाभाविक वृति है। ऐसा कभी नहीं था कि परिवर्तन रुका हो। आज हम इतराते हैं कि हम चांद पर पहुंच गए। मंगल और शुक्र ग्रह भी घूम आए। सेंसर जैसी कई अन्य आधुनिकतम तकनीक से उंगली के संकेत से मनवांछित प्राप्त कर सकते हैं। तीव्र गति से होने वाली वैज्ञानिक प्रगति नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस क्रांति में इंटरनेट एक ऐसे व्यापक हाईवे के रूप में सामने आया है जिसने समूचे विश्व को अपने आलिंगन में ले लिया है। इंटरनेट की सहायता से हम दुनिया भर की जानकारियां उपलब्ध करा सकते हैं। पहले हम कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुंब बना दिया, किंतु आज इंटरनेट ने मानों कुटुंब को ही कमरे में उपस्थित कर दिया है। मानव जीवन में इंटरनेट क्रांति एक महत्वपूर्ण बदलाव लाई है, पर हर सच्चाई के साथ बुराई, प्रगति के साथ अवनति, उत्थान के साथ पतन जुड़े रहते हैं। अतः जब कल्याण और प्रगति के लिए कोई नई सोच, विधि, तकनीक सामने आती है तो पीछे से शैतानी प्रवृत्ति भी चुपके से प्रवेश कर लेती है। राक्षसी वृति का अच्छाई के साथ सदा ही विरोध रहा है। हमारे पुराणों में अनेक ऐसे दृष्टांत हैं। भस्मासुर, महिषासुर, रावण आदि घोर तपस्या कर ईश्वर से अपने अस्तित्व और वर्चस्व के स्थायित्व का वरदान मांगते थे और वरदान मिल जाने पर उसका दुरुपयोग करते थे। इसी प्रकार वैज्ञानिक अनुसंधान व आविष्कार भी वैज्ञानिकों की तपस्या का परिणाम होते हैं। यही इंटरनेट की दुनिया में भी हुआ है जहां दुर्लभ उपयोगी जानकारियां एक ही क्लिक में मिल रही हैं, वहीं पर अश्लीलता भी परोसी जाने लगी है। कई प्रकार की ठगी हो रही है। युवाओं विशेष रूप से किशोरावस्था वालों के लिए यह हर प्रकार से हानिकारक सिद्ध होने लगा है। बच्चा जब गर्भ में होता है तो मां जैसे वातावरण में रहती है, उसका महत्वपूर्ण प्रभाव गर्भ में पल रहे बच्चे पर पड़ता है। धार्मिक ग्रंथ महाभारत में भी अभिमन्यु के चक्रव्यूह भेदने के प्रसंग में यह बात आई है और नारद के आश्रम में जन्म लेकर वहां के विष्णुमय वातावरण में पलकर हिरण्यकश्यप जैसे दैत्य का पुत्र प्रहलाद विष्णु भक्त बन गया था। यही बात विज्ञान और चिकित्सक भी कहते हैं कि गर्भवती महिला को स्वस्थ आहार के साथ स्वस्थ वातावरण मिलना चाहिए, पर आज की अधिकतर माताएं जब गर्भावस्था में बेड रैस्ट पर होती हैं या फुर्सत मिलती है तो इंटरनेट की दुनिया में मनोरंजन की सामग्री की ओर अधिक व धार्मिक या नैतिक शिक्षाप्रद वीडियो कार्यक्रमों की ओर कम ही झुकाव रखती हैं। बच्चा गर्भ में ही इंटरनेट की दुनिया में प्रवेश कर जाता है। शिशु जब धरा पर अवतरित होता है तो कुछ माह के बाद मां बच्चे को आया या मेड के पास छोडक़र नौकरी पर चली जाती है या कुछ गृहणियां घर का काम निपटाने के लिए स्मार्टफोन में यूट्यूब पर डांस या गाना लगाकर बच्चों को पकड़ा देती हैं। जो बच्चे मां से चिपके रहते थे वे फोन से चिपके रहते हैं। धीरे-धीरे बच्चा जब बड़ा होता है तो बोलकर नेट चलाना सीख जाता है और यही कच्ची उम्र जिज्ञासा का भंडार होती है। जैसे-जैसे वह पांच-सात वर्ष का होता है, नेट की दुनिया का आदी बन चुका होता है। फिर नेट की दुनिया में वह अश्लीलता की दुनिया में अनजाने में ही कदम रख देता है। जो सुकोमल आयु और तन चरित्र निर्माण के सुसंस्कार की पवित्र गंगा से सराबोर होने के होते हैं, वे कोमल आयु और तन अपनी आयु से आगे निकलकर अश्लीलता के रास्ते की कीचड़ में लिप्त होने लगते हैं। अगर बच्चे में अच्छे संस्कार भरे होंगे, विवेकशील होंगे, उसे अच्छे-बुरे का ज्ञान बचपन से उसके दिलों दिमाग में भर दिया गया होगा, तब तो वह इस नरक की दुनिया से दूर होकर अपना रास्ता बदल देगा, पर इसके विपरीत परिस्थितियां होंगी तो बच्चे इन अश्लील वेबसाइटों के आदी हो जाएंगे। हाल ही में सुर्खियों में रहे केस कोलकाता में एक डॉक्टर युवती से बलात्कार व हत्या का आरोपी पोर्न फिल्मों का आदी बताया गया है।

कुछ अलग

हिंदी का वार्षिक श्राद्ध

कई बार सोचता हूं कि क्या यह महज़ संयोग है कि हर साल हिन्दी पखवाड़ा और पितृ पक्ष साथ-साथ आते हैं। हिन्दी दिवस हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है और पितृ पक्ष लगभग इसी के साथ शुरू होता है। हर साल की तरह इस बार भी हिन्दी दिवस 14 सितम्बर को मनाया गया और हिन्दी पखवाड़ा 28 सितम्बर तक चला। इस बार पितृ पक्ष 17 सितम्बर से 2 अक्तूबर तक चलेगा। पितृ पक्ष की तिथियां बदलती रहती हैं। पर हिन्दी दिवस हर साल नियत तिथि को ही आता है और पूरे 14 दिन तक चलता है। इस दिन विभिन्न स्पर्धाओं, प्रतियोगिताओं, सम्मेलनों और वार्ताओं का आयोजन होता है। आमंत्रित अतिथि गण, साहित्यकार, अधिकारी और प्रतिस्पर्धी आयोजन के बाद जम कर जीमते हैं और हिन्दी को जन-जन में लोकप्रिय बनाने के अलावा सरकारी दरबार में किस तरह मुख्य सिंहासन पर विराजमान करवाया जाए, इस पर अपने दिमाग़ के अरबी घोड़े दौड़ाते हैं। पिछले एक दशक से आकंठ ईवेंट मेनेजमैंट में डूबी केन्द्र सरकार ने हिन्दी दिवस को भी इसी श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। पिछले चार साल से देश की विभिन्न सरकारी इकाइयों के क़रीब दस हज़ार हिन्दी अधिकारी और राजभाषा अधिकारी राजभाषा विभाग द्वारा नियत स्थान पर दो दिनों के लिए मिलते हैं। लेकिन इस सम्मेलन में उन्हें नेताओं के कोरे भाषणों और सरकार के पि_ओं के एकालाप और वार्ताएं सुनने के अलावा कभी अपनी बात कहने का मौक़ा नहीं मिलता। बेचारे घर में बीवी की सुनते हैं, दफ्तर में बॉस की और हिन्दी सम्मेलन में मंत्रियों और सत्ता पक्ष से जुड़े काने विद्वानों की। बेचारे हिन्दी की महानता और महत्व के बारे में ज्ञान लेकर लौट आते हैं और साल भर अंग्रेज़ी भरे सरकारी माहौल में सत्ता की दासी हिन्दी को पटरानी बनाने की कागज़ी कोशिश में जुट जाते हैं। लेकिन आज़ादी के पचहत्तर सालों के बाद भी सरकारी दरबार में पटरानी बन कर घूम रही अंग्रेज़ी का बाल भी बींका नहीं कर पाते। यहां तक कि अपने हिन्दी भाषणों में गा-गाकर हिन्दी बोलने वाले प्रधानमंत्री विदेशी मंचों पर इसी अन्दाज़ में ग़लत अंग्रेज़ी बोलने का मोह नहीं छोड़ पाते। प्रधानमंत्री अमेरिकी संसद में पिलर को पीलर बोलते हैं, बौद्धिक मंच पर सक को शक कहते हैं और इन्वेस्टमैंट इन द गर्ल चाइल्ड को इनवेस्टिगेटिंग इन द गर्ल चाइल्ड बोलते नजऱ आते हैं। केन्द्रीय सरकारी भाषा में राष्ट्र का गौरव कही जाने वाली हिन्दी को लेकर किसी आम भारतीय की तरह हीनभावना से ग्रस्त प्रधानमंत्री भले सही हिन्दी न बोल पाते हों लेकिन टूटी-फूटी अंग्रेज़ी बोलने से बाज नहीं आते। देश के किसी गम्भीर समस्या से जूझने के दौरान मीडिया मेनेजमैंट में माहिर केन्द्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी लोगों का ध्यान बेतुके मसलों की ओर मोड़ देती है। अगली बार राफेल, हिंडनबर्ग, भ्रष्टाचार, किसान आन्दोलन, बेरोजग़ारी, महंगाई या कोई अन्य मसला खड़े होने पर भाजपा चाहे तो भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान इस्तेमाल नारों 'अंग्रेज़ो भारत छोड़ो' और 'क्विट इण्डिया मूवमैंट' के बीच नई बहस छेड़ सकती है। सरकार के मंत्री और भाजपा के कार्यकर्ता कह सकते हैं कि गांधी और नेहरू ने अंग्रेज़ों को भारत से भगाने वाला नारा अंग्रेज़ी में दिया था, जबकि वीर सावरकर द्वारा हिन्दी में दिए गए नारे के कारण ही देश की आज़ादी संभव हो पाई थी। अतः वीर सावरकर ही हिन्दी के वास्तविक प्रणेता हैं। भारत के कई काले अंग्रेज़ों की तरह गूगल ट्रांसलेट का भी हिन्दी से अंग्रेज़ी या अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद क़ाबिलेतारीफ है। हुआ यूं कि अपना शत-प्रतिशत काम अंग्रेज़ी में निपटाने वाले एक मंत्रालय में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित अन्तयाक्षरी प्रतियोगिता का एक पोस्ट सोशल मीडिया में डालने के बाद सम्बन्धित अधिकारी को ध्यान आया कि उसने पोस्ट को अंग्रेज़ी भाषा में डाला है।

देश दुनिया से

भू-संरक्षण कानून को प्रासंगिक बनाने का दबाव

हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर गैर-कृषकों द्वारा कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त पर रोक के लिये उत्तराखंड में कानून अवश्य बना था लेकिन ऐसा कानून बनाने वाली राज्य की पहली निर्वाचित तिवारी सरकार ने उस कानून में धारा दो जोड़ कर पहला छेद कर डाला था। सन् 2017 के बाद किए गए बार-बार के संशोधनों ने वास्तव में भूमि संरक्षण से जुड़े कानून की प्रासंगिकता को कमजोर कर दिया। नया भूमि प्रबंधन कानून बनाने के लिये गठित पूर्व मुख्य सचिव सुभाष कुमार की अध्यक्षता वाली समिति अपनी रिपोर्ट 5 सितम्बर, 2022 को सौंप चुकी थी, लेकिन उस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अगले बजट सत्र में सशक्त भू-कानून लाने की घोषणा एक महत्वपूर्ण कदम है। हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड अकेला राज्य है, जहां कठोर कानून के अभाव में जमीनों की बेलगाम खरीद-फरोख्त जारी है। हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर गैर-कृषकों द्वारा कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त पर रोक के लिये उत्तराखंड में कानून अवश्य बना था लेकिन ऐसा कानून बनाने वाली राज्य की पहली निर्वाचित तिवारी सरकार ने उस कानून में धारा दो जोड़ कर पहला छेद कर डाला था। सन् 2017 के बाद किए गए बार-बार के संशोधनों ने वास्तव में भूमि संरक्षण से जुड़े कानून की प्रासंगिकता को कमजोर कर दिया। नया भूमि प्रबंधन कानून बनाने के लिये गठित पूर्व मुख्य सचिव सुभाष कुमार की अध्यक्षता वाली समिति अपनी रिपोर्ट 5 सितम्बर, 2022 को सौंप चुकी थी, लेकिन उस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। यह धारणा इसलिये भी पुष्ट हुई कि नारायण दत्त तिवारी सरकार द्वारा काश्तकारों की जमीनें बचाने के लिये 1950 के अधिनियम में संशोधन कर जो कानून बनाया गया था उसमें भी भाजपा की ही त्रिवेन्द्र सिंह रावत सरकार ने 2018 में औद्योगीकरण के नाम पर उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950)(अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) की धारा 154, 143 एवं 129 में संशोधन कर इस कानून को लगभग निष्प्रभावी ही बना दिया था। उसके बाद फिर उसी भू-कानून की धारा 143 की उपधारा 'क' और 'ख' को हटाने से तिवारी द्वारा बनाये गये भू-कानून का प्रभाव समाप्त हो गया था। इन धाराओं में प्रावधान था कि अगर उद्योग के लिये हासिल की गयी जमीन का 2 साल के अन्दर उसी प्रयोजन के लिये उपयोग नहीं किया गया तो कलक्टर धारा 167 के तहत उस जमीन को जब्त कर सरकार में निहित कर लेगा। अब मुख्यमंत्री धामी ने यह कह कर सशक्त भू-कानून की आशा फिर जगा दी कि उत्तराखंड (उत्तरप्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) में 2017 के बाद किये गये संशोधनों के लक्ष्य हासिल नहीं हुए हैं। उस समय राज्य में 125 लाख करोड़ के पूंजी निवेश के इच्छापत्रों पर हस्ताक्षर हुए थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया कि संशोधनों से भूमि कानून में दी गयी शिथिलता के बावजूद औद्योगिक निवेश का मकसद हल नहीं हुआ। दरअसल, इन्हीं संशोधनों के खिलाफ उत्तराखंड में जहां तहां लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि सशक्त भू-कानून के लिये गठित सुभाष कुमार समिति की सिफारिशों की भी समीक्षा की जा रही है और सरकार अगले बजट सत्र में निश्चित रूप से एक सशक्त भू-कानून को पास करा देगी। समिति ने हिमाचल प्रदेश काश्तकारी एवं भूमि सुधार अधिनियम 1972 की धारा 118 से मिलती-जुलती 23 सिफारिशें कर रखी हैं। उत्तराखंड में औद्योगीकरण के नाम पर सन् 2018 से लेकर अब तक प्राइम लैंड लगभग बिक चुकी है। जमीनों की बेतहाशा खरीद-फरोख्त नगरीय क्षेत्रों और उनके आसपास ही हुई है। इसीलिये भूमि कानून में धारा-2 रखी गयी थी। उस धारा के अनुसार कृषि भूमि की खरीद पर अंकुश वाला प्रावधान नगर निकाय क्षेत्रों पर लागू नहीं होता है। जबकि पहले अध्यादेश वर्ष 2003 संख्या 6 में समस्त उत्तरांचल पर यह बंदिश लागू करने का प्रावधान रखा गया था। इस धारा का लाभ भूमि सौदागरों को पहुंचाने के लिये सन् 2017 में ही प्रदेश के 13 में से 12 जिलों के 385 गांवों को 45 नगर निकायों में शामिल कर 50,104 हेक्टेयर जमीन को खरीद-फरोख्त की बंदिशों से मुक्त कर दिया गया था। उत्तराखंड अकेला हिमालयी राज्य है, जहां जमीनों का धंधा सर्वाधिक फल फूल रहा है। यहां की व्यावसायिक और आवासीय महत्व की सभी जमीनें भूमिखोरों के चंगुल में चली गयी हैं। यहां तक कि राजनीतिक लोग भी इस धंधे में प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से शामिल हैं। वास्तव में अगर सरकार एक सशक्त भूमि कानून बना रही है तो उसे देर से आया हुआ दुरुस्त फैसला माना जा सकता है, बशर्ते कि जनभावनाओं के अनुकूल और व्यावहारिक कानून बना दे। अगर सरकार उत्तराखंड में उपान्तरित और अनुकूलित जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम-1950 में 2017 के बाद के सभी संशोधन समाप्त कर देती है तो भी पूरा मकसद हल नहीं होता। इसके साथ ही सरकार को अधिनियम की धारा दो पर भी पुनर्विचार करना चाहिए। उत्तराखंड में बहुत तेजी से नगरीकरण हो रहा है और उसी तेजी से सरकारें नगर निकायों का विस्तार और उनकी संख्या बढ़ाती रही हैं। राज्य को उत्तर प्रदेश से विभिन्न भूमि संबंधी कानून विरासत में मिले हैं। इन सभी कानूनों को मिलाकर एक एकीकृत भूमि संहिता बनाई जा सकती है। सरकार का कार्य भूमि प्रबंधन के साथ-साथ भूमि सुधार भी है। इसके लिए भूस्वामित्व के रिकॉर्ड के साथ भूमि के प्रकार की इन्वेंटरी बनाना आवश्यक है। गांवों में जमीनों की अदला-बदली के कारण भूमि रिकॉर्ड अपडेट नहीं हैं। राजस्व अधिनियम 1901 के अध्याय 5 से 8 लोप हो जाने के कारण सरकार के पास जमीनों का बंदोबस्त करने का कोई कानूनी आधार नहीं है।

आप का नजरिया

अबकी बार बिजली महादेव

हमें कसोल मंजूर है, क्योंकि वहां की कमाई मशहूर है, लेकिन बिजली महादेव की ओर बढ़ता, रज्जु मार्ग मंजूर नहीं। हम देव संस्कृति की आड़ में सियासत को खेल सकते हैं, लेकिन चिट्टे की औकात में एक शब्द नहीं बोल सकते। जिस कुल्लू घाटी का मौसम बदल गया और जहां दरिया रास्ता भूल गया, वहां देवता को गुस्सा आता है। पहले आया, तो स्की विलेज जैसी परियोजना के तंबू उखड़ गए और अब इसी विरोध की शरण में पुनः देवता आगे किए जा रहे हैं। हैरानी यह कि सांसद कंगना रणौत ने रज्जु मार्ग रोकने के लिए अपना दायित्व जोड़ दिया है। यानी केंद्र जिस आधार पर हिमालयी राज्यों को रज्जु मार्गों की पर्वत माला बना कर देना चाहता है, वहां उसकी ही एक सांसद विरोध की विभूति लगाकर, सारी परियोजना को चौपट करने का प्रण ले रही है। काश ऐसी भस्म रेत माफिया, भू माफिया, ड्रग एवं नशा माफिया तथा पानी की तरह बहती शराब पर भी गिर जाती, लेकिन मुद्दे वहीं सुर्ख होते हैं, जिनकी आबरू में चंद स्वार्थ सफर करते हैं। बेशक हर धार्मिक स्थल की अपनी पवित्रता-अपने नियम हैं, लेकिन व्यापार तो अब हर जगह होने लगा। देव संस्कृति के नाम पर अगर अभिशप्त होते किस्सों पर गौर फरमाएं, तो कहीं इस आचरण की शुद्धि में धार्मिक व सामाजिक वकालत चाहिए। है बहुत कुछ इस निजाम में निरंकुश, हमने तो सिर्फ चंद अल्फाज कहे। जरूरी नहीं धार्मिक प्रतिष्ठा के नाम पर एकाधिकार पैदा किया जाए। आखिर रज्जु मार्ग का विरोधी पक्ष क्यों स्की विलेज रोकने वालों का ही टोला बनता नजर आ रहा है, लेकिन कब कुल्लू घाटी की भौतिकवाद के खिलाफ ऐसा ही प्रयास हुआ। तीन दशक पूर्व की कुल्लू घाटी ऐसे भी बदली कि पुलिस की तफ्तीश बढ़ गई। कुल्लू घाटी के मंदिर दूर हो गए, लेकिन पर्यटन की मंजिल आगे बढ़ गई। नहीं उग रहे पेड़ और अचानक कट गए देवदार, लेकिन हिमाचल में सबसे बड़ी होड़ में पर्यटन उद्योग ने घाटियों की जगह होटलों का साम्राज्य बना दिया। कितना बौना है आज का परिदृश्य जहां जाम तो टकरा सकते हैं, लेकिन रज्जु मार्ग जैसी परियोजना को उसका अंजाम बताया जा रहा है। सवाल परंपराओं और मर्यादा का होता, तो हर बाढ़ और प्राकृतिक त्रासदी के बाद घाटी के मजमून बदल जाते। वैज्ञानिक तौर पर भी कुल्लू जैसी भौगोलिक परिस्थितियों में पहाड़ को काटती सडक़ों के बजाय रज्जु मार्गों का अभिप्राय बढ़ाया जाना चाहिए। वैज्ञानिक सोच पर अगर यूं ही परंपराओं के हवाले से विरोध खड़े होते रहे, तो हमारी नस्लों की चुनौतियां दफन हो जाएंगी। विरोध के पर्यावरणीय या सांस्कृतिक तर्क जरूर संबोधित होने चाहिएं, लेकिन विकास के दरवाजे बंद करके, भविष्य को रौंदा नहीं जा सकता। बेशक कंगना अब विरोध का वजन ढो रही हैं, लेकिन उन्हें अपनी विधा में विरोध क्यों पसंद नहीं। उन्हें किसानों का विरोध खेत पर ईमानदार नहीं लगता, लेकिन रज्जु मार्ग से आती क्रांति पर त्वरित मतभेद दिखाई देता है। हो सकता है रज्जु मार्ग का विरोध कंगना की बदौलत, इस परियोजना की इतिश्री कर दे, लेकिन अवसर खोने के बदले जो मिलेगा, उसे भी बता दिया जाए।

नेपाल में बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 225 तक पहुंचा, तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की

काठमांडू, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल में भीषण बाढ़ और भूस्खलन से जानमाल की क्षति का आंकड़ा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन दिनों में इस आपदा से जान गंवाने वालों की संख्या 225 तक पहुंच गई है। जैसे-जैसे बाढ़ प्रभावित जिलों में संपर्क स्थापित किया जा रहा है, लापता और मृतकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। गृह मंत्रालय के मुताबिक सैकड़ों अभी भी लापता बताए जा रहे हैं।

इसी बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के अमेरिका से वापस होते ही कैबिनेट की बैठक में बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुए नुकसान की स्थिति का जायजा लिया गया। सोमवार देर शाम हुई कैबिनेट बैठक में देश में तीन दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने बताया कि मंगलवार से तीन दिनों के लिए राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय शोक के बावजूद सार्वजनिक अवकाश नहीं दिया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में मृतक परिवारों को आर्थिक सहायता देने का निर्णय भी किया गया है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रति मृतक परिवार को संघीय सरकार के तरफ से 2 -2 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की गई है। घायल हुए लोगों के उपचार का पूरा खर्च सरकार की तरफ से किए जाने की घोषणा भी की गई है। नेपाल सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष में सहायता करने की अपील की है। कैबिनेट की बैठक में इस कोष में 1000 करोड़ रुपए देने का निर्णय किया गया है। सरकार ने देश-विदेश के दानदाताओं से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा कोष में सहयोग करने की अपील की है। इस कोष में नेपाल सरकार के सभी मंत्रियों के एक महीने का वेतन देने का भी निर्णय किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

एआई ने बताया ब्रह्मांड एक सिमुलेशन है

लंदन। साइंस फिक्शन फिल्म द मैट्रिक्स में इंसान को मशीनों द्वारा बनाए गए एक आभासी संसार में रहने का चित्रण किया गया है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के द्वारा नियंत्रित एक सिमुलेशन उसके अनुभवों का आधार बनाता है। अब, एक नए अध्ययन में, पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के भौतिकी प्रोफेसर मेल्विन वोपसन ने दावा किया है कि हमारा ब्रह्मांड भी एक ऐसा ही कंप्यूटर सिमुलेशन हो सकता है, और इस अवधारणा का प्रमाण बाइबल में छिपा हो सकता है। वोपसन ने अपनी विचारधारा को प्रस्तुत करते हुए कहा, बाइबल हमें स्पष्ट रूप से बताती है कि हम एक सिमुलेशन में हैं और यह हमें यह भी बताती है कि इसे कौन संचालित कर रहा है। उनका यह दावा न्यू टेस्टामेंट की जोस्पेल ऑफ जॉन से प्रेरित है, जिसमें कहा गया है, शुरुआत में शब्द था, और शब्द ईश्वर के साथ था, और शब्द ईश्वर था।इस कथन का विश्लेषण करते हुए वोपसन ने बताया कि शब्द वास्तव में एक अंतर्निहित कंप्यूटर कोड हो सकता है जो हमारे अस्तित्व और अनुभवों को नियंत्रित करता है। उन्होंने कहा कि जैसे द मैट्रिक्स में अक्षर और संख्याएं कंप्यूटर सिमुलेशन के नियमों को निर्धारित करती हैं, वैसे ही ईश्वर का शब्द भी इस सिमुलेशन का एक हिस्सा हो सकता है। इसका अर्थ यह है कि ईश्वर न केवल इस सिमुलेशन का निर्माता है, बल्कि इसका सक्रिय नियंत्रक भी है।

एक दर्जन शेरों ने मिलकर किया तेंदुए का शिकार

कैप्टाउन। कहते हैं बिल्ली शेर की मौसी है, ऐसा इसलिए क्योंकि शेर पेड़ पर चढ़ने में महारत हासिल नहीं रखता, जबकि बिल्ली फटाफट चढ़ जाती है और शिकार भी कर लेती है। ऐसे में जंगल के सबसे खतरनाक जानवरों में इन्हीं बिल्लियों की प्रजाति माने जाने वाले शेर, बाघ, चीता और तेंदुआ जैसे जीवों को शामिल किया जाता हैं। ये शिकारी इतने खतरनाक होते हैं कि अपने से बड़े जानवरों को भी आसानी से अपना शिकार बना लेते हैं। हाल ही में, साउथ अफ्रीका के मालामाला गेम रिजर्व में 12 शेरों के एक झुंड ने एक तेंदुए को फांस लिया और फिर शुरु हुआ संघर्ष। इस लड़ाई का एक वीडियो सामने आया है, जो यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक दर्जन शेर और तेंदुए की लड़ाई वाले इस वीडियो में देखा जा सकता है कि 12 शेरों के बीच घिरे तेंदुए ने बहादुरी से अइजराइलीतक लड़ाई लड़ी। मालामाला गेम रिजर्व के एक रेंजर द्वारा कैद किए गए इस वीडियो में शेरों का झुंड शिकार की तलाश में बैठा दिख रहा है। तभी उनकी नजर तेंदुए पर पड़ती है, जिसे उन्होंने घेर लिया। शेरों के आक्रमण के बावजूद, तेंदुआ हार मानने के बजाय अपने पंजों से पलटवार करता रहा। हालांकि, शेरों के हमले के आगे तेंदुआ धीरे-धीरे कमजोर पड़ता गया और अंत में उसकी मौत हो गई। दिलचस्प बात यह है कि शेरों ने तेंदुए को मारा, लेकिन उसे खाया नहीं।

मछली खाकर तीन महीने में घटाया 15 किलो वजन

न्यूयॉर्क। फ्लोरिडा की एक महिला ने दावा किया है कि उसने तीन महीने तक मछलियां खाकर अपना 15 किलो

वजन कम कर लिया। 62 वर्षीय महिला जेन क्रुमेट ने वजन घटाने का यह अनोखा तरीका अपनाया। जेन का वजन पहले 240 पाउंड था, और वह चलने-फिरने में कठिनाई महसूस कर रही थीं। डॉक्टरों से सलाह लेने के बाद, जेन ने विभिन्न खाद्य पदार्थों से परहेज करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। जेन ने बताया, मेरे पैरों में तेज दर्द होता था और मैं हर समय भूखी रहती थी। मैंने हार मान ली थी। फिर उनकी मुलाकात डॉक्टर एनेट बोसवर्थ से हुई, जिन्होंने उन्हें एक विशेष आहार का सुझाव दिया। डॉ. बोसवर्थ ने जेन को फिश फास्ट नामक एक योजना के तहत तीन महीने तक सिर्फ सार्डिन मछली खाने की सलाह दी। डॉक्टर ने कहा कि सार्डिन पचाने में तेज होती है और शरीर की वसा को जलाकर ऊर्जा में बदल देती है। जेन ने कहा, पहले मुझे यह अजीब लगा, लेकिन जब उन्होंने इसके फायदों के बारे में बताया, तो मैं हैरान रह गई। जेन की इस यात्रा ने उनके डॉक्टरों को भी चकित कर दिया। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि वजन घटाने के लिए कोई भी आहार संतुलित होना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी खाद्य पदार्थ को अत्यधिक मात्रा में खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। जेन के अनुभव से यह स्पष्ट होता है कि एक उचित मार्गदर्शन के साथ, व्यक्ति अपने स्वास्थ्य में सुधार कर सकता है।

लेबनान में घुसी इजराइली सेना, हिज्बुल्लाह के खिलाफ जमीनी कार्रवाई शुरू, सुरंगों की तलाशी

तेल अवीव, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह के खात्मे और लगातार हवाई हमलों के बाद इजरायली सेना ने लेबनान में घुस कर जमीनी हमले शुरू कर दिए हैं। मंगलवार को इजरायली सेना की तरफ से कहा गया है कि उसके सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के ठिकानों और बुनियादी ढांचों के खिलाफ सीमित और लक्षित जमीनी हमला शुरू किया है। वह सीमा से सटी हिज्बुल्लाह की सुरंगों में घुसकर तलाशी ले रही है। इजरायली सेना के रडार पर इजरायल को लेबनान से अलग करने वाली ब्लू लाइन के पास हिज्बुल्लाह की सुरंगे हैं।

इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया एक्स पर साझा पोस्ट में बताया है कि उसने दक्षिणी लेबनान में हिज्बुल्लाह के आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमित और टारगेटेड ग्राउंड ऑपरेशन शुरू किए हैं। लेबनान की सीमा से सटे गांवों को निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि यहां हिज्बुल्लाह के कई ठिकाने हैं जो खतरा बने हुए हैं। इजरायली वायुसेना इस ग्राउंड ऑपरेशन में मदद कर रही है।

इजराइल के हमलों में पिछले 10 दिनों में नसरल्लाह और उसके छह शीर्ष कमांडर व सहयोगी मारे गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले दो हफ्तों में देश में 1000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इजराइली सेना के अनुसार, उन्होंने लेबनान के बड़े हिस्सों में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया है।

हालिया दिनों में हिज्बुल्लाह को भारी नुकसान हुआ है लेकिन उसके कार्यकारी नेतृत्वकर्ता नईम कासेम ने बयान जारी कर कहा कि यदि इजराइल जमीनी हमला शुरू करने का फैसला करता है तो हिज्बुल्लाह के लड़ाके तैयार हैं। नईम ने दावा किया है कि मारे गए कमांडरों की जगह पहले ही ले ली गई है। नईम लंबे समय तक नसरल्लाह का डिप्टी रहा है और उसके मारे जाने के बाद तात्कालिक तौर पर संगठन संभाल रहा है।

हमास कमांडर की मौत के बाद यूएन एजेंसी पर लग रहे गंभीर आरोप

बेरुत। इजरायल ने जनवरी में आरोप लगाया था कि यूएनआरडब्ल्यूए के 12 कर्मचारी हमास के 7 अक्टूबर वाले हमले में भी शामिल थे। इसके बाद से ही यूएन एजेंसी की जांच करवा रहा है। बता दें कि इजरायल पर हुए हमास के हमले में कम से कम 1200 लोग मारे गए थे और 250 को बंदी बना लिया गया था। आरोपों के बाद यूएनआरडब्लूए को दान देने वाली दर्जनों देशों ने अपने कदम पीछे खींच लिए थे। बाद में अमेरिका को छोड़कर अन्य देशों ने फंडिंग फिर से शुरू कर दी।फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए यूएन की एजेंसी ने दावा किया है कि लेबनान में इजरायली हमले में मारा गया हमास का कमांडर यूएन के लिए भी काम करता था। वहीं आतंकी संगठन से संबंध होने की बात पता चलने के बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया था। फतह शरीफ के कनेक्शन के बारे में पता चलने के बाद यूएनआरडब्ल्यूए पर और ज्यादा दबाव पड़ने लगा है। इस साल पहले से ही यूएनआरडब्लूए 80 मिलियन डॉलर के नुकसान में है। आलोचकों का कहना है कि क्या किसी हमास के आतंकी को उसके रैंक से हटा देना ही काफी था।सोमवार को इजरायली हवाई हमले में बेरूत के अल बास में हमास के कमांडर शरीफ की मौत हो गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उसकी पत्नी और बेटा-बेटी भी इस हमले में मारे गए। वह फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में रह रहा था। बताया गया कि पहली बार इजरायल ने फिलिस्तीनी शरणार्थियों के शिविर को निशाना बनाया है। शरीफ ने खुद से कभी हमास से जुड़े होने की बात स्वीकार नहीं की थी। हालांकि उसके मारे जाने के बाद हमास ने खुद बयान जारी कर कहा कि उसका एक कमांडर इजरायल के हवाई हमले में मारा गया है।

वेस्ट बैंक और गाजा.... ग्रेटर इजराइल बनाने में जुटे नेतन्याहू

बेरूत, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान दो नक्शे दिखाकर वैश्विक स्तर पर विवाद खड़ा कर दिया। इसमें से एक नक्शा 1948 की स्थिति को दिखाता है, इसमें इजरायल को मध्य पूर्व में अकेला दिखाया गया है, जबकि दूसरा नक्शा 2023 की वर्तमान स्थिति को दिखाता है, जिसमें इजरायल के साथ सात अन्य देशों को एक साथ दिखाया गया है, जिसमें सऊदी अरब भी शामिल है। भाषण के बाद कई आलोचकों ने नेतन्याहू पर आरोप लगाया है कि उन्होंने नक्शे में फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक और गाजा को इजरायल का हिस्सा दिखाकर पूरी दुनिया को गुमराह किया है। जर्मनी में फिलिस्तीनी अथॉरिटी के प्रतिनिधि लैथ अराफे ने कहा कि नेतन्याहू ने इस नक्शे के द्वारा फिलिस्तीन और उसके लोगों को नकार दिया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांतों का अपमान करार दिया। इस मामले में अन्य कई नेताओं ने भी नेतन्याहू के नक्शे को भ्रामक बताकर आलोचना की है। ग्रेटर इजरायल की अवधारणा, इस जायनिज्म के पिता थियोडोर हर्जल द्वारा विकसित किया गया था, के अनुसार यह क्षेत्र मिस्त्र से फरात नदी तक फैला होगा। इसमें पूरा फिलिस्तीन, दक्षिणी लेबनान, सीरिया के गोलान हाइट्स, जॉर्डन और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। योजना का सीधा मतलब है कि इजरायल के क्षेत्र में फिलिस्तीनी क्षेत्रों को पूरी तरह से अपने अधीन करना। विश्लेषकों का मानना है कि नेतन्याहू इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए गाजा और लेबनान में सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में हिजबुल्लाह के प्रमुख नसरल्लाह की हत्या का आदेश दिया, जिसके बाद इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इस स्थिति ने वैश्विक राजनीति में तनाव को बढ़ाया है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस तरह के प्रयासों पर प्रतिक्रिया देने के लिए तत्पर रहेगा। नेतन्याहू के इन कदमों के पीछे उनकी सरकार का उद्देश्य न केवल हिजबुल्लाह और हमास को कमजोर करना है, बल्कि पूरे क्षेत्र में इजरायल का प्रभाव बढ़ाना भी है।

सुपर टाइफून की आहटः जापान और फिलीपींस हाईअलर्ट पर

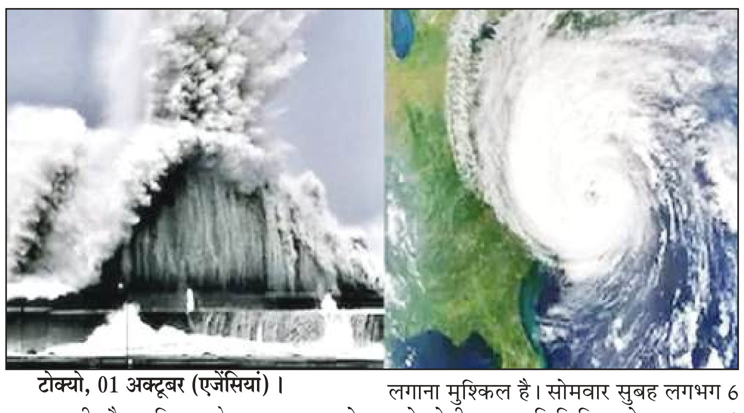

टोक्यो, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापानी मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में दो सुपर टाइफून का आगमन होने वाला है। इनमें से एक, क्रैथॉन, की गति 215 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक होने की संभावना है। लेकिन सबसे अधिक चिंता का विषय जेबी तूफान है, जिसने 100 साल पहले जापान में 195 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तबाही मचाई थी, जब लाखों घर उड़ा दिए गए थे। जापान, फिलीपींस और अन्य देशों ने इस तूफान को लेकर हाईअलर्ट घोषित किया है। जापान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इन तूफानों से होने वाली तबाही का अनुमान लगाना मुश्किल है। सोमवार सुबह लगभग 6 बजे, जेबी टाइफून चिचिजिमा से लगभग 220 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। जबकि इसकी रफ्तार फिलहाल कम है, लेकिन यह मिनटों में अपनी गति बढ़ा सकता है। जेबी टाइफून को सबसे घातक तूफानों में चौथे स्थान पर रखा जाता है। पिछले 100 वर्षों में जापान में आए छह सबसे बड़े तूफानों में इसका नाम शामिल है, जिन्हें बिग-6 कहा जाता है। नेशनल सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, जेबी टाइफून अपनी स्पीड को जिस तरह से बदलता है, वैसा अन्य कोई तूफान नहीं करता।

थाईलैंड में तूफान के बाद 125 पालतू मगरमच्छों की करना पड़ी हत्या

बैंकॉक, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रोकोडाइल एक्स के नाम पहचान बना चुके लाम्फुन में रहने वाले नट्टापक खुमकड़ अपने पाले हुए 125 मगरमच्छों को करंट लगाकर मार दिया। इसके पीछे का कारण ये हैं कि यहां तूफान आया था जिसके कारण उनके फार्म की दीवारे कमजोर हो गई थी। दीवार गिरने वाली थी। दीवार टूटने से मगरमच्छ आसपास के क्षेत्रों में फैल सकते थे, जिससे आम लोगों की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। नट्टापक ने फार्म को सुरक्षित करने की बहुत कोशिश की, लेकिन कोई वैकल्पिक स्थान नहीं मिलने के कारण उन्हें इस कठिन कदम पर जाना पड़ा। नट्टापक का कहना था, मेरे परिवार और मैंने इस पर चर्चा की और महसूस किया कि अगर दीवार गिर जाती, तो हम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते थे। उनकी जान बचाने के लिए हमें मगरमच्छों को मारना पड़ा। यह उनके लिए जीवन का सबसे कठिन फैसला था, क्योंकि वह पिछले 17 साल से इन मगरमच्छों का पालन-पोषण कर रहे थे।

इस वर्ष का सबसे शक्तिशाली तूफान टाइफून यागी ने थाईलैंड और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई। थाईलैंड के उत्तरी क्षेत्रों में बाढ़ और भारी बारिश ने हजारों घरों को प्रभावित किया और कम से कम नौ लोगों की जान ले ली। नट्टापक के पास अब भी 500 छोटे मगरमच्छ हैं, जो एक से चार फीट लंबे हैं। थाईलैंड में मगरमच्छ पालन एक लाभदायक व्यवसाय है, और देश में लगभग 1,100 रजिस्टर्ड मगरमच्छ फार्म हैं, जो हर साल 1,700 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार करते हैं। हालांकि, साइमीज मगरमच्छ लुप्तप्राय प्रजाति है, और इनके संरक्षण की आवश्यकता है।

जापान में 27 अक्टूबर को आम चुनाव कराने की योजना

टोक्यो, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जापान के भावी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने घोषणा की कि वह 27 अक्टूबर को आम चुनाव कराने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि संसद का निचला सदन 9 अक्टूबर को भंग कर दिया जाएगा। पूर्व रक्षा मंत्री इशिबा ने कहा कि जनता का जनादेश प्राप्त करने का महत्व बेहद आवश्यक है।

संसद का निचला सदन 9 अक्टूबर को भंग कर दिया जाएगा

एक समाचार एजेंसी के अनुसार इशिबा ने शुक्रवार को आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को हराकर देश की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का नेतृत्व चुनाव जीता। एलडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने जापान में संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लिया है, इसलिए नए पार्टी प्रमुख के रूप में इशिबा का मंगलवार को प्रधानमंत्री चुना जाना तय है। वह फूमियो किशिदा की जगह लेंगे। इशिबा ने अपनी जीत के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एलडीपी के भीतर विश्वास और एकता के पुनर्निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह एलडीपी को एक ऐसी पार्टी बनाना चाहते हैं जो विनम्र, निष्पक्ष और पारदर्शी हो। यह एलडीपी नेतृत्व के लिए इशिबा की पांचवीं दावेदारी थी, और पिछले कुछ वर्षों में उनकी पहचान रक्षा और कृषि के गहरे ज्ञान रखने वाले अनुभवी नीति विशेषज्ञ के रूप में बनी है। हालांकि, इशिबा के सामने कुछ बड़ी चुनौतियां भी हैं। इनमें एलडीपी में जनता का भरोसा बहाल करना शामिल है, जो स्लश फंड घोटाले के कारण प्रभावित हुआ है। इसके अलावा, चीन, उत्तर कोरिया और रूस से बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी उनके नेतृत्व का परीक्षण होगा। इसी बीच मुख्य विपक्षी दल कांस्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (सीडीपीजे) ने भी नए नेता के रूप में पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिको नोडा को चुना है। सीडीपीजे संभावित आम चुनाव में अधिक सीटें हासिल करने की कोशिश कर रही है, जिससे वह लंबे समय से प्रभावी एलडीपी को चुनौती दे सके। जापान में नए प्रधानमंत्री अक्सर निचले सदन को जल्दी भंग करने के लिए चुनाव की घोषणा करते हैं, ताकि वे उच्च अनुमोदन रेटिंग का लाभ उठाकर जनता से जनादेश प्राप्त कर सकें और अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ा सकें।

हैदराबाद एफसी के खिलाफ जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए खेलेगी चेन्नइयन एफसी

हैदराबाद, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हैदराबाद एफसी और चेन्नइयन एफसी के बीच गाचीबोवली स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के मैचवीक 4 की शुरुआत होगी।

हैदराबाद एफसी ने अपने पिछले मैच पंजाब एफसी के खिलाफ 0-2 से हारने से पहले जुझारूपन दिखाया था, जबकि चेन्नइयन एफसी पिछले गुरुवार को मोहम्मडन एससी से 0-1 से हार गई थी।

चेन्नइयन एफसी के खिलाफ हैदराबाद एफसी रक्षात्मक रूप से सुदृढ़ रही है। उसने चेन्नइयन एफसी के खिलाफ अपने पिछले आठ आईएसएल मैचों में से प्रत्येक में एक या उससे कम गोल खाए हैं। इस दौरान उसने चार मैच जीते हैं और केवल दो बार हारे हैं।

चेन्नइयन एफसी ने अपने पिछले चार अवे मैचों में से प्रत्येक में गोल किया है। इससे पता चलता है कि वे हैदराबाद एफसी की बैकलाइन की परीक्षा लेंगे।

हैदराबाद एफसी के हेड कोच थांगबोई सिंग्टो पिछले सीजन से प्रेरणा ले रहे हैं, जब उनकी टीम ने चेन्नइयन एफसी को हराया था।

सिंग्टो ने प्री मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, ट्रेनिंग के पिछले कुछ हफ्तों में लड़के एक-दूसरे के साथ घुलमिल गए हैं। हमने अब तक केवल अवे मैच खेले हैं और हमारा अगला मुकाबला घर पर होगा। चेन्नइयन एफसी एकमात्र टीम थी जिसे हमने पिछले सीजन में हराया था। क्या हम उसे फिर से हराएंगे मैं यही चाहता हूं।

चेन्नइयन एफसी के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल के अनुसार टीम ने इस बार पिछले सीजन से बेहतर शुरुआत की है, लेकिन अभी भी सुधार की काफी गुंजाइश है।

कॉयल ने कहा, मैं निश्चित रूप से छह अंकों के साथ तालिका में आगे बढ़ना पसंद करूंगा। हमारे पास तीन हैं, जो पिछले साल की तुलना में बेहतर है लेकिन हम छह अंकों तक पहुंच सकते थे।

हैदराबाद एफसी और चेन्नइयन एफसी के बीच आईएसएल में 10 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से दोनों ने चार-चार जीत हासिल की हैं। दो मैच ड्रा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

ब्राजीलियाई सीरी ए क्लब फ्लेमेंगो ने मुख्य कोच टिटे से नाता तोड़ा

रियो डी जनेरियो। ब्राजील के पूर्व मुख्य कोच टिटे को ब्राजीलियाई सीरी ए क्लब फ्लेमेंगो ने सोमवार को बर्खास्त कर दिया। क्लब ने एक बयान में कहा कि 63 वर्षीय खिलाड़ी की जगह साल के अंत तक पूर्व एटलेटिको मैड्रिड, चेल्सी और फ्लेमेंगो के डिफेंडर फिलिप लुइस लेंगे। यह घोषणा ब्राज़ील की सीरी ए चैंपियनशिप में फ्लेमेंगो की एथलेटिको पैरानेंस पर 1-0 की घरेलू जीत के एक दिन से भी कम समय बाद आई। पिछले गुरुवार को, फ्लेमेंगो को कोपा लिबर्टाडोरेस - दक्षिण अमेरिका की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता - से क्वार्टर फाइनल चरण में उरुग्वे के पेनारोल द्वारा बाहर कर दिया गया था। फ्लेमेंगो वर्तमान में 20-टीम ब्राज़ीलियाई सीरी ए स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, और सीज़न में 10 गेम शेष रहते हुए शीर्ष पर चल रहे बोटाफ़ोगो से नौ अंक पीछे है। टिटे, जो 2016 से 2022 तक ब्राजील के मैनेजर थे, ने पिछले साल अक्टूबर में अपनी नियुक्ति के बाद फ्लेमेंगो को 41 जीत, 13 ड्रॉ और 16 हार दिलाई।

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024: बांग्लादेश और श्रीलंका ने दर्ज की जीत

दुबई। बांग्लादेश और श्रीलंका ने क्रमशः पाकिस्तान और स्कॉटलैंड पर जीत के साथ आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी तैयारी पूरी की। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 23 रन से हराया पाकिस्तान के खिलाफ अभ्यास मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शोर्ना अख्तर के नाबाद 28 और शांति रानी के 23 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 140 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से सादिया इकबाल ने 2 विकेट लिए। जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 18.4 ओवर में 117 रनों पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए ओमैमा सोहेल ने सर्वाधिक 33 और फातिमा सना ने 17 रन बनाए।बांग्लादेश के लिए मारूफा अख्तर और शोर्ना अख्तर ने 2-2 विकेट लिए।श्रीलंका ने स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हराया एक अन्य मैच में श्रीलंका ने गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत स्कॉटलैंड को 5 विकेट से हरा दिया। श्रीलंका के पहले गेंदबाजी करता हुए 19 ओवर में स्कॉटलैंड को केवल 58 रन पर समेट दिया। हालांकि 59 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत भी खराब रही, लेकिन कविशा दिलहारी के 27 रन की बदौलत लंकन टीम ने 15.3 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। 3 अक्टूबर को प्रतियोगिता शुरू होने से पहले तीन और अभ्यास मैच खेले जाएंगे।

अंडर -19 टेस्ट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। चेन्नई में भारत और ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीमों के बीच चल रहे युवा टेस्ट मैच में, वैभव सूर्यवंशी ने मंगलवार को भारत के लिए अंडर -19 टेस्ट में सबसे तेज शतक दर्ज किया। भारत के लिए पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए, 13 वर्षीय खिलाड़ी ने केवल 58 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उनकी पारी में 14 चौके और चार छक्के शामिल थे। वह 104 रन रन बनाकर रन आउट हुए। कुल मिलाकर, यह अंडर -19 टेस्ट में दूसरा सबसे तेज़ शतक है, इंग्लैंड के मोइन अली अभी भी रिकॉर्ड धारक हैं। मोईन ने यह रिकॉर्ड 2005 में बनाया था, जब उन्होंने 56 गेंदों पर शतक जड़ा था। वैभव पिछले साल तब सुर्खियों में आए थे जब वह 12 साल की उम्र में बिहार के लिए खेलते हुए रणजी ट्रॉफी के इतिहास में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए थे और उन्होंने सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। उन्होंने अब तक दो प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

कानपुर टेस्ट

भारत ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया दो मैचों की श्रृंखला में किया क्लीन स्विप

कानपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने यहां ग्रीन पार्क में खेले जा दूसरे टेस्ट मैच में लगभग ढाई दिन बारिश के कारण रद्द होने के बावजूद बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 2-0 अपने नाम किया।

इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम ने बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर समेट दी और उसके बाद तेजी से खेलते हुए अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 285 रन बनाकर घोषित की और पहली पारी के आधार पर 52 रनों की बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम 146 रन पर सिमट गई थी, जिसके बाद भारत को केवल 95 रनों का लक्ष्य मिला।

95 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 17.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 98 रन बनाकर मैच जीत लिया। दूसरी पारी में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए 51 रन बनाए। यशस्वी के अलावा विराट कोहली ने 29 रनों की नाबाद पारी खेली। कोहली के साथ ऋषभ पंत भी 4 रन बनाकर नाबाद लौटे। कप्तान रोहित शर्मा ने 8 और शुंभमन गिल ने 6 रन बनाए।

बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने 2 और तइजुल इस्लाम ने 1 विकेट लिया।

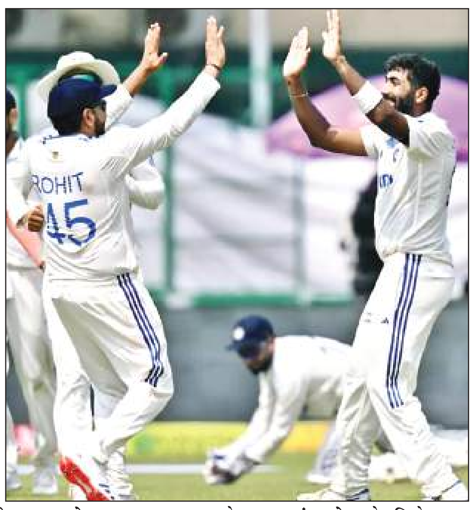

दूसरी पारी में बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने टेके घुटने

बांग्लादेश की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने जाकिर हसन को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। जाकिर ने 10 रन बनाए। अश्विन ने बांग्लादेश का दूसरा विकेट भी झटका। उन्होंने हसन महमूद बोल्ड कर पवेलियन भेजा। हसन ने चार रन बनाए।

बांग्लादेश का तीसरा विकेट पहली पारी के शतकवीर मोमिनुल हक के रूप में गिरा। हक को अश्विन ने 36 रनों के कुल योग पर पवेलियन भेजा। हक ने 2 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे और पूरी टीम 146 रनों पर सिमट गई।

दूसरी पारी में बांग्लादेश के लिए केवल शादमान इस्लाम और मुश्फिकुर रहीम ही कुछ टिक कर खेल सके। शादमान ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए 50 रन बनाए, जबकि मुश्फिकुर ने 37 रन बनाए।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने 3-3 व आकाशदीप ने 1 विकेट लिया।

भारत ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 285 रन बनाकर की घोषित

इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में ताबड़तोड़ शुरुआत की। कप्तान रोहित शर्मा ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर शुरुआती तीन ओवर में ही 50 रन का आकड़ा पार कर लिया।

चौथे ओवर में 55 के स्कोर पर भारतीय टीम का पहला विकेट गिरा। कप्तान रोहित 11 गेंद में एक चौका और तीन छक्कों की मदद से 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद यशस्वी जायसवाल ने भी तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया। यशस्वी 51 गेंदों पर ताबड़तोड़ 72 रनों की पारी खेलकर आउट हुए।

चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आए। उन्होंने शुभमन गिल के साथ पारी को आगे बढ़ाया। भारतीय टीम को 141 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा। शुभमन 36 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 159 के स्कोर पर चौथा विकेट गिरा। ऋषभ कोई कमाल नहीं कर सके और नौ रन बना कर आउट हुए।

यहां से विराट कोहली और केएल राहुल ने अर्धशतकीय साझेदारी कर पारी को तेजी से आगे बढ़ाया। भारत का 246 के स्कोर पर पांचवां विकेट विराट कोहली के रूप में गिरा। कोहली 35 गेंद में 47 रन बनाकर आउट हुए।

कोहली के बाद भारतीय टीम ने कुछ और ओवर बल्लेबाजी की और 9 विकेट पर 285 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। केएल राहुल ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंद में सात चौके और दो छक्के की मदद से 68 रन और आकाश दीप ने 5 गेंदों पर 12 रन बनाए।

बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज और शाकिब अल हसन ने चार-चार विकेट लिये, जबकि हसन महमूद को एक विकेट मिला।

बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर सिमटी

इससे पहले बांग्लादेश की पहली पारी 233 रन पर सिमट गई थी। मोमिनुल हक ने नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए 107 रन बनाए। मोमिनुल के अलावा शादमान इस्लाम ने 24, कप्तान नजमुल हसन शांतों ने 31 और मेहदी हसन मिराज ने 20 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 3, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने 2-2 व रवींद्र जडेजा ने 1 विकेट लिया।

दिग्गज बास्केटबॉल खिलाड़ी डिकेम्बे मुटोम्बो का 58 वर्ष की आयु में निधन

किशांसा, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एनबीए के वैश्विक राजदूत और नाइस्मिथ बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर डिकेम्बे मुटोम्बो, जिनका जन्म डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में हुआ था, का सोमवार को 58 साल की उम्र में मस्तिष्क कैंसर से निधन हो गया। एनबीए ने सोमवार को उक्त घोषणा की।

एनबीए कमिश्नर एडम सिल्वर ने एक बयान में कहा, डिकेम्बे मुटोम्बो जीवन से भी बड़े थे। कोर्ट पर, वह एनबीए में सबसे महान शॉट अवरोधक और रक्षात्मक खिलाड़ियों में से एक थे। मैदान से बाहर, उन्होंने दूसरों की मदद करने में अपना दिल और आत्मा लगा दी।

मुटोम्बो को बास्केटबॉल के सबसे सम्मानित रक्षात्मक खिलाड़ियों और रिबाउंडर्स में से एक माना जाता है। उन्हें चार बार एनबीए का वर्ष का रक्षात्मक खिलाड़ी नामित किया गया, यह रिकॉर्ड उन्होंने बेन वालेस के साथ साझा किया है।

मुटोम्बो 3,298 ब्लॉक और 12,359 रिबाउंड जमा करने और आठ ऑल-स्टार प्रदर्शन करने के बाद 2009 में सेवानिवृत्त हो गए। उस वर्ष बाद में, उन्हें तत्कालीन आयुक्त डेविड स्टर्न द्वारा एनबीए के लिए वैश्विक राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया था। 2015 में, मुटोम्बो को नाइस्मिथ मेमोरियल बास्केटबॉल हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया था।

ह्यूस्टन रॉकेट्स के पूर्व स्टार को दुनिया भर में उनके मानवीय कार्यों के लिए खेल से परे भी बहुत सम्मान दिया गया था।

मुटोम्बो ने धर्मार्थ कार्यों में लाखों डॉलर का निवेश किया है, जिसमें हजारों लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में सुधार के लिए डीआरसी में एक अस्पताल का निर्माण भी शामिल है।

संदीप प्रधान ने साई के महानिदेशक का पद छोड़ा सुजाता चतुर्वेदी अंतरिम आधार पर संभालेंगी कार्यभार

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर।

संदीप प्रधान अपना कार्यकाल पूरा होने पर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक का पद छोड़ देंगे और खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी अंतरिम आधार पर उनकी भूमिका संभालेंगी। खेल मंत्रालय ने मंगलवार को उक्त घोषणा की।

खेल मंत्रालय के आधिकारिक आदेश के अनुसार, 30.09.2024 को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक के पद के लिए संदीप एम. प्रधान का केंद्रीय प्रतिनियुक्ति कार्यकाल पूरा होने के परिणामस्वरूप, सक्षम प्राधिकारी ने श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी, सचिव (खेल) को भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के महानिदेशक पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने की मंजूरी दे दी है। दिनांक 01.07.2019 से 01.10.2024, और नियमित पदधारी की नियुक्ति तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, चतुर्वेदी पद पर बनी रहेंगी।

1990 बैच के भारतीय राजस्व अधिकारी प्रधान ने अगस्त 2019 में नीलम कपूर से महानिदेशक का पदभार संभाला था, जिसके तहत भारत ने क्रमशः टोक्यो और पेरिस में दो सफल ओलंपिक और पैरालंपिक चक्र देखे।

2020 ओलंपिक में, भारत ने पुरुषों की भाला फेंक में नीरज चोपड़ा के माध्यम से ट्रैक-एंड-फील्ड में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता, जबकि देश ने खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात पदक अपने नाम किए।

बावुमा की कप्तानी में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी दक्षिण अफ्रीकी टीम, केशव , डेन सहित तीसरे स्पिनर के लिए सेनुरन शामिल

केपटाउन, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड ने इसी माह होने वाले बांग्लादेश दौरे के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस दौरे में दक्षिण अफ्रीकी टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। टेम्बा बावुमा इस सीरी में टीम की कप्तानी करेंगें। टीम में इस सीरीज के लिए तीन स्पिनर रखे गये हैं। जिसमें केशव महाराज और डेन पीट के अलावा स्पिनर सेनुरन मुथुसामी भी शामिल हैं।

सेनुरन की एक साल बाद टीम में वापसी हुई है। स्पिनर सेनुरन ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं। इस टीम में एकमात्र गैर अनअनुभवी खिलाड़ी मैथ्यू ब्रीट्ज्के हैं। वहीं टेम्बा बावुमा दो मैचों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीकी टीम की अगुवाई करेंगे। पहला टेस्ट ढाका में तथा दूसरा टेस्ट चटगाँव में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका टीम के मुख्य टेस्ट कोच शुकरी कॉनराड ने कहा, ''बांग्लादेश का दौरा करना हमेशा से ही काफी कठिन रहा है। उन्होंने माना कि बांग्लादेश की टीम घरेलू मैदान पर काफी मजबूत है। इसलिए हमें मुकाबले के लिए तैयार रहना चाहिये। इसलिए हमने वहां के स्पिन हालातों के हिसाब से टीम का चयन किया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास तीन मुख्य स्पिनर हैं जो जरूरत पड़ने पर किसी भी समय अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

टीम इस प्रकार है : टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंगहैम, मैथ्यू ब्रीट्ज्के, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोर्जी, केशव महाराज, एडन मारक्रम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, डेन पैटरसन, डेन पिड्ट, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेलटन और काइल वेरिन।

भारतीय खो खो महासंघ ने एथलीटों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए लिया खेल विज्ञान का सहारा

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) ने खो खो के पारंपरिक खेल में खेल विज्ञान को एकीकृत करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो खिलाड़ी के प्रदर्शन को बढ़ाने और प्रतिस्पर्धी बढ़त सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

उन्नत खेल विज्ञान तकनीकों के समावेश का उद्देश्य इस स्वदेशी खेल को परिष्कृत और उन्नत करना है, जिससे यह वास्तव में विश्व स्तरीय बन सके। यह परिवर्तन खो खो के मिट्टी से शुरू होकर खेल के आधुनिक, मैट-आधारित संस्करण तक के विकास का हिस्सा है। नवाचार के प्रति फेडरेशन की प्रतिबद्धता खो-खो को अंतरराष्ट्रीय और लोकप्रिय बनाने, इसकी समृद्ध विरासत को संरक्षित करते हुए इसे वैश्विक खेल मानकों के अनुरूप लाने की दृष्टि को दर्शाती है।

एथलीट विकास के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण फिजियोलॉजी, मनोविज्ञान और पोषण की त्रिमूर्ति पर केंद्रित है, जो प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए एक व्यापक विधि प्रदान करता है। व्यक्तिगत, संतुलित पोषण योजनाओं के साथ-साथ नियमित शारीरिक और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के माध्यम से शारीरिक और मानसिक कल्याण पर समान जोर दिया जाता है।

चपलता और सहनशक्ति को मापने के लिए, बायोमैकेनिक्स और मोशन साइंस में निहित विशिष्ट परीक्षण आयोजित किए जाते हैं, जिसमें मांसपेशियों की गतिविधि पर नजर रखने और हर गतिविधि को परिष्कृत करने के लिए मोशन कैप्चर सूट और सेंसर डेटा विश्लेषण जैसी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाता है।

यह वैज्ञानिक फोकस प्रत्येक एथलीट के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ ताकत बनाने से भी आगे जाता है। इसके अतिरिक्त, मानसिक दृढ़ता, भावनात्मक लचीलापन और तनाव प्रबंधन का आकलन करने के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन नियमित रूप से किया जाता है।

इसके अलावा, केकेएफआई एक खो खो ऐप लॉन्च करने के लिए तैयार है जो एक व्यापक खेल प्रबंधन प्रणाली के रूप में काम करेगा। ऐप में चार प्रमुख मॉड्यूल होंगे: इवेंट मैनेजमेंट, सूचना प्रणाली, समाचार सेवा, और समय, स्कोरिंग और परिणाम प्रबंधन। यह डिजिटल टूल एथलीटों के लिए डेटा मॉनिटरिंग और प्रदर्शन ट्रैकिंग को और बढ़ाएगा।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खेल के इस नए दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए कहा, खो खो वास्तव में एक आधुनिक अंतरराष्ट्रीय खेल है, जिसमें वैश्विक स्वीकृति के लिए आवश्यक सभी तत्व मौजूद हैं। उन्नत मूल्यांकन और लक्षित रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से, अब हम खेल को विश्व स्तरीय मानकों तक बढ़ा रहे हैं। खो खो अब अतीत का अवशेष नहीं है, बल्कि यह भविष्य का खेल है।

महासंघ के महासचिव, एमएस त्यागी ने खो खो को आधुनिक बनाने की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, हमने खेल को बदलने और खो खो के बारे में सार्वजनिक धारणा को बदलने के लिए अत्याधुनिक उपकरण और प्रौद्योगिकी को शामिल करने का भी निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, हम वैश्विक दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए खेल को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करने के तरीके तलाश रहे हैं। इन वैज्ञानिक प्रगति के साथ, खो खो भारत में एक नए युग में प्रवेश करने के लिए तैयार है, जिससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेल की दृश्यता दोनों में वृद्धि होगी। इस समग्र दृष्टिकोण से न केवल स्वदेशी खेल को ऊपर उठाने की उम्मीद है बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर अधिक मान्यता प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

अक्टूबर के पहले दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर (एजेंसियां) । अक्टूबर के पहले दिन ही मंगलवार को घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट नजर आ रही है। इसके कारण सोना 150 से 160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,380 रुपये से लेकर 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये से लेकर 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,280 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोहिंग्या युवतियों को...

पति राज कुंद्रा की प्रोडक्शन कंपनी से सम्बद्ध है। 22 वर्षीय रिया को बांग्लादेश से अवैध घुसपैठिए के रूप में दिखाया गया, लेकिन असल में वह और उसके परिवार के सदस्य म्यांमार के रोहिंग्या समुदाय से हैं। बोन्या शेख के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 465, 468, 479, 34 और 14ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। मुंबई स्थित पोर्नोग्राफी के काले धंधे से उसके कनेक्शन को लेकर जांच जारी है। रिया अपने माता-पिता, भाई और बहनों के साथ भारत में रहती है। उनकी मां रूबी शेख ने भारत में रहने के लिए अमरावती निवासी अरविंद बर्डे से विवाह कर लिया।

रूबी शेख ने बाद में पश्चिम बंगाल की निवासी होने का दावा किया और अपना नाम बदलकर अंजलि रख लिया और अवैध रूप से भारत में रह रही है। रिया शेख राज कुंद्रा की प्रोडक्शन कंपनी से जुड़ी हुई है। वह कई फिल्मों में भी नज़र आ चुकी है और उसने गेहाना वशिष्ठ के साथ एक प्रोजेक्ट भी किया है। अरविंद बर्डे न केवल रिया बर्डे और उसके परिवार के सदस्यों के लिए जाली दस्तावेज़ तैयार करने में शामिल है, बल्कि उसने भारतीय पासपोर्ट और अन्य ज़रूरी दस्तावेज़ों को मैनेज करने के लिए दस्तावेजों पर खुद को पिता के तौर पर भी दर्ज किया है। इससे पहले मुंबई पुलिस ने अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के तहत वेश्यावृत्ति के एक मामले में रिया को गिरफ्तार किया था। इस केस की अगुवाई कर रहे इंस्पेक्टर ने खुलासा किया कि वह एक बांग्लादेशी नागरिक है जो अपनी दो बहनों और भाई के साथ अवैध रूप से भारत में रह रही है। उसकी मां ने एक भारतीय से शादी की और नकली जन्म प्रमाण पत्र और अन्य धोखाधड़ी वाले दस्तावेजों का उपयोग करके भारतीय पासपोर्ट प्राप्त किया। रिपब्लिक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रिया के माता-पिता फिलहाल कतर में हैं और पुलिस अब बहन रितु उर्फ मोनी शेख और उसके भाई रवींद्र उर्फ रियाज़ शेख की तलाश कर रही है।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, रिया बर्डे की पहचान की जांच एक साल पहले शुरू हुई थी, जिसमें खुलासा हुआ था कि उसके जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र और पासपोर्ट में जन्म के तीन अलग-अलग स्थान दर्ज हैं, पश्चिम बंगाल का उत्तर 24 परगना, हुगली और महाराष्ट्र के अमरावती जिले का अचलपुर। पुलिस ने बताया कि रिया बर्डे एक एडल्ट (अश्लील) फिल्म अभिनेत्री है, जिसने राज कुंद्रा प्रोडक्शंस द्वारा दिए गए प्रोजेक्ट्स में काम किया था। उसने कई फिल्मों में कलाकार गेहाना वशिष्ठ के साथ भी काम किया। वह आमरस (2023) नामक फिल्म में अपने काम के लिए प्रसिद्ध है। पुलिस का कहना है कि रिया के माता-पिता फिलहाल कतर में रह रहे हैं।पुलिस को जांच में पता चला कि रिया अपनी बहन रितु बर्डे के साथ अक्सर कतर जाती थी और कतर के अमीरों और विदेशी नागरिकों को खुश करती थी। कतर में उसकी मां अंजलि एक निजी वेश्यालय और सेक्स रैकेट चलाती है। अंजलि म्यांमार स्थित ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग रैकेट से भी संबंध रखती रही है। यह भी पता चला है कि शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा कतर और दुबई में अमीर अरब और पाकिस्तानी ग्राहकों को रिया बर्डे, उसकी बहन और अन्य कॉल गर्ल की सप्लाई कर रहे थे। रिया बर्डे की गिरफ्तारी के मामले पर टिप्पणी करते हुए, दिल्ली उच्च न्यायालय की वकील अमिता सचदेवा ने कहा, मैं बांग्लादेशी पोर्न स्टार रिया बर्डे की खबर देखकर स्तब्ध हूं, जिसे फर्जी दस्तावेजों पर महाराष्ट्र में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस खबर से भारत सरकार को अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं के मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। यह एक गंभीर मामला है जिसमें सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करने की आवश्यकता है।अवैध घुसपैठिये द्वारा भारतीय पासपोर्ट प्राप्त करने का मामला हमारे आव्रजन और नागरिकता प्रणालियों की अखंडता के बारे में गंभीर चिंता पैदा करता है। यह उन कमजोरियों को उजागर करता है जिसका फायदा कानूनी चैनलों को दरकिनार करने की कोशिश करने वाले व्यक्तियों द्वारा उठाया जा रहा है। यह स्थिति न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक है, बल्कि रोहिंग्याओं की मौजूदगी के कारण होने वाले जोखिम का भी संकेत देती है। रोहिंग्या को अक्सर हमारे देश की शांति और स्थिरता के लिए खतरा माना जाता है। हमने रोहिंग्याओं के राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कई उदाहरण सुने हैं। इस तरह की घटनाएं आव्रजन और सुरक्षा के लिए ज़िम्मेदार सरकारी संस्थानों में जनता का भरोसे कम करती हैं। नागरिक पासपोर्ट जारी करने और नागरिकता सत्यापन के लिए कठोर मानकों की अपेक्षा करते हैं; जब इनसे समझौता किया जाता है, तो यह संदेह और भय को बढ़ाता है। यह स्थिति नागरिकता से संबंधित मौजूदा नीतियों और प्रथाओं की व्यापक समीक्षा की आवश्यकता को रेखांकित करती है। भविष्य में इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

कांग्रेस की ...

पीएम मोदी ने कहा, हरियाणा में तो चुनाव अभियान चल रहा है, लेकिन आज जम्मू-कश्मीर में अंतिम चरण का मतदान हो रहा है। वहां बहुत भारी संख्या में लोग लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा ले रहे हैं। मैं जम्मू-कश्मीर के सभी मतदाताओं से कहूंगा कि वे अपना वोट जरूर डालें। पीएम मोदी ने कहा, उत्साह और उमंग से भरा हुआ ये दृश्य, चुनाव के नतीजों का एहसास दिला रहा है। आपके आशीर्वाद के लिए, आपके सहयोग के लिए हम आपके बहुत-बहुत आभारी हैं। हरियाणा का तो ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि केंद्र में जिसकी सरकार रहती है, हरियाणा में भी उसी की सरकार बनती है। आपने दिल्ली (केंद्र) में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाई, अब यहां हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा सरकार बनाना आप लोगों ने तय कर लिया है।

सीमा पर...

सैन्य कमांडरों पर निर्भर करता है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, हम किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं।थलसेना अध्यक्ष चाणक्य रक्षा संवाद पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध का जल्द से जल्द समाधान तलाशने के उद्देश्य से जुलाई और अगस्त में दो चरणों में कूटनीतिक वार्ता की थी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, कूटनीतिक वार्ता से सकारात्मक संकेत मिल रहा है लेकिन हमें यह समझने की आवश्यकता है कि कूटनीतिक वार्ता विकल्प और संभावनाएं देती हैं। लेकिन जब जमीनी स्तर पर लागू करने की बात आती है तो इसका निर्णय लेना दोनों पक्षों के सैन्य कमांडरों पर निर्भर करता है। स्थिति स्थिर है लेकिन यह सामान्य नहीं है और संवेदनशील है। अगर ऐसा है तो हम क्या चाहते हैं? हम चाहते हैं कि अप्रैल 2020 से पहले वाली स्थिति बहाल हो। थलसेना अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि जब तक पूर्व की स्थिति बहाल नहीं होती है, हालात संवेदनशील बने रहेंगे।

जनरल द्विवेदी ने कहा, दोनों सेनाओं के बीच सैन्य गतिरोध मई 2020 की शुरुआत में शुरू हुआ। दोनों पक्षों ने गतिरोध वाले बिन्दुओं से कई सैनिकों को हटाया है लेकिन इसके बावजूद अभी तक सीमा विवाद का पूर्ण समाधान नहीं निकला है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, जब तक स्थिति बहाल नहीं होती है, हालात संवेदनशील रहेंगे और हम किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस पूरे परिदृश्य में विश्वास को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। जहां तक चीन का संबंध है तो वह काफी समय से हमारे मन में कौतूहल पैदा कर रहा है। मैं कह रहा हूं कि चीन के साथ आपको प्रतिस्पर्धा करनी होगी, आपको सहयोग करना होगा, आपको एक साथ रहना होगा, आपको मुकाबला करना होगा।

युद्ध के लिए ...

इसका मतलब है कि वे इसके लिए काफी पहले से तैयारी में थे। युद्ध उस तरह से शुरू नहीं होता जिस तरह से आप लड़ना शुरू करते हैं। यह उसी दिन शुरू होता है जिस दिन आप योजना बनाना शुरू करते हैं। यही सबसे महत्वपूर्ण है। हमारे पक्ष में आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट और बाधाएं ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में हमें बहुत सावधान रहना होगा। हमें विभिन्न स्तरों पर निरीक्षण करना होगा, चाहे वह तकनीकी स्तर पर हो या मैनुअल स्तर पर हो, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे मामले में ऐसी चीजें दोबारा न हों।

प्रशांत किशोर ...

पूरे बिहार में पीले रंग में रंगी जन सुराज की गाड़ी घूमकर माहौल बना रही है तो राजधानी पटना में इसे मेगा इवेंट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। पटना के गांधी मैदान में जगह नहीं मिली तो वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में पीके की पार्टी का पहला कार्यक्रम हो रहा है। यह पटना एयरपोर्ट के बगल में है और यहां आम आबादी अमूमन कम जाती है। इसे देखते हुए लोगों को उस तरफ मोड़ने के लिए कई तरह की तकनीक तैयार रखी गई है। पीके की पार्टी गठन के इस कार्यक्रम में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी सहित 10 देशों से मेहमानों को बुलाया गया है। वह यहां बिहार और बिहारी की ताकत देखेंगे।

प्रशांत किशोर ने गांधी जयंती पर अपनी पार्टी के गठन की घोषणा की, तभी से बिहार की राजनीति के दिग्गजों ने उन्हें कमतर बताना तेज कर दिया। अब प्रचार हो रहा है कि वह अपनी पत्नी को पार्टी का अध्यक्ष बनाने जा रहे हैं। यह हल्ला इसलिए है, क्योंकि खुद पीके अध्यक्ष नहीं बनने की बात कह रहे हैं। परिवारवाद के आरोप से बचने के लिए पीके अपनी पत्नी को शायद ही यह जिम्मेदारी दें। ऐसे में अध्यक्ष कौन बनेगा, इसपर गहन मंथन जन सुराज के मौजूदा सक्रिय टीम में भी हो रहा है। यह घोषणा भी कल खुद पीके ही करेंगे।पीके ने जन सुरक्षा स्थापना अधिवेशन के जरिए राजनीतिक दलों को भी इवेंट मैनेजमेंट की सीख दी है। बुधवार को कार्यक्रम के बाद इसकी सफलता पर बहस होगी, लेकिन फिलहाल तैयारी देखने लायक है। बाकायदा सभी जिलों से आ रही गाड़ियों को रूट मैप दिया गया है। ऐसा रूट मैप जो उनके जिले से पटना पहुंचने और पार्किंग स्थल होकर सभा स्थल पहुंचने तक की जानकारी दे रहा है। भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर, बांका, लखीसराय, जमुई, शेखपुरा और मुंगेर की गाड़ियों को चितकोहरा साईं मंदिर मैदान में रुकने का निर्देश दिया गया है। यहीं इन गाड़ियों में आए लोगों के खान-पान की भी व्यवस्था रखी गई है। गया, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद की गाड़ियां अनीसाबाद के राम लिखन सिंह यादव कॉलेज में ठहराई जाएंगी, जबकि इनमें आए लोगों को खाने के लिए साईं मंदिर मैदान में जाना होगा। नवादा, नालंदा, बेगूसराय, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया की गाड़ियां गर्दनीबाग स्थित पटना हाई स्कूल में ठहराई जाएंगी और इनमें आए लोगों के खान-पान की व्यवस्था भी यहीं होगी। इन सभी जगहों से लोग पैदल सभा स्थल तक जाएंगे और रास्ते में मार्ग-प्रदर्शक भी होंगे।वैशाली, सारण, सीवान, गोपालगंज, पश्चिम-पूर्वी चंपारण की गाड़ियां जेपी सेतु से आएंगी और उससे उतरते ही तीन फूड स्टॉल पर इनके खाने-पीने की व्यवस्था रहेगी। भोजन के बाद बसें मरीन ड्राइव होकर अटल पथ आएंगी और आर. ब्लॉक गोलंबर पर ठहर जाएंगी। यहां से लोग पैदल वेटनरी कॉलेज जाएंगे। अक्षम लोगों के लिए गाड़ी की व्यवस्था भी रखी गई है। समस्तीपुर, मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर और शिवहर से आने वाली बसें गांधी सेतु से आकर भी अटल पथ पर जाएंगी और उसी तरह भोजन कराने के बाद आर. ब्लॉक तक पहुंचाकर लौट जाएंगी।

वायुसेना को ...

जिसके बाद आत्मनिर्भर भारत पहल को बढ़ावा देते हुए रक्षा मंत्रालय ने सुखोई विमानों के लिए 240 एएल-31एफपी एयरो इंजन का कॉन्ट्रैक्ट 9 सितंबर 2024 को एचएएल को सौंपा था, जिसके तहत ये इंजन आठ साल में डिलीवर किए जाने हैं। हर साल 30 इंजन डिलीवर किए जाएंगे। सुखोई के इन इंजनों को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के सुखोई इंजन डिवीजन, कोरापुट में बनाया जा रहा है। सुखोई के एएल-31एफपी एयरो इंजनों को पूरी तरह से यहीं तैयार किया जा रहा है। इन इंजनों में 54 फीसदी से अधिक स्वदेश में ही बने कंपोनेंट्स लगाए गए हैं, और धीरे-धीरे इन्हें बढ़ा कर 63 फीसदी किया जाएगा।

भारतीय वायुसेना में इस समय फाइटर जेट्स के स्क्वाड्रन की कमी है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास 31 लड़ाकू स्क्वाड्रन हैं, और अगले डेढ़ दशक में इसके अधिकांश स्क्वाड्रन फेज-आउट हो जाएंगे। जबकि भारत को 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है। मिग-21 बाइसन और मिग-29 के स्क्वाड्रन क्रमशः 2025 और 2035 तक चरणबद्ध तरीके से रिटायर हो जाएंगे। 2019 में पाकिस्तान के खिलाफ बालाकोट स्ट्राइक करने वाले फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों मिराज-2000 भी 2035 तक रिटायर कर दिए जाएंगे।

वायुसेना पहले ही तेजस एमके-1ए की डिलीवरी में हो रही देरी की समस्या से भी जूझ रही है। ट्विन इंजन वाले 260 सुखोई भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ हैं। इनमें से ज्यादातर का निर्माण एचएएल ने रूस से लाइसेंस के तहत 12 अरब डॉलर से अधिक में किया है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना एचएएल से 1.3 बिलियन डॉलर में 12 नए सुखोई-30 भी खरीद रही है, जिसके समझौते पर दस्तखत पिछले साल सितंबर 2023 में किए गए थे। ये 12 नए सुखोई जल्द ही दुर्घटनाग्रस्त हुए विमानों की जगह लेंगे।

इस साल फरवरी में ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों (सीसीएस) ने भारतीय वायुसेना के बेड़े में मौजूद लगभग 60 मिग-29 लड़ाकू विमानों के लिए 5,300 करोड़ रुपए की लागत से नए इंजनों को भी मंजूरी दी थी, जिनका निर्माण भी एचएएल रूस के सहयोग से करेगा। बता दें कि भारत सालों से जरूरी थ्रस्ट-टू-वेट रेशियो के साथ फाइटर जेट्स के लिए स्वदेशी एयरो-इंजन का प्रोडक्शन करने में फेल रहा है। वहीं भारतीय वायुसेना अब लागत कम करने और स्वदेशी कंपोनेंट्स को बढ़ाने के लिए छोटी-छोटी संख्या की बजाय बड़ी मात्रा में एयरो-इंजन का ऑर्डर दे रही है। किसी भी फाइटर जेट के जीवनकाल में कम से कम दो से तीन बार इंजन बदलने की जरूरत होती है।

खास बात यह है कि भारत जहां सुखोई-30 के लिए अभी भी एएल-31एफपी इंजन पर ही भरोसा कर रहा है, तो वहीं रूस अपने एसयू-30एसएम फाइटर जेट्स के लिए नए और अधिक शक्तिशाली एएल-41एफएस इंजन के साथ अपग्रेड कर रहा है। हालांकि भारत भी भारत भी अपने सुखोई को अपग्रेड करने की योजना पर काम कर रहा है, लेकिन इसमें सुखोई एवियोनिक्स, रडार और मिशन कंप्यूटर को अपग्रेड किया जाएगा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 84 सुखोई 30 एमकेआरई लड़ाकू विमानों की पहली खेप को अपग्रेड करने की मंजूरी मिल चुकी है। सुखोई के अपग्रेड की लागत प्रति जहाज लगभग 130-140 करोड़ रुपए के आसपास होगी।एचएएल अपनी नासिक फैसिलिटी में इन लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करेगा। एचएएल का नासिक डिवीजन पहले ही सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमानों की ओवरहालिंग कर चुका है। इस अपग्रेडेशन प्रोसेस से सुखोई-30एमकेआई फाइटर जेट्स की लाइफ बढ़ जाएगी, और ये 2055 तक काम करते रहेंगे। वहीं, सभी 84 जेटों के अपग्रेड्स के पूरा होने में आठ साल का लंबा वक्त लग सकता है। इन अपग्रेडेशन के बाद सुखोई-30 रूसी जेट नहीं रह जाएगा, बल्कि 78 फीसदी स्वदेशी सामग्री वाला भारतीय फाइटर जेट बन जाएगा।

इन अपग्रेड्स से पूरी दुनिया में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का रुतबा भी बढ़ेगा। इससे एचएएल के लिए नया बाजार भी बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा के बाद सुखोई जेट के अपग्रेडेशन, साथ मिल कर बनाने और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए रूस ने सहमति दे दी है। दुनिया भर में 600 से ज़्यादा सुखोई 27/30 फाइटर जेट बनाए जा चुके हैं। वियतनाम, मलेशिया, आर्मेनिया, इंडोनेशिया और अल्जीरिया जैसे देशों के पास सुखोई फाइटर जेट्स हैं। सुखोई में इन अपग्रेडेशन से ये देश भी भारत का रुख करेंगे। आर्मेनिया भी अपने सुखोई-30 को एवियोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरण और हथियारों से अपग्रेड करना चाहता है। वह भारत से बियोंड द विजुअल रेंज एस्ट्रा एमके-1 एयर-टू-एयर मिसाइलें खरीद कर सुखोई-30 में लगाना चाहता है।

भारत में ...

उसी समय पुलिस की एक टीम आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची। पूछताछ करने के बाद सिद्दीकी ने अपनी शर्मा नाम की पहचान बताई और बताया कि वह साल 2018 से बेंगलुरु में रह रहा है। इतना ही नहीं उसने परिवार के भारतीय पासपोर्ट और आधार कार्ड भी दिखाए। इसमें सभी के नाम हिंदू थे। पुलिस उस समय दंग रह गई जब वे घर में घुसी तो दीवार पर मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल जशन-ए-यूनुस लिखा हुआ था। पुलिस टीम को इस्लामिक मौलवियों की तस्वीरें भी मिलीं।पुलिस ने जब आरोपी से पूछताछ की तो सिद्दीकी उर्फ शंकर शर्मा ने बताया कि वे पाकिस्तान के कराची के लियाकताबाद से है। उसकी पत्नी और उनका परिवार लाहौर से था। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2011 में एक ऑनलाइन समारोह में आयशा से शादी की थी। वह अपने माता-पिता के साथ बांग्लादेश में थी। हालांकि, अपने देश में धार्मिक नेताओं को सताए जाने के बाद उन्हें पाकिस्तान से बांग्लादेश जाने के लिए मजबूर होना पड़ा।एफआईआर के मुताबिक, वह बांग्लादेश चले गए और यहां पर एक उपदेशक के तौर पर काम किया और मेहदी फाउंडेशन ने उनके खर्चों को उठाया। लेकिन 2014 में सिद्दीकी पर बांग्लादेश में फिर हमला हुआ और उसने भारत में मेहदी फाउंडेशन के परवेज नाम के शख्स से कॉन्टेक्ट किया। सिद्दीकी अपनी पत्नी, सास-ससुर और रिश्तेदारों जैनबी नूर और मोहम्मद यासीन के साथ एजेंटों के जरिए मालदा के रास्ते बांग्लादेश से भारत आए। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, वह शुरुआत में दिल्ली में रहते थे और शर्मा नाम से फर्जी आधार कार्ड, पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस हासिल किया सिद्दीकी दिल्ली में मेहदी फाउंडेशन की तरफ से प्रचार करता था।

2018 में सिद्दीकी ने नेपाल की यात्रा की थी। उसने बेंगलुरु के रहने वाले वसीम और अल्ताफ से मिलने के बाद बेंगलुरु शिफ्ट होने का फैसला किया। उन्होंने उसे उस शहर में प्रचार करने के लिए कहा। अल्ताफ ने किराए का खर्च उठाया और मेहदी फाउंडेशन ने उसे अलरा टीवी पर अपने शो के लिए भुगतान किया। यहां पर उसने इस्लाम का प्रचार किया। सिद्दीकी के ससुराल वालों ने बेंगलुरु में बैंक अकाउंट भी खोले थे। पुलिस ने आईपीसी की धारा 420, 468 और 471 के तहत केस दर्ज किया है।मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल यूनुस अलगोहर के विचारों को बढ़ावा देता है। उन्हें आध्यात्मिक गुरु और सूफीवाद का कट्टर प्रचारक माना जाता है। यह संगठन सूफीवाद को बढ़ावा देकर मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में भी लगा हुआ है। हालांकि, पाकिस्तान समेत कई सारे मुस्लिम देशों में मेहदी फाउंडेशन के सदस्यों को धार्मिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है।

अलरा टीवी एक यूट्यूब चैनल सूफीवाद की वकालत करता है।इस कथित शर्मा परिवार को लेकर कई सवाल लोगों के मन में है। कथित शर्मा परिवार के चार लोगों में राशिद अली सिद्दीकी (48), उसकी पत्नी आयशा (38), पिता हनीफ मोहम्मद (73) और मां रुबीना (61) शामिल हैं। ये सभी लोग 2014 से अवैध रूप से राजपुरा गांव में रह रहे थे। ये लोग शंकर शर्मा, आशा रानी, राम बाबू शर्मा और रानी शर्मा के नाम से रह रहे थे और इन्होंने नकली पासपोर्ट और आधार कार्ड बनवा रखे थे। राशिद अली सिद्दीकी एक ऑनलाइन फूड आउटलेट चला रहा था और गैरेज को इंजन ऑयल भी सप्लाई करता था।

इन चारों ने बेंगलुरु पुलिस को बताया है कि वे सभी लोग मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल (एमएफआई) से जुड़े हैं और इस वजह से उन्हें पड़ोसी मुल्क में उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। इसलिए इस बारे में बात करना और समझना जरूरी होगा कि एमफआई क्या है। यह निश्चित रूप से हैरान करने वाली बात है कि इस्लामिक मुल्क पाकिस्तान में एक मुस्लिम परिवार को धार्मिक उत्पीड़न का सामना क्यों करना पड़ा?

मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल को मसीहा फाउंडेशन के नाम से भी जाना जाता है। 1970 में यह फाउंडेशन पाकिस्तान में शुरू हुई थी और शुरुआत में इसका नाम रियाज गौहर शाही इंटरनेशनल था। इसके संस्थापक रियाज अहमद गौहर शाही थे और उनकी पाकिस्तान में एक आध्यात्मिक नेता के रूप में पहचान थी। 2002 में रियाज गौहर शाही इंटरनेशनल को मेहदी फाउंडेशन इंटरनेशनल का नाम दे दिया गया। एमएफआई कहता है कि वह शांति, सद्भाव और मानवता की बात करता है। एमएफआई इस बात का दावा करता है कि उसके समर्थक कई एशियाई देशों के साथ ही यूरोप और अमेरिका में भी हैं।

पाकिस्तानी नागरिक और एमएफआई के अध्यक्ष अमजद गौहर ने बताया कि जब परवेज मुशर्रफ पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने तो उनके संगठन के सदस्यों पर सैकड़ों मुकदमे दर्ज करा दिए गए और कई लोगों की हत्या भी कर दी गई। अमजद का कहना है कि पाकिस्तान के इस्लामी मौलवियों को गौहर शाही के विचारों से परेशानी थी। एमएफआई का मानना है कि ईश्वर की नजर में सभी लोग बराबर हैं लेकिन मौलवी इसके खिलाफ हैं। अमजद कहते हैं कि जब भी उन्होंने इस्लाम के बारे में सवाल उठाने की कोशिश की तो पाकिस्तान में इसे अपराध माना गया। अमजद के खिलाफ ही पाकिस्तान में एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज कर दिए गए। एमएफआई से जुड़े कई लोगों को ईशनिंदा के मामलों में दोषी करार दिया गया है, जहां उन्हें 99 साल की जेल और मौत की सजा भी मिली है।एमएफआई के सदस्यों पर ईशनिंदा के मुकदमे भी दर्ज हुए। पाकिस्तान की सरकार ने गौहर शाही के द्वारा लिखी गई किताबों पर बैन लगा दिया और एमएफआई को आतंकवाद निरोधी कानून के तहत अवैध संगठन घोषित कर दिया। अमजद ने बताया कि उनके खिलाफ पाकिस्तान में एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं और अब वह कभी उस देश में नहीं लौटेंगे। गौहर शाही और मेहदी फाउंडेशन पर आरोप है कि वे लोग ऐसी शिक्षाएं दे रहे हैं जो इस्लाम के खिलाफ हैं। उन पर यह भी आरोप है कि वे मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं और इस्लामिक सिद्धांतों का अपमान कर रहे हैं।

हालात यहां तक खराब हैं कि गौहर शाही के खिलाफ उन्हें काफिर बताने वाले फतवे तक जारी कर दिए गए। 2000 के मध्य में एमएफआई के पांच सदस्यों को पाकिस्तान में नग्न अवस्था में परेड करके घुमाया गया और कई लोगों की हत्याएं हुई। मौजूदा वक्त में एमएफआई पाकिस्तान में सक्रिय नहीं है। वहां की सरकार ने इसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी बैन लगा दिया है। पाकिस्तान में हो रहे धार्मिक उत्पीड़न और जुल्म के बाद इस संगठन के कई सदस्य बांग्लादेश और भारत जाने को मजबूर हो गए। साल 2007 में एमएफआई से जुड़े 63 पाकिस्तानियों को भारत ने टूरिस्ट वीजा दिया और जब वे इसके जरिए दिल्ली पहुंचे तो उन्होंने पाकिस्तानी दूतावास के सामने विरोध प्रदर्शन किया और अपने पाकिस्तानी पासपोर्ट और वीजा को जला दिया। क्योंकि वे भारत में अवैध रूप से रह रहे थे इसलिए उन्हें गिरफ्तार भी किया गया लेकिन 2011 में सरकार ने उन्हें शरणार्थी का दर्जा दिया और कनाडा, अमेरिका और यूरोप भेज दिया।

100 एकड़ जंगल...

सरकार के 9 लाख से अधिक रुपए की राशि खर्च की गई है। 25 अप्रैल 2022 को इस सड़क का निर्माण का कार्य शुरू किया गया था।जंगल की जमीन हड़प कर भवन निर्माण व सड़क के साथ-साथ यहां राज्य सरकार के मत्स्य व कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से व सरकारी राशि के सहायता से वहां बड़े तालाबों का भी खनन किया गया है। इस्लाम नगर के नाम दिये गये इस इलाकों में बड़े भवनों के साथ साथ गोदाम घर भी बनाया गया है। बिजली विभाग द्वारा इस इलाके में बड़े-बड़े ट्रांसफार्मर भी लगाए गए हैं। इलाके में जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर भी खड़े नजर आ रहे हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं से पैसे लेकर यहां निर्माण कार्य किया गया है। इस कारण प्रशासन के मिलीभगत से ही यह पूरा षड़यंत्र रचे जाने की बात सामने आ रही है ।

आरोप है कि बीजू जनता दल के शासन के दौरान यह कार्य हुआ। सरकार और प्रशासन की जानकारी और उनकी मिलीभगत से गैर कानूनी तरीके से जंगल जमीन को हड़प कर इस्लाम नगर बसाया गया। इस भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर सरकारी अधिकारियों की बातों में किसी प्रकार की समानता नहीं है। स्थानीय तहसीलदार इसे संरक्षित जंगल बता रहे हैं, जबकि स्थानीय वन विभाग के रेंजर इसे राजस्व जंगल बता रहे हैं। गैर कानूनी कब्जे को हटाने की जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। राज्य सरकार ने मामले की जांच का आदेश दे दिया है।

मातामह श्राद्ध करने से मिलती है मातृ ऋण से मुक्ति

कल होगा मातामह श्राद्ध

न वरात्रि स्थापना के साथ अधिकांश घरों में मातामह श्राद्ध किया जायेगा। सर्व पितृ और मातामह नाना, मातामही नानी का श्राद्ध आश्विन शुक्ल प्रतिप्रदा नवरात्रि के दिन करते है । मातामह श्राद्ध 3 अक्टूबर को होगा। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि परिजनों की स्मृति में तर्पण और श्राद्ध कर्म की तिथि अनुसार करने की परंपरा है। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। अक्सर मातामह श्राद्ध पितृ पक्ष की समाप्ति के अगले दिन होता है। इस बार 3 अक्टूबर को होगा। परंपरा है कि लोग अपनी संतान नहीं होने पर दत्तक गोद लेते थे ताकि मृत्यु के बाद वो पिंडदान कर सके। मान्यतानुसार दत्तक पुत्र दो पीढ़ी तक श्राद्ध कर सकता है।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी औरत के पिता का निकाला जाता है जिसका पति व पुत्र ज़िन्दा हो अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता। इस प्रकार यह माना जाता है कि मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहाँ यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

मातामह श्राद्ध में दूसरी पीढ़ी करती है तर्पण-पिंडदान

दिवगंत परिजन के घर में लड़का ना होए तो लड़की की संतान यानी नाती भी पिंडदान कर सकता है। मान्यतानुसार लड़की के घर का खाना नहीं खा सकते इसलिए मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है।

मातृ ऋण से मिलती है मुक्ति

इस दिन माता पक्ष यानी मां, नानी का श्राद्ध करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिलती है और मां अपने कुल को वृद्धि, सुख-सौभाग्य व समृद्धि का आशीर्वाद देकर चली जाती हैं। मातामह श्राद्ध बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है।

जो लोग माता पक्ष का श्राद्ध नहीं करते, उनको मातृ दोष का भागी बनना पड़ता है। मातामह श्राद्ध का दिन परिवार की मातृ पितरों से जुड़ा हुआ है, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए इस दिन पिंडदान, तर्पण विधि और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं।

क्या होता है मातामह श्राद्ध

मातामह श्राद्ध एक ऐसा श्राद्ध है जो एक पुत्री द्वारा अपने पिता व एक नाती द्वारा अपने नाना को तर्पण के रूप में किया जाता है। इस श्राद्ध को सुख शांति का प्रतीक माना जाता है । यह श्राद्ध करने के लिए कुछ आवश्यक शर्तें है अगर वो पूरी न हो तो यह श्राद्ध नहीं किया जाता है। शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी महिला के पिता के द्वारा किया जाता है जिसका पति व पुत्र जिंदा हो। अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता। मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहाँ यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं?

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं? यह प्रश्न भ्रम की स्थिति उत्पन्न करता है। अमूमन देखा गया है कि परिवार के पुरुष सदस्य या पुत्र-पौत्र नहीं होने पर कई बार कन्या या धर्मपत्नी को भी मृतक के अंतिम संस्कार करते या श्राद्ध वर्षी करते देखा गया है। परिस्थितियां ऐसी ही हों तो यह अंतिम विकल्प है। इस बारे में हिंदू धर्म ग्रंथ, धर्म सिंधु सहित मनुस्मृति और गरुड़ पुराण भी महिलाओं को पिंड दान आदि करने का अधिकार प्रदान करती है।

श्राद्ध में ये तीन अत्यंत पवित्र माने जाते है

पुत्री का पुत्र अर्थात दौहित्र, कुतप समय, अर्थात अपरान्ह समय व तिल। श्राद्ध कर्म में ये तीन पवित्र माने गए है। सामान्यतः श्राद्ध कर्म में कभी क्रोध व जल्दबाजी नहीं करना चाहिए।शांति, प्रसन्नता व श्रद्धा पूर्वक किया कर्म ही पितरों को प्राप्त होता है। धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ सिद्धान्त शिरोमणि व अथर्वेद का मानना है कि श्राद्ध कर्म हमारे वेद शास्त्रों द्वारा अनुमोदित व विज्ञान सम्मत भी है। कन्यागत सूर्य में जो भोज्य सामग्री पितरों को दी जाती है वे समस्त स्वर्ग प्रदान करने वाली कही गयी है। पितृ पक्ष के ये सोलह दिन यज्ञों के समान है इस काल मे अपने पितरों की मृत्यु तिथि पर दिया गया भोजनादि पदार्थ अक्षय होता है अतः इस काल मे श्राद्ध ,तर्पण,दान, पुण्य आदि अवश्य करना चाहिए। इससे आयु, पुत्र, यश,कीर्ति, समृद्धि, बल, श्री,सुख, धन,धान्य की प्राप्ति होती है।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

साल में एक ही बार आता है ये शुभ दिन, करें ये उपाय

गृह क्लेश होगा दूर, कारोबार में भी मिलेगी कामयाबी

स र्वपितृ अमावस्या 2 अक्टूबर, बुधवार को है, और इस दिन ज्यादातर लोग अपने पितरों का तर्पण करते हैं। यह दिन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह साल की सबसे बड़ी अमावस्या होती है। पितरों के तर्पण का यह अवसर बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन किसी भी तीर्थ स्थल पर जाकर अपने पितरों को पिंडदान और तर्पण करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। जो पितृ वायु रूप में भटक रहे होते हैं, उन्हें पिंडदान से शरीर रूप प्राप्त होता है। अगर किसी व्यक्ति की जन्मपत्रिका में कालसर्प दोष, पितृ दोष या अन्य कोई दोष हो, या यदि परिवार में वंश वृद्धि नहीं हो रही हो, घर में कलह हो, या व्यापार में लगातार नुकसान हो रहा हो, तो इस दिन पितरों का पिंडदान करने से इन समस्याओं में राहत मिलती है।

ज्योतिषी कविता जांगिड़ ने लोकल 18 को बताया कि इस दिन की अमावस्या पिंडदान करने से पितरों को पिंड रूपी शरीर की प्राप्ति होती है। तो वहीं पिंड तर्पण करने से पितरों की भूख प्यास समाप्त जाती है। इस प्रकार जिस भी जातक के जन्मपत्रिका में किसी भी प्रकार का दोष होता है। जैसे कालसर्प दोष, पितृ दोष। जिनके घर में वंश वृद्धि नहीं हो पा रही, घर में गृह क्लेश है, व्यापार में हानि होती रहती है, इस दिन पितरों को पिंडदान पिंड दर्पण करने से इन सभी कार्यों में राहत मिलती है।

तीर्थ का राजा पुष्कर राज

कविता जांगिड़ ने बताया कि अमावस्या के दिन पिंडदान तर्पण तीर्थ स्थल पर करें। समस्त तीर्थ का राजा पुष्कर राज को कहा गया है। अगर यहां जाकर अमावस्या के दिन पिंडदान पिंड तर्पण करते हैं। समस्त तीर्थ साल में एक बार पुष्कर राज को ढोकने आते हैं। पुष्कर में ज्ञात और अज्ञात पितरों के पिंडदान हो जाते हैं कोटा में आप चंबल नदी के किनारे भी पिंडदान पिंड तर्पण कर सकते हैं।

कैसे कराएं भोजन

उन्होंने ने बताया कि गरुड़ पुराण सहित कई पुराणों में बताया गया है कि पितरों का श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। आप भी अगर सर्वपितृ अमावस्या पर अपने पितरों का तर्पण, श्राद्ध कर रहे हैं, तो आपको श्राद्ध भोजन से जुड़े कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे कि आपके पितरों की आत्मा को मुक्ति मिल सके। पितृपक्ष में अगर आप पितरों का श्राद्ध कर रहे हैं, तो आपको केले के पत्ते पर श्राद्ध का भोजन नहीं परोसना चाहिए, क्योंकि श्राद्ध का भोजन केले के पत्ते पर नहीं परोसा जाता है। आप चांदी, कांसे, तांबे के बर्तनों में भोजन परोस सकते हैं। वहीं, पत्तल पर भोजन परोसना भी शुभ माना जाता है।

सर्वपितृ अमावस्या पर पितृ पक्ष खत्म

जानें मुहूर्त, राहुकाल, दिशाशूल

साल का अंतिम सूर्य ग्रहण और सर्व पितृ अमावस्या बुधवार को है । इस दिन अश्विन कृष्ण अमावस्या तिथि, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, ब्रह्म योग, चतुष्पाद करण, उत्तर का दिशाशूल और कन्या राशि का चंद्रमा है। सूर्य ग्रहण रात में 9 बजकर 13 मिनट से लगेगा। यह सूर्य ग्रहण 6 घंटे 4 मिनट के लिए लगेगा। उसके बाद इसका मोक्ष होगा। यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इस वजह से इसका सूतक काल नहीं लगेगा। ऐसे में मांगलिक कार्यों पर कोई रोक नहीं होगी। सूर्य ग्रहण से पहले दिन में सर्व पितृ अमावस्या है। इस अवसर पर पूर्णिमा तिथि वाले पितरों और जिनकी तिथि ज्ञात नहीं होती है, उनका तर्पण, श्राद्ध आदि करते हैं। सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितर पितृ लोक वापस चले जाते हैं। पितरों को तृप्त करने और पितृ दोष की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान, ब्राह्मण भोज, पंचबलि, त्रिपिंडी श्राद्ध आदि कर्म किए जाते हैं। सर्व पितृ अमावस्या से पितृ पक्ष का समापन हो जाता है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है। सर्व पितृ अमावस्या के दिन बुधवार व्रत भी है। जिनकी कुंडली बुध का दोष हो, उनको बुधवार व्रत के साथ गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। गणपति महाराज को मूंग के लड्डू का भोग लगाना चाहिए। बुध के बीज मंत्र का जाप करना चाहिए। इस उपाय से बुध मजबूत होगा और उसके शुभ प्रभाव जीवन में दिखाई देंगे। गणेश जी की पूजा में मोदक, सिंदूर, गेंदे का फूल, दूर्वा, केला आदि जरूर रखते हैं। पूजा में तुलसी के पत्ते वर्जित हैं। गणेश जी के आशीर्वाद से कार्य सफल होते हैं और जीवन में शुभता आती है। बुधवार को हरे रंग के कपड़े पहनें, इससे भी बुध ग्रह मजूबत होगा। कांसे के बर्तन, हरे रंग के कपड़े, हरे फल आदि का दान भी अच्छा होता है।

शारदीय अमावस्या पर क्या करें और क्या न करें

1.इस दिन बेलपत्र नहीं तोड़ना चाहिए।

2. जितना हो सके गाय को हरा चारा देना चाहिए पक्षियों को दाने देना चाहिए।

3. जितना हो सके लोगों को पानी पिलाना चाहिए।

4. गरीब निर्धन लोगों को खाना खिलाना चाहिए।

एक ऐसा मंदिर जहां सांप दिखने पर बदल जाती है किस्मत!

नवरात्रि में दर्शन देते हैं अजगर दादा

म ध्य प्रदेश के सागर में बाघराज एक प्रसिद्ध इलाका है। यहां हरसिद्धि माता का मंदिर है। मंदिर परिसर में एक गुफा है। गुफा में भारी भरकम अजगर रहता है। यहां अजगर से डरने की बजाय लोग रोजाना उनकी पूजा करते हैं। गुफा के द्वार पर जल अर्पित कर पुष्प चढ़ाते हैं। क्षेत्रवासी इन्हें 'अजगर दादा' कहते हैं। मान्यता है कि नवरात्रि के समय जिसको भी इनके दर्शन हो जाएं, उसकी किस्मत चमक जाती है।

बताया जाता है कि मंदिर में अजगर दादा रक्षक के रूप में विराजमान हैं। यही वजह है कि इस पूरे इलाके में आज तक कभी किसी को सांप काटने की खबर सामने नहीं आई और न ही कभी किसी के साथ इस संबंध में अनहोनी हुई है। कई दशकों से लोग यह चमत्कार देखते आ रहे हैं। जब भी नवरात्रि आती है या मंदिर परिसर में कोई बड़ा धार्मिक अनुष्ठान किया जाता है, तो काले सर्प या छोटे अजगर के रूप में अजगर दादा दर्शन देते हैं। इंसान उन्हें छू कर भी देख लेते हैं। प्रणाम कर लेते हैं। माता के मंदिर की यही सबसे बड़ी महिमा है।

15-20 फीट होगी अजगर की लंबाई

गुफा में रहने वाले अजगर को लेकर कहा जाता है कि 10-15 साल पहले तक वह कभी-कभी गुफा के बाहर दो-तीन फीट तक आ जाते थे, जिसमें उनकी मोटाई डेढ़ फीट तक किसी मकान के पिलर के जैसी होती थी। उनकी लंबाई 15-20 फीट तक होने का अंदाजा लगाया जाता है। अब वह बहुत ही ज्यादा बूढ़े हो गए हैं, इसलिए कई सालों से लोगों ने उन्हें गुफा के बाहर आते नहीं देखा। क्षेत्र वासियों की मान्यता है कि वह आज भी यहां साक्षात रूप में विराजमान हैं। उनकी कृपा से आज तक इस इलाके में सांप की वजह से कभी कोई दुर्घटना नहीं हुई, जबकि यह इलाका पहाड़ी, जंगल और खेतों से लगा हुआ है।

अजगर के रूप में दादा

मंदिर के पुजारी पुष्पेंद्र महाराज बताते हैं कि उनका पूरा बचपन यही बीता है। तब से लेकर अब तक मां भगवती के मंदिर में बाघराज दादा के रूप में प्रत्यक्ष चमत्कार देखने को मिलता है। नवरात्रि के समय में या मंदिर पर कभी भी कोई धार्मिक अनुष्ठान हो तो किसी न किसी स्वरूप में अजगर दादा दर्शन देने आते हैं। ऐसी मान्यता है कि अगर उनके दर्शन हो गए तो कार्यक्रम के लिए आशीर्वाद मिल गया। 3 अक्टूबर से नवरात्रि शुरू हो रही है। प्रतिपदा से नवमी के बीच में किसी न किसी दिन अजगर दादा जरूर दर्शन देंगे। अब वह दर्शन किसको देंगे, किस रूप में देंगे, यह तो वही जानते हैं।

सांप की वजह से नहीं होती अनहोनी

आगे बताया कि जब अजगर दादा दर्शन देते हैं तो लोगों की भीड़ उन्हें देखने के लिए आ जाती है। लोग उन्हें छू कर देख लेते हैं, प्रणाम करते हैं, फूल चढ़ाने लगते हैं, लेकिन आज तक कभी किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। यह केवल मंदिर परिसर में ही नहीं जहां तक इस मंदिर का प्रभाव है, उसे इलाके में कोई घटना नहीं हुई है। हमारे पूर्वज भी यही कहते आ रहे हैं कि यहां बाघराज दादा की कृपा से इस तरह की कोई अनहोनी नहीं हुई है।

रीवा का अद्वितीय शिवलिंग : हजारों शिवलिंगों से बना एकमात्र शिवलिंग, त्रेतायुग से है मान्यता

म ध्यप्रदेश के रीवा जिले की जवा तहसील स्थित गोहटा गांव एक अद्वितीय धार्मिक स्थल के लिए प्रसिद्ध है।यहां स्थित एक शिवलिंग, जिसे हजारों शिवलिंगों से मिलकर बनाया गया है, श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है।इस मंदिर की मान्यता त्रेतायुग से जुड़ी है और इसका संबंध माता सीता और भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण जी से बताया जाता है।यह शिवलिंग और इसका पौराणिक इतिहास इसे अद्भुत और अद्वितीय बनाते हैं।

पौराणिक कथा – इतिहासकार असद खान के अनुसार, यह शिवलिंग पौराणिक और पुरातत्वीय दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है।जब भगवान राम ने माता सीता का परित्याग किया था, तब माता सीता वाल्मीकि आश्रम जाने से पहले गोहटा गांव में रुकी थीं।यहां तमसा नदी में स्नान कर भगवान शिव की आराधना करते हुए, माता सीता ने अपने दुखों का बखान किया।उन्होंने भगवान शिव से कहा कि अब उनकी पूजा भी खंडित मानी जाएगी क्योंकि उनका परित्याग हो चुका है।तब भगवान शिव प्रकट हुए और उन्हें यह समझाया कि उनका चरित्र और पतिव्रत धर्म ही उनकी पूजा का साक्षी है।भगवान शिव ने माता सीता को हजारों शिवलिंग दिखाए और कहा कि आप इन्हें एक स्थान पर स्थापित कर दें, मैं यहां वास करूंगा।माता सीता ने ऐसा ही किया, और उसके बाद वे वाल्मीकि आश्रम चली गईं।

लक्ष्मण जी की आराधना

मंदिर के पुजारी राम दीन, जो 21 वर्षों से इस मंदिर की सेवा कर रहे हैं, बताते हैं कि लक्ष्मण जी ने भी इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा की थी।उन्होंने अपनी भाभी, गर्भवती माता सीता को जंगल में छोड़ने का अपराधबोध महसूस किया और भगवान शिव से कहा कि उनकी पूजा खंडित है।तब भगवान शिव ने प्रकट होकर उन्हें भी सांत्वना दी और समझाया।

धार्मिक उत्सव और मेले

हर साल सावन के महीने में यहां एक विशाल मेला आयोजित होता है।भक्त बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रा निकालते हैं और हजारों श्रद्धालु इस अद्वितीय शिवलिंग के दर्शन करने आते हैं।यह धार्मिक स्थल न केवल अपनी पौराणिकता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि भक्तों की गहरी आस्था का केंद्र भी है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

मार्वल यूनिवर्स की डेडपूल एंड वूल्वरिन ओटीटी पर धमाका मचाने के लिए तैयार!

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' जब थिएटर्स में रिलीज हुई थी, तब कमाई के मामले में कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए थे। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इस मूवी ने दुनियाभर में छह करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया था। फिल्म ने भारत सहित दुनिया भर के दर्शकों को खूब एंटरटेन किया।

वहीं, फैंस लंबे से इस मूवी की ओटीटी रिलीज के इंतजार में हैं, जो कि हो सकता है कि वह अब खत्म हो। 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' की ओटीटी रिलीज की डेट सामने आई है और यह व्यूअर्स से ज्यादा दिनों की दूरी पर नहीं है। तो चलिये जानते हैं कि ओटीटी पर यह फिल्म कब और कहां रिलीज होगी।

हाईएस्ट आर-रेटेड फिल्म है 'डेडपूल एंड वूल्वरिन'

ह्यू जैकमैन और रायन रेनॉल्ड्स स्टारर 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसकी कहानी दो ऐसे सुपरहीरो के इर्दगिर्द घूमती है, जो दुनिया को क्राइसेज से बचाने का जिम्मा उठाते हैं। इस कॉन्स्प्ट को फिल्म में काफी शानदार तरीके से दिखाया गया है, जिसका अंदाज इसके कलेक्शन से भी लगाया जा सकता है। 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' हाईएस्ट ग्रॉसिंग आर-रेटेड फिल्म मानी जाती है।

ओटीटी पर कब और कहां होगी रिलीज?

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' फिल्म को 1 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देखा जा सकता है। हालांकि, यह खबर रिपोर्ट्स के आधार पर है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से ऑफिशियल अनाउंसमेंट होना बाकी है। वहीं, यह भी कहा गया है कि जो फैंस इस फिल्म को इंडिया में नहीं देख सकते, वह प्रीमियम वीडियो ऑन डिमांड पर इसे अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। इसके अलावा फिल्म को एप्पल टीवी पर भी देखा जा सकता है।

तृप्ति डिमरी अब माधुरी दीक्षित के साथ पर्दे पर मचाएंगी धमाल

इन दिनों अभिनेत्री तृप्ति डिमरी खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों न, उनके पास एक से बढ़कर एक फिल्मों के प्रस्ताव जो आ रहे हैं। जल्द ही वह कई चर्चित फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।एनिमल के बाद से तृप्ति स्टारडम के रथ पर सवार हैं और अब एक और फिल्म उनके हाथ लग गई है।खास बात यह है कि इस फिल्म में उन्हें बॉलीवुड की धक-धक गर्ल रहीं माधुरी दीक्षित का साथ मिला है।रिपोर्ट के मुताबिक, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभालने वाले हैं, जिन्होंने विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था। अगले साल मार्च-अप्रैल में फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी भले ही सामने नहीं आई है, लेकिन 90 के दशक की लोकप्रिय अदाकारा माधुरी और आज की पीढ़ी की अभिनेत्री तृप्ति की जुगलबंदी देखना बेहद दिलचस्प होगा। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी।रिपोर्ट में बताया गया है कि यह फिल्म मुख्य रूप से 3 किरदारों पर केंद्रित होगी। फिल्म के लिए हीरो का चयन करना अभी बाकी है। माधुरी फिल्म में मां तो तृप्ति उनकी बेटी की भूमिका में होंगी।फिल्म कॉमेडी, एक्शन, रोमांच और ड्रामा से लबरेज होगी। खास बात यह है कि माधुरी और तृप्ति को फिल्म भूल भुलैया 3 में भी साथ देखा जाएगा। हालांकि, इस फिल्म में माधुरी का कैमियो होगा।तृप्ति के हाथ में फिलहाल कई फिल्में हैं। वह राजकुमार राव के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में दिखाई देंगी, जो 11 अक्टूबर को रिलीज हो रही है।वह कार्तिक आर्यन के साथ एक रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु हैं।वह करण जौहर की फिल्म धड़क 2 में भी नजर आएंगी। विशाल भारद्वाज की अगली फिल्म भी तृप्ति के पास है, जिसमें शाहिद कपूर उनके जोड़ीदार होंगे।माधुरी ने कई सफल फिल्में दी हैं। उनके नाम जुड़ने भर से फिल्में हिट हो जाती थीं। न सिर्फ अदाकारी, बल्कि अपने डांस के जरिए भी उन्होंने दर्शकों को मुरीद बनाया है।देवदास की चंद्रमुखी से लेकर तेजाब की मोहिनी, हम आपके हैं कौन की निशा चौधरी से लेकर दिल तो पागल है की पूजा तक, उनके हर किरदार को दर्शकों ने सिर आंखों पर बैठाया है।माधुरी को पिछली बार 2022 में फिल्म मजा मा में देखा गया था।

प्रिंस शिवराम नरेश अगस्त्य स्टारर काली का ट्रेलर रिलीज़

शिव साशु द्वारा निर्देशित और गौतम वर्मा द्वारा निर्मित नई मनोवैज्ञानिक थ्रिलर काली के टीजर ने फिल्म प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्म में युवा अभिनेता प्रिंस और नरेश अगस्त्य मुख्य भूमिकाओं में हैं।4 अक्टूबर को दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार मनोवैज्ञानिक थ्रिलर काली के साथ एक रोमांचक मुठभेड़ के लिए तैयार हो जाइए। टीम ने ट्रेलर जारी किया, जिसे हनुमान पर अपने काम के लिए जाने जाने वाले प्रशांत वर्मा ने लॉन्च किया।

उन्होंने ट्रेलर की प्रशंसा करते हुए इसे मनोरंजक और रोमांचक बताया, और इसके दृश्यों में स्पष्ट जुनून झलकने की बात कही। ट्रेलर में प्रिंस शिवराम की भूमिका में हैं, जो एक ऐसा व्यक्ति है जो बहुत खोया हुआ महसूस करता है और एक कठोर निर्णय पर विचार कर रहा है। इसकी शुरुआत शिवराम की आवाज़ से होती है जब वह किसी को दफनाता है, उसके बाद नरेश अगस्त्य द्वारा निभाए गए एक रहस्यमयी किरदार का परिचय होता है, जो शिवराम के जीवन के बारे में आश्चर्यजनक विवरण जानता है। यह मुठभेड़ एक दिलचस्प नतीजे की ओर ले जाती है।

ट्रेलर में शिवराम की रोमांटिक परेशानियों और वैवाहिक समस्याओं का भी संकेत मिलता है, जो सस्पेंस को और बढ़ा देता है। यह कई सवाल खड़े करता है, जिनका जवाब फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने पर मिलेगा। कहानी शिवराम की अचानक उदासी, रहस्यमय अजनबी और उसके जैसे दिखने वाले शव की खोज पर केंद्रित है। यह फिल्म एक आकर्षक मनोवैज्ञानिक ड्रामा होने का वादा करती है, जिसमें शानदार दृश्य और एक गहन स्कोर है, विशेष रूप से रहस्यमय व्यक्ति के अंतिम शॉट द्वारा उजागर किया गया है, जो उम्मीदों को और भी अधिक बढ़ा देता है।

नए एक्शन से भरपूर होगी धूम 4

रणबीर कपूर के बाद फिल्म से जुड़ा एक और शख्स का नाम

बॉलीवुड की मोस्ट एंटरटेनिंग फिल्मों में शामिल 'धूम' के चौथे पार्ट की इन दिनों काफी चर्चा है। हर बार की तरह इस बार भी फिल्म में पुलिस तो वही होगी, लेकिन चोर कौन होगा, ये देखने के लिए फैंस बेहद बेताब हैं।

कई दिनों से चर्चा है कि 'धूम 4' के विलेन रणबीर कपूर होंगे। हालांकि, उनके नाम पर मेकर्स की तरफ से कन्फर्मेशन आना बाकी है। वहीं, अब एक और शख्स का नाम फिल्म से जुड़ा सामने आ रहा है।

'धूम 4' से जुड़ा एक और शख्स

'धूम 4' हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मोस्ट एंटिसिपेटेड मूवी में से एक है। पहले पार्ट में जॉन अब्राहम, दूसरे में ऋतिक रोशन और तीसरे में आमिर खान ने चोर की भूमिका निभाई थी। अब चौथे पार्ट में रणबीर कपूर इस लिगेसी को आगे बढ़ाते देखे जा सकते हैं। वहीं, बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, धूम 4 से विजय कृष्णा आचार्य यानी विक्टर का नाम जुड़ गया है ।

'धूम 4' के लिए करेंगे ये काम

रिपोर्ट में बताया गया है कि विक्टर धूम 4 मूवी से डायरेक्टर के तौर पर जुड़े हैं। इसके पहले वह धूम 3 का निर्देशन कर चुके हैं। इतना ही नहीं, वह धूम फ्रेंचाइजी की सभी फिल्मों के राइटर भी रहे हैं। 'धूम 4' को डायरेक्ट करने के साथ ही वह इसकी कहानी भी लिखते नजर आएंगे।

इन एक्टर्स का नाम भी आया सामने

रणबीर कपूर से पहले विलेन के रोल के लिए शाह रुख खान और साउथ एक्टर सूर्या का नाम भी सामने आया था। इनमें सूर्या को फिल्म के लिए लगभग कन्फर्म बताया जा रहा था। हालांकि, अब रणबीर कपूर का नाम विलेन के तौर पर लगभग कन्फर्म बताया जा रहा है।

तलाक की खबरों के बीच बिग बॉस का 18 में आएगी ये खूबसूरत हसीना?

एक फिल्म के बाद सलमान खान के साथ कभी नहीं किया काम

मशहूर शो 'बिग बॉस' का 18वां सीजन अब से कुछ ही दिनों में शुरू होने वाला है। जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे हैं, वैसे-वैसे शो को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट भी बढ़ती जा रही है। हर बार की तरह इस बार के सीजन में भी कुछ अलग देखने को मिलेगा। बिग बॉस 18 में टाइम का टांडव होते देखने को मिलेगा, जिसके तहत कई दिनों तक कंटेस्टेंट्स का भविष्य बिग बॉस तय करेंगे।

सलमान खान के इस शो के लिए अभी तक निया शर्मा का ही नाम कन्फर्म कंटेस्टेंट के तौर पर सामने आया है। 'खतरों के खिलाड़ी 14' के ग्रैंड फिनाले में रोहित शेट्टी ने खुलासा किया था कि निया, बिग बॉस 18 में नजर आएंगी। वहीं, अब एक और एक्ट्रेस का नाम इस शो के लिए लगभग कन्फर्म बताया जा रहा है।

'बिग बॉस 18' में आ सकती है ये हसीना

बिग बॉस की पल-पल की अपडेट देने वाले पेज द खबरी के मुताबिक, सलमान खान के शो के इस सीजन में उर्मिला मातोंडकर नजर आ सकती

हैं। उनका नाम लगभग कन्फर्म बताया जा रहा है। अगर ऐसा होता है, तो लंबे समय बाद उन्हें स्क्रीन पर देखना दिलचस्प होगा।

तलाक की अफवाह को लेकर चर्चा में

उर्मिला मातोंडकर पिछले कुछ दिनों से तलाक की अफवाहों को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि वह उर्मिला शादी के 8 साल बाद मोहसिन मीर अख्तर से अलग हो रही हैं। हालांकि, कपल की ओर से इस पर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। उर्मिला, मोहसिन से 10 साल बड़ी हैं।

सलमान खान के साथ इस फिल्म में किया था काम

उर्मिला मातोंडकर ने सलमान खान के साथ 'जानम समझा करो' में काम किया था। यह मूवी 1999 में रिलीज हुई थी, जो कि फ्लॉप थी। इसके बाद दोनों ने साथ में कभी काम नहीं किया।

हिट फिल्मों के बाद भी 9 महीने तक सलीम-जावेद को नहीं मिला था कोई काम

सलीम-जावेद की जोड़ी एक समय पर सुपरहिट थी। जिस फिल्म की कहानी वह लिखते उसकी सुपरहिट होने की गारंटी होती थी। उनकी जोड़ी को एक समय पर हीरोज से भी ज्यादा फीस चार्ज करती थी। सरहदी लुटेरा के निर्माता एस एम सागर ने सलीम-जावेद को बतौर स्क्रीनप्ले राइटर पहला ब्रेक दिया था।

एस एम सागर की साल 1971 में रिलीज हुई फिल्म 'अधिकार' का स्क्रीनप्ले इस जोड़ी ने ही लिखा, जिसके लिए दोनों को पांच हजार रुपए तो मिले, लेकिन कोई क्रेडिट नहीं मिला। इसके बाद फिल्म आई अंदाज, जिसमें सलीम-जावेद को बतौर राइटर पहली बार क्रेडिट मिला। राजेश खन्ना की साल 1971 में रिलीज हुई फिल्म 'हाथी मेरे साथी' सलीम जावेद के करियर में मील का पत्थर साबित हुई। इस मूवी ने उनके लिए हिंदी सिनेमा के दरवाजे खोल दिए।

इस फिल्म के बाद इस जोड़ी ने साथ में सीता और गीता, जंजीर, यादों की बारात, और दीवार जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी। हालांकि, बैक टू बैक हिट की झड़ी लगाने के बावजूद भी एक वक्त ऐसा आया था जब सलीम-जावेद के पास 9 महीने तक कोई काम नहीं था। जिसके बारे में खुद जावेद अख्तर ने इंटरव्यू में बताया था। आज थ्रोबैक थर्सडे में हम आपको उस किस्से के बारे में बताने जा रहे हैं-

फीस बनी थी सलीम -जावेद के करियर में अड़चन

हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय राइटर सलीम-जावेद कई सालों पहले जब राजीव मसंद के शो में पहुंचे थे, तो उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया था कि एक बड़ी सफलता के बावजूद उन्हें 9 महीने तक किसी ने काम नहीं दिया। उन्होंने इसकी वजह भी बताई थी।

दो लाख सुनते ही प्रोड्यूसर के ऑफिस में छा गया था सन्नाटा

जावेद अख्तर ने आगे बताया, मैंने उन्हें

कहा कि मैं आपको स्क्रिप्ट सुना दूंगा, लेकिन आप पहले प्राइस सुन लीजिये। आप बोलेंगे कि स्क्रिप्ट मुझे पसंद आई, इसलिए पैसा ज्यादा मांग रहे हैं, तो आप अमाउंट सुन लीजिये फिर स्क्रिप्ट सुना देंगे, हम एडवांस नहीं मांग रहे। जैसे ही निर्माता ने पूछा, मैंने तपाक से कहा 2 लाख रुपए, जिसे सुनकर ऑफिस में पूरा सन्नाटा छा गया।

उन्होंने ऊपर से अपने पार्टनर को बुलाया और मुझे कहा कि जो मैंने उन्हें बताया है, वह उनके पार्टनर को भी बताए, क्योंकि कोई विश्वास नहीं करता था कि राइटर इतना पैसा ले सकते हैं। 9 महीने बाद जो हमें फिल्म मिली वो हमने 2 लाख में की, दूसरी की कहानी के लिए हमने 5 लाख लिए और तीसरी के लिए 10 लाख। उस समय पर अगर आप हाइएस्ट पेड राइटर हैं और आपको 60-80 हजार के करीब मिल रहे हैं, तो निश्चित तौर पर आप बिगड़ैल और अहंकारी इंसान की तरह लगते हैं।

कन्नड़ फिल्मों के लिए भी लिखी सलीम-जावेद ने स्क्रिप्ट

जंजीर के लिए जीता था बेस्ट स्क्रीनप्ले और बेस्ट स्टोरी का अवॉर्ड

शोले को ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट के 2002 के पोल में पहला स्थान मिला था।

1982 में टूटी थी सलीम-जावेद की जोड़ी

सलीम-जावेद की जोड़ी 21 साल की लंबे पार्टनरशिप के बाद टूट गई। दोनों ने 1982 में निजी कारणों के चलते अपनी राह अलग-अलग कर ली।

उनकी जोड़ी टूटने के बाद 1985 में उनकी फिल्म 'जमाना' और 1987 में मिस्टर इंडिया रिलीज हुई। ये दोनों ही फिल्में हिट रहीं। अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की फिल्म बागबान के लिए भी उन्होंने स्क्रीनप्ले लिखा, लेकिन इसमें उन्हें क्रेडिट नहीं मिला।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रिए से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएं उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 02 अक्टूबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 12:21 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी दोपहर 12:23 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 03:20 तक
करण : चतुष्पाद प्रात: 11:01 तक
चन्द्र राशि : कन्या
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:03 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:08 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 05:55 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवपितृ कार्य सर्व अमावस्या , गजच्छाया योग दोपहर 12:23 से सूर्यास्त तक , गांधी–शास्त्री जयंती, महालय श्राद्ध पक्ष समाप्त

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नायब सिंह सैनी ने पानीपत की धरती से हुड्डा पर साधा निशाना, कहा

भूपेंद्र हुड्डा के 10 साल पर मेरे 56 दिन भारी

पानीपत, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पानीपत की धरती से पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधा। उन्होंने हुड्डा के दस साल पर अपने 56 दिन के कार्यकाल को बेहतर बताया। उन्होंने यहां यह भी कहा कि इन 56 दिनों में 126 योजनाओं पर फैसले लिए हैं। यह तो एक ट्रेलर था। इसकी फिल्म आठ अक्टूबर के बाद भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बाद दिखाई जाएगी। उन्होंने यह बात मंगलवार को पानीपत के शहरी विधानसभा क्षेत्र की पुरानी सब्जी मंडी और समालखा विधानसभा क्षेत्र की बापौली अनाज मंडी में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। वे पानीपत शहरी विस में प्रमोद विज और बापौली में समालखा विस क्षेत्र के प्रत्याशी मनमोहन भड़ाना के समर्थन में रैली को संबोधित करने आए थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव अंतिम पड़ाव में है। सबको मिलकर पांच अक्टूबर को लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा लेकर नई सरकार का गठन करना है। ऐसे में समय बहुत कम है। प्रत्येक कार्यकर्ता अपना पूरा दम लगा दें। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले दस साल में पानीपत का चहुंमुखी विकास किया गया है। अगर कहीं कसर रह गई है हैं तो अगले पांच साल में पूरी कर देंगे। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने हरियाणा समेत पूरे देश का एक समान विकास किया है। यहां सड़क, मेडिकल कॉलेज, वंदे भारत ट्रेन व नए महाविद्यालय खोले हैं। भाजपा सरकार ने मिशन मोड़ में काम किया है। आठ अक्टूबर के बाद प्रदेश का विकास तेज किया।

उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा दस साल हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे हैं। जबकि वे 56 दिन सीएम रहे हैं। हुड्डा के दस साल पर उनके 56 दिन भारी हैं। तीज पर महिलाओं को 500 रुपये गैस का सिलिंडर देने की घोषणा की है। इससे ऊपर का पैसा उनके खातों में जाएगा। 1.80 हजार आय वाले लोगों के घरों पर दो किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाया जाएगा। किसान की 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जाएगा। उन्होंने हुड्डा का नाम लेकर कहा कि मैंने जो कहा व धरातल पर कर दिखाया है। कौशल विकास के कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। भाजपा पूरी पिक्चर आठ अक्टूबर को दिखाएगी। भाजपा सरकार एक से बढ़कर एक फैसला ले रही है। आठ के बाद पंचायती या सरकारी जमीन पर मकान बनाने वाले लोगों को उसका मालिकाना हक मिल जाएगा। यह जमीन न्यूनतम चार्ज पर उनके नाम कर दी जाएगी। 84 लाख लोगों को हैप्पी कार्ड दिया है। भाजपा ने कई संकल्प लिए हैं। भाजपा की सरकार बनते ही

सबसे पहला फैसला महिलाओं के लिए लागू होगा। उनको लाडो लक्ष्मी योजना में 2100 रुपये प्रति महिला दिए जाएंगे। पांच लाख परिवारों को प्रधानमंत्री योजना के तहत मकान बनाकर दिए जाएंगे। आयुष्मान व चिरायु योजना में पांच की बजाय 10 लाख रुपये का इलाज दिया जाएगा। 70 से साल से अधिक आयु के बुजुर्ग को पांच लाख का कार्ड अलग से दिया जाएगा। उनके इलाज की चिंता परिवार पर नहीं होगी। दो लाख नई नौकरी बिना पर्ची व खर्ची के दी जाएंगी। एससी व बीसी वर्ग के विद्यार्थी देश के किसी भी कॉलेज व विश्वविद्यालय में पढ़ते हैं तो उनकी पूरी फीस सरकार देगी। सैनी ने कहा कि आठ को कांग्रेस वेंटिलेटर पर चली जाएगी। कांग्रेस ने सुविधा देने की बजाय अपनी जेब भरी है। असंध के कांग्रेस प्रत्याशी की घर भरने की बात हर किसी ने सुनी है। राहुल गांधी उनके हलके में प्रचार करने पहुंच गए।

उन्होंने कहा कि पानीपत की कस्टोडियन की जमीन पर बसी राजीव गांधी, चावला कॉलोनी व सैनी कॉलोनी के लोगों को मालिकाना हक देने को कैबिनेट में पास कर दिया है। इनको कलेक्टर रेट पर रजिस्ट्री कराई जाएगी। प्रॉपर्टी आईडी की समस्या को जड़ से खत्म किया जाएगा। यहां पानीपत शहरी विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी हिमांशु शर्मा ने भाजपा को समर्थन दिया। इनके अलावा शशि कपूर व शेरू कपूर भाजपा में शामिल हुए। नायब सिंह सैनी ने इनका स्वागत किया।

कांग्रेस नेता संजय अग्रवाल ने भाजपा जॉइन की। संजय अग्रवाल ने 2019 का विधानसभा चुनाव प्रमोद विज के सामने चुनाव लड़ा था। उन्होंने 37318 वोट मिले थे। यह 30.51 प्रतिशत था। वहीं भाजपा के प्रमोद विज 76863 वोट लेकर 39545 वोटों से विजयी रहे थे। उनका वोट प्रतिशत 62.84 प्रतिशत था। पानीपत शहरी विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी हिमांशु शर्मा ने भाजपा में विश्वास जताया है। कार्यकारी सीएम नायब सिंह सैनी ने उनका स्वागत किया।

असंध के स्कूल ग्राउंड में भाजपा उम्मीदवार योगेंद्र राणा के पक्ष में जन आशीर्वाद रैली का आयोजन किया। इस रैली में मुख्यमंत्री ने जनता से योगेंद्र राणा को समर्थन देने की अपील की और भाजपा सरकार के 56 दिन के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अपने कार्यकाल के दौरान जितने विकास कार्य नहीं किए, उससे अधिक भाजपा सरकार ने किए हैं। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस केवल झूठे वादे कर रही है और उनके नेता भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों को समर्थन दे रहे हैं।

सिरसा डेरा प्रमुख को पेरोल नियमों के मुताबिक : विज

अंबाला, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। यौन शोषण व हत्या के आरोप में सजा भुगत रहे हरियाणा के सिरसा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले 20 दिन की पेरोल मिलने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने मंगलवार को कहा कि राम रहीम को पेरोल नियमों के मुताबिक ही दिया गया होगा।

श्री विज ने यहाँ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पेरोल के नियम हैं और नियमों के मुताबिक ही पेरोल दिया होगा। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष इस संबंध में सवाल उठा रहा है तो विपक्ष नियमों को बदलवा दे। पूर्व मंत्री विज ने कहा कि गुरमीत सिंह को चुनाव आयोग ने 20 दिन का सशर्त पेरोल दिया है जिसके तहत गुरमीत सिंह हरियाणा में कदम नहीं रख सकता और निजी या सोशल मीडिया के माध्यम से राजनीतिक गतिविधि में संलिप्त नहीं हो सकता। अगर गुरमीत सिंह शर्तों का उल्लंघन करेगा तो उसी समय पेरोल रद्द किया जा सकता है। गौरतलब है कि गुरमीत सिंह को पिछले माह ही 20 दिन के लिए परोल पर जेल से रिहा किया गया था। इस बार सरकार ने फाइल चुनाव आयोग को भेजी जिसके बाद चुनाव आयोग ने सशर्त पेरोल मंजूर किया।

सरिस्का में पहले दिन ही बड़ी संख्या में पहुंचे देशी–विदेशी पर्यटक

अलवर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर का सरिस्का बाघ अभयारण्य मानसून के बाद मंगलवार से खुल गया और बाघों को देखने के लिए पहले दिन ही बड़ी संख्या में देशी- विदेशी पर्यटक पहुंचे। सरिस्का प्रशासन की ओर से तिलक लगाकर और फूल माला से पर्यटकों का स्वागत किया गया। इस मौके पर सरिस्का के नेचर गाइड और सरिस्का कर्मी मौजूद रहे। तीन महीने बाद खुले सरिस्का को लेकर पर्यटकों में भारी उत्साह देखा गया। पहली पारी में करीब 125 पर्यटक सरिस्का पहुंचे, हालांकि आज मंगलवार होने के कारण पर्यटकों की संख्या कम रही लेकिन दो और तीन अक्टूबर को अवकाश होने के कारण पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी क्योंकि सबसे ज्यादा यहां पर्यटक शनिवार और रविवार या अन्य अवकाशों में आते हैं।

सीसीएफ संग्राम सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर सरिस्का में जिप्सी रवाना की गई। सरिस्का में हर साल लाखों की संख्या में देसी विदेशी पर्यटक आते हैं। बाहर से आए पर्यटकों ने सरिस्का में इस बार साफ सफाई

को लेकर संदेश दिया कि वन्यजीवों के जंगल में पॉलिथीन की थैली लेकर नहीं जाएं और पर्यावरण को स्वच्छ रखें और साफ रखें। श्री सिंह ने बताया कि तीन महीने बाद सरिस्का खुला है, हालांकि पहले भी खुला था लेकिन स्थाई रूप से पहली बार खुला है। इस बार बारिश अच्छी होने के कारण सरिस्का में हरियाली अच्छी है। बाघ को आसानी से देखा जा सकेगा। सभी ट्रैकों पर पर्यटक आसानी से घूम सकेंगे और बाघों को देख सकेंगे। बरसात के मौसम में तीन महीने जंगल बंद रहता है क्योंकि वन्य जीव एवं वनस्पति प्रजनन का समय रहता है, वही ट्रैक भी बरसात के समय खराब हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि सरिस्का में बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए बाघों के दर्शन होना सुगम हो गया है। जल स्रोतों पर पानी भी बहुत मात्रा में है। इसके अलावा जो रास्ते बरसात में खराब हो गए थे, उनको दुरुस्त किया गया है, जिसके कारण सरिस्का में तीन जोन में पर्यटक आसानी से घूम सकेंगे। उन्होंने बताया कि सरिस्का में पहली पारी में आज 12 जिप्सियां एवं आठ कैंटरो द्वारा भ्रमण कराया जा रहा है। सबकी ऑनलाइन बुकिंग की गई है।

भाजपा सरकार ने रोजगार के सारे रास्ते बंद किए : राहुल

सोनीपत, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने रोजगार के सारे रास्ते बंद कर दिए हैं और हरियाणा के युवा रोजगार के लिए विदेश जाने को मजबूर हो गए हैं। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विजय संकल्प रैलियों की श्रृंखला के तहत राहुल गांधी मंगलवार को सोनीपत पहुंचे।

श्री गांधी ने कहा कि वे अमेरिका में हरियाणा के युवाओं से मिले, जिन्होंने बताया कि हरियाणा में एक तरफ महंगाई है तो दूसरी तरफ रिकार्ड बेरोजगारी है।

उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार ने जवानों की पेंशन की राशि को अडाणी की जेब में डालने का काम किया है और युवाओं के लिए अग्निवीर योजना लाकर उनके भविष्य से खिलवाड़ किया है। कांग्रेस नेता ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमीरों का जितना कर्ज माफ किया है उतना ही रुपया गरीब, किसानों और मजदूरों को दिया जाएगा। श्री गांधी ने कहा कि किसान तीन चीज चाहता है। कर्ज माफ होना चाहिए, किसानों के लिए एक सिस्टम बनाया जाएगा। किसानों के लिए फसलों पर एमएसपी गारंटी कानून लागू करवाया जाएगा।

पथराव के विरोध में जहाजपुर कस्बे में बाजार बंद रहे

भीलवाड़ा, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर कस्बे में जलझुलनी के मौके पर निकाले जा रहे बेवाण पर एक धार्मिक स्थल से पथराव करने के मामले में कार्रवाई नहीं होने के विरोध में मंगलवार को बाजार बंद रहे जबकि हिंदू संगठनों का महापड़ाव जारी रहा। हालांकि क्षेत्र में अब तक शांति है। पुलिस स्थिति पर निगाह रखे हुए है। प्रशासन और हिंदू संगठनों के बीच बातचीत से हल निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

जहाजपुर कस्बे में सुबह से बाजार बंद हैं। चाय–पान की दुकानों के साथ ही मेडिकल स्टोर भी नहीं खुले हैं। महापड़ाव में जिले भर से हजारों लोग शामिल हुए हैं। ये लोग अपनी मांगों पर अड़े हैं। सुबह से भजन–कीर्तन चल रहे हैं। भोजन और रहने की व्यवस्था भी वहीं की गयी है। सांसद दामोदर अग्रवाल भी जहाजपुर पहुंचे हैं। नगर पालिका में बातचीत का दौर शुरु हुआ है, जहां सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक गोपीचंद मीणा, विजय ओझा के साथ ही हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों के साथ ही जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, एएसपी चंचल मिश्रा, एसडीएम एवं अन्य अधिकारियों के बीच वार्ता चल रही है। संभवत: कोई हल निकल सकता है। उधर, बंद को देखते हुये पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

बेटे को सेट करने के लिए हरियाणा को अपसेट करने में लगा बापू : अनुराग ठाकुर

करनाल, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से भाजपा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने करनाल में कांग्रेस पर निशाना साधा। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि बापू बेटे को सेट करने के लिए हरियाणा को अपसेट कर रहा है। दलितों को अपमानित किया जा रहा है। हालात अभी से ऐसे हैं कि सरकार आए बिना ही कांग्रेस के नेता और प्रत्याशी नौकरियों की सेल लगाने लगे हैं और कोटे भी निर्धारित कर लिए हैं। इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को जवाब देना होगा।

अनुराग ठाकुर मंगलवार शाम को भाजपा कार्यालय कर्ण कमल पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मेरा सवाल हुड्डा से है, वे खर्ची–पर्ची वाली सरकार बनाने की फिर सोचते हैं? ये क्या आधार है कि 50 वोट के आधार पर एक नौकरी। कांग्रेस के प्रत्याशी कहते हैं कि नौकरी का कोटा मिल गया।

किसने दिया कोटा, किस आधार पर दिया। खर्ची–पर्ची करके जनता की जेब से पैसा निकालना चाहते हैं, युवाओं को नौकरी बेचना चाहते हैं। कुमारी सैलजा की नाराजगी पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हालत तो ऐसी हो गई कि राहुल गांधी को मजबूरी में हाथ मिलवाने पड़ रहे हैं। जनता सब देख रही है कि दलितों का अपमान कैसे किया। हुड्डा सरकार के कार्यकाल में मिर्चपुर की घटना को प्रदेश अभी भूला नहीं है। 18 दलितों के परिवारों के घर जला दिए गए थे और उनकी बेटियों पर अत्याचार हुए। अब साथ लगते राजस्थान में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दलितों की बेटियों से इतने अत्याचार हुए कि इस मामले में वो प्रदेश अब देश में नंबर–1 पर आया। क्या दलितों के उत्पीड़न की प्रयोगशाला अब हरियाणा को बनाएंगे। राहुल गांधी विदेश में जाकर देश विरोधी ताकतों के साथ बैठकें करते हैं, भारत का क्या भला कर सकते हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगता है।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि असंध के कांग्रेस प्रत्याशी कहते हैं कि पहले अपना घर भरेंगे, फिर रिश्तेदारों का भरेंगे। इनकी सरकार जो दस साल तक चली, वो दामाद और दलाल का जलवा जलाल था। दलितों का अत्याचार था। तो क्या ये वही हालात दोबारा वापस लाने की बात करते हैं। भरेंगे अपने घर, जो पहले भरे थे। हुड्डा ने भ्रष्टाचार और उत्पीड़न में प्रदेश को नंबर–1 बनाया। क्योंकि तब एक ही जिले तक विकास सिमटा रहता था। किसानों की जमीनें तक हड़प ली गई।

राजस्थान में बेघर घुमंतू जाति के लोगों के घर का सपना आज होगा साकार

जयपुर, 01 अक्टूबर (एजेंसियां)। इतिहास में पहली बार राजस्थान में रहने वाली 32 विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू जाति के दर दर घूमने वाले बेघर लोगों का अपने स्थाई घर का सपना महात्मा गांधी की जयंती दो अक्टूबर को साकार होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा बुधवार को पूर्वाह्न साढ़े ग्यारह बजे जयपुर में दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू परिवारों को आवासीय पट्टा वितरण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर करेंगे। विशिष्ठ अतिथि के रूप में जयपुर की सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद रहेंगी। पट्टा वितरण कार्यक्रम एक साथ राज्य एवं जिला स्तर पर आयोजित होगा। राज्य स्तरीय समारोह को समस्त जिलों में होने वाले कार्यक्रमों मे लाइव दिखाया जायेगा। इस दौरान चयनित दस जिलों के लाभार्थियों से मुख्यमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संवाद भी करेंगे। कुल चयनित 20 हजार 721 परिवारों को प्रथम चरण मे पट्टे दिए जाएंगे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

चिराग बोले- राहुल गांधी सरकार बनाने के लिए चिंतित हैं

बाढ़ पीड़ितों से मिलने का समय नहीं उनके पास

पटना (एजेंसियां)।
केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान इस वक्त बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा कर रहे हैं। सहरसा में उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। राहत साम्रगी भी बांटी। उनके साथ दिग्गज नेता और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी और लोजपा (रामविलास) के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए चिराग पासवान ने कांग्रेस के वरीय नेता और सांसद राहुल गांधी पर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हिमाचल प्रदेश में सरकार कैसे बने? इसके लिए चिंतित हैं और आपदा में आने का उनके पास समय नहीं हैं। जो लोग राजनीति करते हैं। पहले वो बताएं न जो वो लोग कहां हैं? मैं किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं कर रहा हूं। हर किसी के व्यक्तिगत कॉमेंट्स हो सकते हैं। मैं यह नहीं कह रहा जो नेता प्रतिपक्ष क्यों नहीं देश में हैं और क्यों नहीं इस आपदा में अपने लोगों के बीच हैं। मैं यह सवाल खड़ें नही कर रहा हूं। लेकिन, यह सवाल तो बनता है ना जो जब चुनाव के वक्त हर कोई दिखता है तो त्रासदी में क्यों नहीं।

चिराग ने कहा कि मैं राष्ट्रीय पार्टी के नेता से भी पूछूंगा। राहुल गांधी के पास इतना समय नहीं है जो बिहार के किसी त्रासदी में वह आए और ग्रामीणों से मुलाकात किया जाए। लेकिन, उनके पास इतना समय है कि हरियाणा में चुनाव प्रचार कर सरकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जब यहां के लोगों को उनकी जरूरत है तो आना तक मुनासिब नहीं समझते और न ही अपना प्रतिनिधिमंडल तक भेजना मुनासिब नहीं समझते। कांग्रेस हो या राजद हो सबका यही हाल है।

चिराग पासवान ने कहा कि उन्होंने कहा कि वह दो दिनों से बाढ़ पीड़ितों के बीच घूम रहे हैं ताकि सही जानकारी और अधिकृत जानकारी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को दी जा सके। उन्होंने कहा कि पीएम और सीएम खुद बाढ़ पीड़ितों के लिए काफी चिंतित हैं। यह समय आरोप प्रत्यारोप का नहीं है।

बता दें कि मंगलवार को जिले नवहट्टा प्रखंड के पूर्वी कोसी तटबंध के भीतर बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के केदली पंचायत के असेय पहड़ापुर पहुंच कर बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्र का वितरण कर स्थिति की जानकारी ली। लोगों ने अंचल प्रशासन पर किसी तरह की मुआवजा नहीं देने की बात कही। इस मंत्री ने सदर एसडीओ प्रदीप कुमार झा और अंचल अधिकारी मोना बहन को अविलंब सुखा राशन, प्लास्टिक शीट सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

स्मार्ट मीटर की खामियों पर दो बहनों का गीत हुआ वायरल, राजनीति में मचा है घमासान

औरंगाबाद (एजेंसियां)।
स्मार्ट मीटर को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष में घमासान मचा है। ऐसे में औरंगाबाद की वायरल गर्ल्स सृष्टि और सोनाली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी ही तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दोनों बहनें स्मार्ट मीटर के खिलाफ सरकार से यह प्रार्थना करती हुई दिख रही हैं कि इस मीटर की बिहार में फिलहाल कोई जरूरत नहीं है और पुराना मीटर ही बेहतर था। अपने गाने के माध्यम इन सगी बहनों का कहना है कि लोगो के पास इतना रुपया कहां से आएगा कि इस स्मार्ट मीटर को बार-बार रिचार्ज करेगा। इन्होंने सरकार से हाथ जोड़ी विनती करते हुए कहा कि बार-बार रिचार्ज के बावजूद उनका स्मार्ट मीटर माइनस में ही रहता है और बिजली रहते हुए भी अंधेरे में ही लोग जीवन गुजारने को मजबूर हैं।

गाना के माध्यम से वायरल गर्ल्स सृष्टि और सोनाली का कहना है कि इससे फिर से बिजली के पुराने दिनों की याद ताजा हो रही है, जब 24 घंटो में मात्र 2 से 3 घंटे ही बिजली मिला करती थी।

इससे उनकी पढ़ाई तो बाधित होती ही है, मानसिक तौर पर भी लोग परेशान हो जा रहे हैं। गौरतलब है कि रफीगंज निवासी इन वायरल गर्ल्स का शराबबंदी समेत कई वीडियो पूर्व में काफी चर्चित रहा है और इस बार भी स्मार्ट मीटर के खिलाफ यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपना असर छोड़ता हुआ दिख रहा है। वायरल गीत के बोल- गरीब के ढ़ेर नाही अइसे छछनावा, आवे बड़ी बिल अइसन मीटर हटावा। कह तानी सुनी सरकार स्मार्ट मीटर हटावा, कह तानी सरकार अइसन स्मार्ट मीटर केकरो दुआरी ना लगावा।। जल्दी से सोंची करी कउनो उपाय फिर से पुरनके मीटर लगाई, जुटी ना रिचार्ज इ हो मीटर हटावा। कट जाला लाईट, ना ही एतना सतावा, केतनो रिचार्ज करी रही माइनस में, कइसे जलाई लाईट इ नइखे ह बस में।जनता के ढ़ेर नाही मूर्ख बनावा, गरीब के ढ़ेर नाही अइसे छछनावा, सुनी सरकार स्मार्ट मीटर हटावा।

बम के धमाके से छह बच्चे घायल, दो की हालत गंभीर, मची अफरातफरी

पटना (एजेंसियां)।
भागलपुर में मंगलवार की सुबह बम का तेज धमाका हुआ, जिसमें 6 बच्चे घायल हो गए। घटना हबीबपुर थानाक्षेत्र के खिलाफत नगर की है। पुलिस का कहना है कि यह सुतली बम था, जिसके फटने से कई बच्चे घायल हो गये हैं, जिसमें दो की हालत गंभीर है। उनका मायागंज अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायलों में मुहम्मद मन्ना, उसका भाई गोलू के साथ-साथ मुहम्मद आरिफ, मुहम्मद शाहीन, मुहम्मद छोटी और समर शामिल हैं। उन घायलों में मन्ना और गोलू की हालत काफी गंभीर बनी हुई है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि खिलाफतनगर के गली मे छह छोटे-छोटे बच्चे खेल रहे थे। खेलने के दौरान उनकी नजर कूड़े के ढेर के पास एक गेंदनुमा कोई वस्तु दिखाई पड़ा। उनमें से एक मुहम्मद इरशाद के पुत्र मुहम्मद मन्ना ने उसे गेंद सस्मझ कर उठाकर पटक दिया। उसे पटकते ही तेज का धमाका हुआ और चारों तरफ धुआं ही धुआं हो गया। बम के धमाके को सुनकर घर से लोग बाहर निकले। धुआं के बीच बच्चों के चीखने-चिल्लाने की आवाज गूंजने लगी। आननफानन में लोग उस सभी बच्चों को मायागंज स्थित जेए-लएनएमसीएच में भर्ती कराया। फिलहाल सभी का इलाज चल रहा है।

गोपालगंज में दाहा नहर पर बना डायवर्सन टूटा आवागमन बंद होने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

गोपालगंज (एजेंसियां)।
गोपालगंज जिले के कुचायकोट प्रखंड के सिपाया ढाला के पास दाहा नहर पर बना डायवर्सन टूट गया। डायवर्सन टूटने से वहां से आवागमन बंद हो गया, जिसे लेकर ग्रामीणों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उचित और सुरक्षित डायवर्सन का निर्माण न होने की वजह से पानी के तेज बहाव ने संपर्क पथ को तोड़ दिया, जिससे हजारों लोगों का आवागमन ठप हो गया। डायवर्सन टूटने से सिपाया बाजार और अन्य गांवों से दर्जनों गांवों का संपर्क कट गया है, जिससे स्थानीय लोग काफी परेशान हैं।

जानकारी के मुताबिक, भठवां-सिपाया-कोंहवा सड़क के निर्माण के दौरान दाहा नहर पर स्थित पुराने पुल को तोड़ दिया गया था। उसके बाद निर्माण एजेंसी ने अस्थायी रूप से एक डायवर्सन तैयार किया था। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यह डायवर्सन काफी असुरक्षित और अस्थायी था, जिससे अक्सर दुर्घटनाएं हो रही थीं और गाड़ियां पलट रही थीं। ग्रामीण कई बार इस मुद्दे को अधिकारियों के संज्ञान में लाए, लेकिन उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया गया, जिसके परिणामस्वरूप यह डायवर्सन टूट गया।

ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द इस डायवर्सन को ठीक करे, ताकि आवागमन बहाल हो सके। भाजपा मंडल अध्यक्ष चंदन तिवारी ने आरोप लगाया कि पुल को बिना उचित अनुमति के तोड़ा गया, जबकि वह पुल अच्छी अवस्था में था। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच होनी चाहिए और संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

प्रदर्शन में शामिल ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द से जल्द आवागमन बहाल नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। इस प्रदर्शन में चंदन तिवारी, सुभाष तिवारी, सुदामा यादव, अखिलेश शुक्ल, धर्मेंद्र साह सहित अन्य स्थानीय नेता और ग्रामीण शामिल थे।

प्रदर्शनकारियों ने विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों पर लापरवाही का आरोप लगाया, जिससे जनता को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन यह सड़क प्रखंड और जिला मुख्यालय से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके बंद होने से हजारों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है।

छोटे भाई का गला रेतकर भाग गया बड़ा भाई जिंदा या मरा देखने लौटा तो गांव वालों ने पकड़ा

दरभंगा (एजेंसियां)।
समस्तीपुर जिले के मुसरीघरारी थानाक्षेत्र के उदा पट्टी वार्ड-9 मोहल्ले में सोमवार रात को एक दर्दनाक घटना घटी। यहां बड़े भाई ने जमीन विवाद के चलते अपने छोटे भाई की गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया। लेकिन मंगलवार सुबह जब वह यह देखने के लिए लौटा कि उसका भाई जिंदा है या नहीं, तब ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मृतक की पहचान दिवंगत उमा सिंह के बेटे मुकेश कुमार (22) के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, मुकेश कुमार (मृतक) हैदराबाद में मजदूर करता था, जबकि बड़ा भाई विकास कुमार सिंह गांव में रहकर मजदूरी कर रहा था। विकास अपने हिस्से की जमीन बेचकर मकान का निर्माण कर रहा था, जिसकी सूचना मिलते ही मुकेश तीन दिन पहले समस्तीपुर लौट आया था। दोनों भाइयों के बीच पिछले दो दिनों से जमीन बेचने को लेकर लगातार विवाद हो रहा था। सोमवार रात को यह विवाद हिंसक हो गया, जिसके बाद विकास ने मुकेश पर तेज धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी और फरार हो गया।

बताया जा रहा है कि हत्या के बाद विकास घटनास्थल से भाग गया था, लेकिन अगले दिन वह यह देखने के लिए फिर से घर आया कि उसका भाई जिंदा है या नहीं। इस दौरान ग्रामीणों ने उसकी गतिविधियों को संदिग्ध मानते हुए उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और विकास को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से हत्या में इस्तेमाल किया गया तेज धारदार हथियार भी बरामद किया है।

ग्रामीणों ने बताया कि मुकेश के माता-पिता की मौत दो-तीन साल पहले हो चुकी थी और दोनों भाइयों के बीच संपत्ति का विवाद चल रहा था। विकास ने पहले ही करीब दो कट्ठा जमीन बेच दी थी और उसी पैसे से मकान का निर्माण कर रहा था। मुकेश जब यह जानकर हैदराबाद से लौटा, तब से दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ।

मुसरीघरारी थानाध्यक्ष फैजल अंसारी ने बताया कि शुरुआती जांच में यह साफ हो गया है कि हत्या की वजह जमीन विवाद है। आरोपी विकास ने पुलिस के सामने हत्या की बात कबूल कर ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि मुकेश की अभी तक शादी नहीं हुई थी। जबकि विकास शादीशुदा था। इस घटना के बाद से गांव में दहशत और शोक का माहौल है। माना जा रहा है कि संपत्ति के लालच और विवाद के चलते यह हत्या की गई।

बागमती के बाद अब बूढ़ी गंडक का रौद्र रूप शहर में प्रवेश करने लगा है बाढ़ का पानी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर में बागमती नदी के कहर के बाद से अब बूढ़ी गंडक नदी के जल स्तर में तेजी से इजाफा होने लगा है। इसको लेकर लोगो में दहशत बना हुआ है। हालांकि बूढ़ी गंडक नदी अभी खतरे के निशान के नीचे है, लेकिन लगातार जल स्तर में हो रहे इजाफा के साथ जिला के बूढ़ी गंडक नदी के मीनापुर मुसहरी प्रखंड के कई निचले हिस्से में बाढ़ का पानी ने दिया है दस्तक। जिसके बाद लोग दहशत में है।

मीनापुर प्रखंड के मदारीपुर कर्ण पंचायत के कई वार्ड में बाढ़ का पानी आ गया। वहीं अब शहरी क्षेत्रों के भी इलाके में दहशत बन गया है। शहरी क्षेत्रों के अखाड़ा घाट क्षेत्र, संगम घाट क्षेत्र, नज-

ीरपुर और चंदवारा दादर क्षेत्र में लगातार नदी के जल स्तर बढ़ने के साथ परेशानी बढ़ गई है। हालांकि बूढ़ी गंडक नदी अभी खतरे के निशान के नीचे है लेकिन अभी भी लगातार जल स्तर में वृद्धि हो रही है। इसके बाद लोग दहशत में है।

नदी के जल स्तर में तेजी से हो रही इजाफा के बाद अखाड़ा घाट और लकड़ी ढही के इलाके में कई घर जल समाधि लेने लग गए हैं। वहीं इसके साथ ही संगम घाट के पास भी नदी के जल स्तर में वृद्धि से कई घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इस वजह से लोगों की आवजाही में परेशानी बढ़ गई है। उन परेशानियों से निबटने के लिए लोग कृत्रिम नाव का इंतजाम कर आवाजाही करने के लिए मजबूर हैं। लोग थर्मोकोल की बनी हुई नाव के सहारे आवाजाही कर रहे हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि 3 दिनों से नदी का जल स्तर बढ़ता जा रहा है, जिसके बाद से हम सब दहशत में है। लोगों का कहना है कि अगर इसी तरह से लगातार पानी बढ़ता रहा तो घर को खाली करके जाना पड़ेगा। इस तरह से बाढ़ का पानी के आ जाने से लोगो ने लोग अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिए हैं। हालांकि कई बच्चे अभी भी पानी से गुजरते हुए विद्यालय जा रहे हैं।

पटना के बिहटा में बनेगा 300 बेड का नया अस्पताल

सीएम नीतीश कुमार की कैबिनेट ने लिए 45 फैसले

पटना (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार देर शाम पटना लौटे और मंगलवार को सुबह बाढ़ प्रभावित इलाकों के हवाई सर्वेक्षण के लिए निकल गए। दोबारा और भयंकर होकर लौटी बाढ़ के बाद मुख्यमंत्री अब कैबिनेट की बैठक में पहुंचे हैं। अक्टूबर की पहली तारीख को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 45 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने पटना के बिहटा में 300 बेड का नया अस्पताल बनाए जाने को मंजूरी दी। इसके साथ ही बड़े फैसलों में नालंदा में एशियाई चैंपियनशिप ट्रॉफी हॉकी महिला के आयोजन की हरी झंडी दी गई है और इसके लिए 10 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

मंत्रिपरिषद् ने चौथे कृषि रोड मैप के लिए 6212 करोड़ की राशि को मंजूरी दी। जिलों के राजपत्रित कर्मचारियों को हर साल

वित्तीय वर्ष में एक महीने का अतिरिक्त वेतन देने का भी बड़ा फैसला लिया। कैबिनेट ने सीवान के चंछुआ और जगदीशपुर को नगर पंचायत में शामिल करने का फैसला भी लिया। इसके अलावा एक अहम फैसले में सीबीआई से अवकाश प्राप्त पुलिस अधीक्षक को संविदा के आधार पर निगरानी विभाग में रखने की मंजूरी दी गई।

बिहटा में 300 बेड के नए अस्पताल की मंजूरी के साथ ही राज्य कैबिनेट ने मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में 12 करोड़ की लागत से नया केयर यूनिट बनाया जाने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई। औद्योगिक क्षेत्र में पीएनजी और सीएनजी उद्योग से जुड़ी औद्योगिक इकाइयों को बड़ी राहत देते हुए इनपर लागू वैट की दरों को 20% से घटकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

बिहार विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों, पूर्व सदस्यों से जुड़ी चिकित्सा नियमावली में संशोधन का फैसला भी हुआ है, जिसके कारण अब ऐसे जन प्रतिनिधियों को पहले से अधिक सहायता मिलेगी।

इसी तरह, कैबिनेट ने ललित नारायण मिश्रा आर्थिक विज्ञान संस्थान के सेवा शर्त नियमावली को मंजूरी दी। बिहार सिविल सेवा न्याय पर शाखा प्रशिक्षण विभाग नियमावली 2024 को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने छपरा स्थित सारण न्यायालय में 44 करोड़, पूर्णिया न्यायालय में 34 करोड़ और खगड़िया न्यायालय में 32 करोड़ की लागत से नया भवन बनाने पर सहमति दी है। कटिहार और वैशाली में भी न्यायालय के लिए नया भवन बनाने का फैसला हुआ है।

सुपौल, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर में अल्पसंख्यक विभाग का आव-ासीय विद्यालय बनाने का फैसला हुआ।

भवन निर्माण विभाग के अंतर्गत बापू टावर के बापू टावर समिति के गठन को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। बिहार में मुख्यमंत्री वाहन चालक कल्याण योजना 2024 को मंजूरी दी गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com